नई दिल्ली । गुरुवार, 23 अप्रैल, 2026
बैशाख कृष्ण पक्ष नवमी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :107 / मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
नई दिल्ली संस्करण
सिर्फ पत्रकारिता...
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwakesari
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल वेस्टइंडीज चैंपियनशिप : खतरनाक पिच ...
@ विचार ईरान की ताकत बरकरार, अमेरिका के घटे हथियार...
@ व्यापार भारतीय शेयर बाजार बड़ी गिरावट के साथ बंद...

संक्षिप्त खबर

तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए आज मतदान होंगे

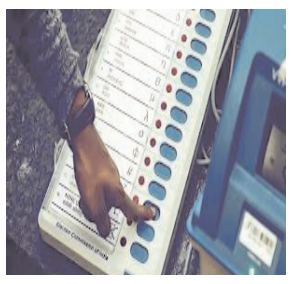

नई दिल्ली। तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान गुरुवार को होंगे। तमिलनाडु में राज्य की सभी 234 विधानसभा सीटों पर एक ही चरण में मतदान होगा। राज्य में 5 करोड़ 73 लाख 43 हजार से अधिक मतदाता हैं। पश्चिम बंगाल में कल 16 जिलों की 152 सीटों पर विधानसभा चुनाव होंगे। इस चरण में 1,478 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण का मतदान अगले बुधवार को होगा। परिणाम 4 मई को घोषित किए जाएंगे।

ईरानी सेना ने भारत आ रहे जहाजों को बनाया बंधक

इस्लामिक गार्ड ने कब्जे में लिया; राजस्थान के मर्चेंट नेवी ऑफिसर फंसे

एजेंसी ■ तेहरान

ईरान की इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड ने होर्मुज स्ट्रेट में भारत आ रहे एक जहाज को रोककर कब्जे में ले लिया है। ईरान ने आरोप लगाया है कि जहाज बिना इजाजत होर्मुज से गुजरने की कोशिश कर रहा था। लाइबेरिया के फ्लैग वाला एपामिनोडेस नाम का यह कंटेनर शिप गुजरात के मुंद्रा पोर्ट की ओर जा रहा था। ईरानी नौसेना के मुताबिक जहाज के नेविगेशन सिस्टम में छेड़छाड़ की गई थी, जिससे समुद्री सुरक्षा को खतरा पैदा हुआ।

कार्रवाई के दौरान ड्रोन्नष्ट ने जहाज को रोककर अपने कब्जे में लिया और उसे तट की ओर ले गई।

इसके अलावा इजराइल से जुड़े फ्रांसेस्का नाम के दूसरे जहाज को भी कब्जे में लिया गया है। इसके अलावा यूफोरिया नाम के जहाज पर हमला भी किया गया है। इस जहाज पर राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले के रहने वाले मर्चेंट नेवी में वाइस कैप्टन संजय माहर मौजूद हैं। उन्होंने दैनिक भास्कर को बताया कि मेरे शिप पर ईरान की सेना ने फायरिंग की। इसके बाद हम सभी अंदर आ गए। जहाज में मेरे समेत कुल 21 क्रू है। संजय ने शिप के अंदर का एक वीडियो भी भेजा है। ट्रम्प ने कहा है कि अमेरिका, पाकिस्तान की अपील पर ईरान के साथ चल रहे युद्धविराम (सीजफायर) को आगे बढ़ा रहा है। हालांकि उन्होंने यह नहीं कहा कि यह कितने दिन के लिए बढ़ाया गया है।

ट्रम्प ने कहा कि ईरान में इस समय नेतृत्व और सरकार में एकजुटता नहीं है। ऐसे वक्त में पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ और आर्मी चीफ आसिम मुनीर ने उनसे ईरान पर कुछ समय तक हमले रोकने की अपील की, ताकि ईरान को साझा प्रस्ताव तैयार करने का वक्त मिल सके।

विधानसभा चुनाव : बंगाल-तमिलनाडु में अब तक 1000 करोड़ से ज्यादा की सामग्री जब्त

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारतीय निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनज़र सख्त निगरानी के बीच पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में बड़े पैमाने पर कार्रवाई करते हुए अब तक 1,000 करोड़ रुपये से अधिक की नकदी, शराब, ड्रग्स और अन्य सामान जब्त किया है। आयोग के ताज़ा आंकड़ों के अनुसार, 26 फरवरी से 22 अप्रैल के बीच कुल 1,072.13 करोड़ रुपये की जब्ती दर्ज की गई है।

आंकड़ों के मुताबिक, तमिलनाडु में सबसे ज्यादा 599.24 करोड़ रुपये की जब्ती हुई, जबकि पश्चिम बंगाल में 472.89 करोड़ रुपये का अवैध सामान पकड़ा गया। इसमें नकदी, शराब, ड्रग्स, कीमती धातुएं और चुनावी 'फ्रीबीज' शामिल हैं, जिन्हें मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता था। जब्त की गई सामग्री में 127.67 करोड़ रुपये नकद, 40 लाख लीटर से अधिक शराब, 184.83 करोड़ रुपये के ड्रग्स, 215.19 करोड़ रुपये की कीमती धातुएं और 437.97 करोड़ रुपये के फ्रीबीज शामिल हैं। आयोग के अनुसार, यह कार्रवाई चुनावों को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने की दिशा में अहम कदम है। चुनाव आयोग ने दोनों राज्यों में निगरानी और सख्त करने के लिए 5,011 फ्लाइंग स्क्वाड टीमें और 5,363 स्टैटिक सर्विलांस टीमें तैनात की हैं। फ्लाइंग स्क्वाड को शिकायत मिलने के 100 मिनट के भीतर कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं, जबकि सर्विलांस टीमें विभिन्न स्थानों पर अचानक जांच कर रही हैं। आयोग ने साफ कहा है कि जांच के दौरान आम नागरिकों को किसी तरह की असुविधा या उत्पीड़न न हो, इसके लिए जिला स्तर पर ग्रिवांस कमेटियां भी बनाई गई हैं। साथ ही नागरिकों और राजनीतिक दलों को सी-विजिल मॉड्यूल के जरिए आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायत दर्ज कराने की सुविधा दी गई है।

दिल्ली में अब उन वाहनों को मिलेगा ईंधन, जिनके पास होगा वैध पीयूसी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण पर रोक लगाने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। उन्होंने कहा कि अब दिल्ली में महज उन्हीं वाहनों को ईंधन प्राप्त होगा, जिनके पास पॉल्यूशन अंडर कंट्रोल (पीयूसी) का प्रमाणपत्र होगा। जिन वाहन चालकों के पास यह प्रमाणपत्र नहीं होगा, उन्हें अब से ईंधन नहीं मिलेगा। मुख्यमंत्री ने इस आदेश की जानकारी अपने सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर दी है।

अपने पोस्ट में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने साफ किया कि यह कदम दिल्ली में जारी प्रदूषण के कहर पर रोक लगाने के लिए उठाया गया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के सभी पेट्रोल पंप संचालकों और एजेंसियों को इस संबंध में निर्देश जारी कर दिए गए हैं और उन्हें साफ कर दिया गया है कि वे इनका गंभीरतापूर्वक पालन करें। इस दिशा में किसी भी प्रकार की कोताही स्वीकार न करें। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा, अब बिना वैध 'पॉल्यूशन अंडर कंट्रोल' प्रमाणपत्र वाले किसी भी वाहन को दिल्ली के फ्यूल स्टेशंस पर पेट्रोल, डीजल, सीएनजी या एलपीजी जैसे ईंधन उपलब्ध नहीं कराए जाएंगे। वायु प्रदूषण की चुनौती से निपटने के लिए कड़े और प्रभावी कदम उठाना समय की आवश्यकता है और हमारी सरकार इस दिशा में पूरी प्रतिबद्धता, दृढ़ इच्छाशक्ति और जनहित के संकल्प के साथ निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने दिल्ली के प्रदूषण पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में दिल्ली में प्रदूषण पर रोक लगाने के लिए हमें प्रभावी कदम उठाने होंगे, तभी जाकर हमें धरातल पर स्थिति सकारात्मक होती हुई दिखेगी।

बिहार : सम्राट सरकार की पहली कैबिनेट में 22 प्रस्तावों को मंजूरी

एजेंसी ■ पटना

बिहार में सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री बनने के बाद बुधवार को कैबिनेट की पहली बैठक हुई। इस बैठक में कुल 22 प्रस्तावों की मंजूरी दी गई।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में दोनों उपमुख्यमंत्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव और विजय चौधरी भी उपस्थित रहे। कैबिनेट की इस बैठक में महिला पुलिसकर्मियों के लिए 1500 स्कूटी खरीदने के लिए 18 करोड़ 75 लाख रुपये की स्वीकृति मिली है, जबकि पुलिसकर्मियों के लिए 3200 मोटरसाइकिल खरीदने के लिए 48 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई।

बैठक में सोनपुर में अवस्थित बाबा हरिहरनाथ मंदिर परिक्षेत्र का काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, वाराणसी के तर्ज पर समग्र विकास एवं भू-अर्जन किए जाने हेतु प्राक्कलित राशि 680 करोड़ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई। इस योजना के अंतर्गत वर्तमान बाबा हरिहरनाथ मंदिर की बाह्य संरचना एवं परिसर का उन्नयन, मंदिर परिक्षेत्र के अंतर्गत पर्यटकीय आधारभूत संरचनाओं एवं भवनों का निर्माण, साइट के विकास तथा निर्मित अवसंरचनाओं का 10 वर्षों के लिए प्रभावी अनुरक्षण एवं भू-अर्जन इत्यादि से संबंधित कार्य कराए जाएंगे।

इस योजना का कार्यान्वयन बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम के द्वारा किया जाएगा। बैठक में पटना, सोनपुर, गया जी, दरभंगा, सहरसा, पूर्णिया और मुंगेर में टाउनशिप के विशेष क्षेत्र तथा कोर क्षेत्र के लिए मास्टर प्लान अधिसूचित करने के लिए 31 मार्च 2027 तक, तथा मुजफ्फरपुर, छपरा, भागलपुर और सीतामढ़ी में टाउनशिप के विशेष क्षेत्र तथा कोर क्षेत्र के लिए मास्टर प्लान अधिसूचित करने के लिए 30 जून 2027 तक भूमि क्रय और भ्रमण निर्माण से संबंधित सभी कार्यों पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने का निर्णय लिया गया है।

वहीं, 11 टाउनशिप के नाम और अनुशंसित विशेष क्षेत्र तथा कोर क्षेत्र की स्वीकृति दी गई है। कैबिनेट की इस बैठक में आईआईटी पटना परिसर में 11 एकड़ भूमि पर करीब 480 करोड़ रुपये की लागत से पटना रिसर्च पार्क की स्थापना के लिए राज्य सरकार की ओर से आईआईटी पटना को सहायक अनुदान के रूप में 305 करोड़ की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है।

1 मई से लागू होंगे ऑनलाइन गेमिंग के नए नियम, सख्त फ्रेमवर्क तैयार

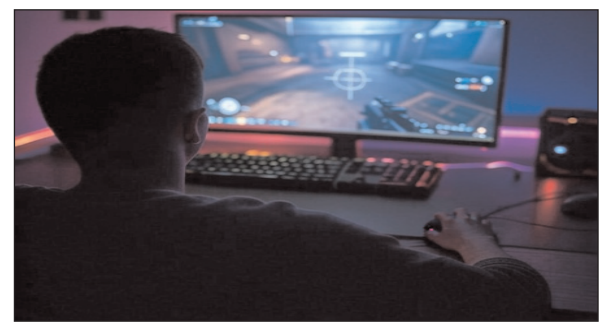

एजेंसी ■ नई दिल्ली

सरकार ने बुधवार को कहा कि देश में तेजी से बढ़ते ऑनलाइन गेमिंग सेक्टर को नियंत्रित करने के लिए 1 मई 2026 से नए नियम लागू होंगे।

यह नया फ्रेमवर्क 'प्रमोशन एंड रेगुलेशन ऑफ ऑनलाइन गेमिंग एक्ट 2025' के तहत तैयार किया गया है, जिसका उद्देश्य खासकर बच्चों और कमजोर वर्गों को आर्थिक और मानसिक नुकसान से बचाना है, साथ ही भारत को गेमिंग और डिजिटल क्रिएटिविटी का वैश्विक केंद्र बनाना भी है।

इन नियमों को इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) ने तैयार किया है। 'प्रमोशन एंड रेगुलेशन ऑफ ऑनलाइन गेमिंग रूल्स, 2026' नाम से ये नियम लागू होंगे, जो इस कानून को लागू करने का तरीका तय करते हैं। यह कानून अगस्त 2025 में संसद द्वारा पास किया गया था।

सरकार ने ये नियम कई मंत्रालयों के साथ चर्चा और कानूनी जांच के बाद अंतिम रूप दिए हैं, ताकि तेजी से बढ़ रहे इस सेक्टर में स्पष्टता और नियमों का पालन सुनिश्चित किया जा सके। खासकर पैसे से जुड़े गेम्स और उनकी लत को लेकर बढ़ती चिंताओं को ध्यान में रखा गया है। इस नए सिस्टम के तहत 'ऑनलाइन गेमिंग अथॉरिटी ऑफ इंडिया' नाम की एक नई संस्था बनाई जाएगी, जो ऑनलाइन गेमिंग की निगरानी करेगी। यह संस्था नई दिल्ली में स्थित होगी और एमईआईटीवाई के तहत काम करेगी। इसमें गृह मंत्रालय, वित्त मंत्रालय, सूचना एवं प्रसारण, युवा मामले और खेल, और कानून मंत्रालय के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

'छात्र जीवन में प्रतिभा के साथ अनुशासन एवं कड़ी मेहनत जरूरी' : तेंदुलकर

दंतेवाड़ा के ग्राम छिंदनार में सचिन तेंदुलकर ने रखी खेल क्रांति की नींव

संवाददाता ■ दंतेवाड़ा

छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले का स्वामी आत्मानंद हिन्दी मिडियम हाई स्कूल छिंदनार गाँव बुधवार को एक ऐतिहासिक बदलाव का साक्षी बना, जहाँ क्रिकेट जगत के दिग्गज सचिन तेंदुलकर ने सचिन तेंदुलकर एवं मानदेशी फाउंडेशन द्वारा निर्मित मल्टी-स्पोर्ट्स ग्राउंड का उद्घाटन किया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर मानदेशी फाउंडेशन की फाउंडर चेतना सिन्हा की सचिन के साथ मौजूदगी रही। जो इस क्षेत्र में बुनियादी विकास और महिला सशक्तिकरण की दिशा में मिलकर कार्य कर रही हैं। कार्यक्रम में तेंदुलकर परिवार की विशेष उपस्थिति रही।

कार्यक्रम की शुरुआत में सचिन, सारा और सोनिया ने विभिन्न खेल गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लेकर बच्चों का मनोबल बढ़ाया। उन्होंने न केवल बच्चों को खेलों के प्रति प्रेरित किया, बल्कि स्वयं भी उनके साथ शामिल होकर एक सकारात्मक वातावरण तैयार किया। कार्यक्रम के दौरान रस्साकशी, वॉलीबॉल, दौड़ और खो-खो जैसे रोचक खेल आयोजित किए गए, जिनमें बच्चों ने पूरे जोश और उमंग के साथ हिस्सा लिया। इन गतिविधियों से बच्चों में टीम भावना, आत्मविश्वास और खेल भावना का विकास हुआ। साथ ही, सचिन, सारा और सोनिया के सहयोग से बच्चों को प्रोत्साहन मिला और वे नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित हुए। उल्लेखनीय है कि छिंदनार के गांव के ही छात्र छात्राएं भूमिका ठाकुर, नियासा मौर्य, निर्मला तरमा, पायल ठाकुर, सीताराम पुनर्म, अमित कुमार द्वारा सचिन तेंदुलकर को खेल गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। मैदान के उद्घाटन के पश्चात सचिन तेंदुलकर ने देश की युवा प्रतिभाओं को तराशने की दिशा में अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि भविष्य के चैंपियन तैयार करने के लिए केवल व्यक्तिगत जुनून पर्याप्त नहीं है, बल्कि जमीनी स्तर पर आधुनिक और सुदृढ़ खेल सुविधाओं का होना अनिवार्य है। इस दौरान सचिन ने खुद को केवल क्रिकेट पिच तक सीमित न रखते हुए वॉलीबॉल और अन्य मैदानी खेलों के महत्व पर भी चर्चा की। उन्होंने बच्चों को प्रेरित करते हुए बताया कि विभिन्न खेलों में भागीदारी करने से खिलाड़ियों की रणनीतिक समझ और मानसिक परिपक्वता बढ़ती है।

फाउंडेशन की इस दूरगामी पहल के तहत क्षेत्र के 50 गाँवों में इसी तरह के खेल मैदान विकसित किए जा रहे हैं।

खेलों के माध्यम से बस्तर में सकारात्मक बदलाव की मजबूत नींवः मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने माँ दंतेश्वरी की पावन धरा पर भारत रत्न और क्रिकेट के महानायक सचिन तेंदुलकर के आगमन पर सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि दंतेवाड़ा जिले के सुदूर वनांचल क्षेत्र छिंदनार ग्राम में सचिन तेंदुलकर का आगमन बदलते हुए बस्तर की सशक्त पहचान है। यह उस नए बस्तर की तस्वीर प्रस्तुत करता है, जो अब भय और असुरक्षा की छाया से निकलकर विकास, अवसर और आत्मविश्वास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रेहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस तरह की पहल बस्तर के युवाओं को नई दिशा देंगी और उन्हें अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित करेंगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सचिन तेंदुलकर द्वारा बच्चों के बीच जाकर समय बिताना, उन्हें खेलों के प्रति प्रेरित करना और उनके भीतर आत्मविश्वास का संचार करना इस अभियान को और अधिक प्रभावशाली बनाता है। इससे न केवल खेल प्रतिभाओं को निखरने का अवसर मिलेगा, बल्कि युवाओं में अनुशासन, टीम भावना और सकारात्मक ऊर्जा का भी संचार होगा। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सचिन तेंदुलकर का बस्तर आगमन प्रदेश के लिए गौरव का विषय है और उनका आगमन यहां के बच्चों एवं युवाओं के लिए प्रेरणा का एक सशक्त स्रोत बनेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन एवं माणदेशी फाउंडेशन द्वारा संचालित 'मैदान कप अभियान' खेल अधोसंरचना के विकास की दिशा में एक दूरदर्शी पहल है। विशेष रूप से जनजातीय अंचलों में बच्चों को खेल मैदान और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने का यह प्रयास बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

बंगाल में 'मां-माटी-मानुष' का अपमान हुआ, जनता वोट से देगी जवाबः नितिन नवीन

नैहाटी । पश्चिम बंगाल की 152 विधानसभा सीटों पर गुरुवार को पहले चरण के तहत वोटिंग होगी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने दावा किया कि गुरुवार से ममता की आराजकता वाली सरकार का समापन शुरू होगा।

नैहाटी में आईएएनएस से बातचीत में नितिन नवीन ने कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता अपनी पहली मुक्ति के लिए वोट करेगी। वे टीएमसी सरकार को हटाने के लिए वोट करेंगे। जिस प्रकार से टीएमसी के गुंडों ने हफ्ता वसूली और रंगदारी की और लोगों को प्रताड़ित किया है, जिस 'मां, माटी, मानुष' के नारे के साथ टीएमसी सरकार सत्ता में आई थी, उन्होंने उसका भी अपमान किया है। इसलिए अब इस सरकार को उखाड़ फेंकने का समय आ गया है। पश्चिम बंगाल की जनता इसकी शुरुआत गुरुवार को होने वाले पहले चरण की वोटिंग से करेगी।

उन्होंने कहा कि टीएमसी के लोग अराजकतावादी हैं। ये संविधान और संविधान में निर्धारित प्रक्रियाओं में विश्वास नहीं रखते। ये अपनी सत्ता और अपने शासन में विश्वास रखते हैं। ये संविधान के कानूनों को नहीं मानते। और यही कारण है कि इन्हें हर तरफ से फटकार पड़ रही है।

पीएम मोदी को लेकर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान पर निंदा करते हुए नितिन नवीन ने कहा कि मेरा मानना है कि जब भी कांग्रेस ने इतनी गिरी हुई बातें की हैं तो जनता ने उसे जवाब दिया है, और इस बार भी देगी।नितिन नवीन ने कहा कि जब-जब कांग्रेस ने मोदी का अपमान किया, तब-तब देश की जनता मोदी को जीत का हार पहनाती है। राहुल गांधी और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने जिन शब्दों का प्रयोग किया है, अब बंगाल की जनता अपने वोट की चोट से उन्हें जवाब देगी।

भाजपा चीफ ने एक्स पोस्ट में लिखा कि नैहाटी स्थित 'बड़ो मां काली मंदिर' में विधिवत पूजा-अर्चना कर मां के चरणों में शीश नवाया तथा देश की शांति, समृद्धि और जनकल्याण की कामना की। यह पावन धाम पश्चिम बंगाल की समृद्ध आस्था, परंपरा और सांस्कृतिक चेतना का सशक्त प्रतीक है, जहां मां काली के प्रति श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत स्वरूप देखने को मिलता है। मां का आशीर्वाद सभी के जीवन में सुख, शांति और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करे।

महाराष्ट्र : सरकार ने कचरे को हरित ऊर्जा में बदलने के लिए सीबीजी नीति को दी मंजूरी

मुंबई । महाराष्ट्र सरकार ने बुधवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक में 'महाराष्ट्र राज्य संपीडित बायोगैस (सीबीजी) नीति 2026' को मंजूरी दी। यह नीति कचरे के बेहतर प्रबंधन और ऊर्जा में आत्मनिर्भरता बढ़ाने के उद्देश्य से बनाई गई है।

इस नीति का मकसद शहरों में बढ़ते कचरे और कृषि अवशेषों की समस्या का समाधान करना है, जिससे इन्हें साफ और नवीकरणीय ईंधन में बदला जा सके।महाराष्ट्र में अभी लगभग 24,500 मीट्रिक टन नगरपालिका ठोस कचरा हर दिन 423 शहरी निकायों से निकलता है। इसका बड़ा हिस्सा जैविक (ऑर्गेनिक) होता है, लेकिन बहुत कम मात्रा में इसे खाद या बायोगैस में बदला जाता है। इससे लैंडफिल क्षेत्रों में प्रदूषण और भूजल प्रदूषण की गंभीर समस्या पैदा होती है।

इसके अलावा राज्य में हर साल 2 करोड़ टन से अधिक कृषि अवशेष जलाए जाते हैं या बर्बाद हो जाते हैं। नई नीति का उद्देश्य इस समस्या को कम करना है और कचरे को दो हिस्सों 'जैविक और अजैविक' में अलग करने को अनिवार्य बनाना है।

इस नीति के मुख्य लक्ष्य हैं, सीबीजी उत्पादन बढ़ाना, जो उद्योग, परिवहन और घरेलू उपयोग में काम आएगा, भारत के 2070 तक नेट-जीरो कार्बन उत्सर्जन लक्ष्य में योगदान देना, बायोएनर्जी क्षेत्र में निवेश, रोजगार और उद्यमिता बढ़ाना और मराठवाड़ा क्षेत्र की खाली और आर्द्रभूमि में नेपियर घास की खेती को बढ़ावा देना, जिससे ज्यादा मीथेन गैस मिल सके।

आर्थिक रूप से परियोजनाओं को व्यावहारिक बनाने के लिए, हर सीबीजी प्रोजेक्ट में रोजाना कम से कम 200 टन जैविक कचरे की आवश्यकता होगी। छोटे शहरी निकायों को मिलाकर समूह (क्लस्टर) बनाए जाएंगे और हर तालुका में एक परियोजना स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है।

1 ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी के लिए यूपी में आईटीआई और स्किल ट्रेनिंग का होगा आधुनिकीकरण, उद्योगों से जुड़ेंगे कोर्स

लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनाने के लक्ष्य की दिशा में स्किल डेवलपमेंट सेक्टर को और अधिक प्रभावी बनाने की कवायद तेज हो गई है। बुधवार को उत्तर प्रदेश सचिवालय में आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने विभागीय योजनाओं की प्रगति का विस्तृत आकलन किया।

इसी क्रम में व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग की समीक्षा करते हुए राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने स्पष्ट निर्देश दिए कि कौशल विकास कार्यक्रमों को सीधे रोजगार से जोड़ा जाए, ताकि युवाओं को प्रशिक्षण के बाद तत्काल रोजगार के अवसर उपलब्ध हो सकें।

बैठक में यह स्पष्ट किया गया कि योगी सरकार स्किल डेवलपमेंट को प्रदेश की आर्थिक प्रगति का प्रमुख आधार मानते हुए इसे उद्योगों से जोड़ने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। आईटीआई सुधार, इंडस्ट्री पार्टनरशिप और आधुनिक कोर्सेज के माध्यम से प्रदेश के युवाओं को रोजगार योग्य बनाकर बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

प्रदेश में तेजी से बढ़ते औद्योगिक निवेश और एमएसएमई सेक्टर के विस्तार को देखते हुए स्किल्ड मैनपावर की मांग भी बढ़ रही है। ऐसे में कौशल विकास कार्यक्रमों को रोजगार से जोड़ने की यह पहल उत्तर प्रदेश को 1 ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनाने के लक्ष्य की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि स्किल डेवलपमेंट केवल प्रमाण पत्र देने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसका अंतिम लक्ष्य युवाओं को रोजगार या स्वरोजगार से जोड़ना होना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी प्रशिक्षण कार्यक्रमों को समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाया जाए।

बैठक में आईटीआई के व्यापक आधुनिकीकरण पर विशेष चर्चा हुई। टाटा टेक्नोलॉजीज के साथ सहयोग को आगे बढ़ाने पर जोर देते हुए मंत्री ने कहा कि प्रशिक्षण को पूरी तरह इंडस्ट्री-ओरिएंटेड बनाया जाए, जिससे युवाओं को प्रशिक्षण के तुरंत बाद रोजगार मिल सके।

इसके साथ ही डिलाइट इंडिया के साथ वर्चुअल प्रेजेंटेशन में नई तकनीकों के अनुरूप स्किलिंग को अपडेट करने की आवश्यकता पर बल दिया गया। उन्होंने निर्देश दिए कि आईटीआई और कौशल विकास केंद्रों में आधुनिक उपकरण, अत्याधुनिक लैब और बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि प्रशिक्षण की गुणवत्ता अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप हो सके।अग्रवाल ने कौशल विकास मिशन और आईटीआई में बढ़ते ड्रॉपआउट को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि इसके मूल कारणों की पहचान कर प्रभावी समाधान लागू किए जाएं।

लखनऊ क्राइम ब्रांच की बड़ी कार्रवाई, 1.3 करोड़ रुपए के जीएसटी फ्रॉड मामले में आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ । लखनऊ क्राइम ब्रांच पुलिस ने बुधवार को फर्जी जीएसटी फर्मों का संचालन करने वाले अपराधियों के खिलाफ अपनी कार्रवाई में बड़ी सफलता हासिल की। जीएसटी कर चोरी करने वाले एक बड़े संगठित गिरोह का भंडाफोड़ किया गया, जिसने फर्जी जीएसटी फर्म बनाकर लगभग 1 करोड़ 30 लाख रुपए के धोखाधड़ी वाले लेनदेन किए हैं।

लखनऊ क्राइम ब्रांच की एडीसीपी किरण यादव ने बताया कि क्राइम ब्रांच ने 1.3 करोड़ रुपए के जीएसटी फ्रॉड मामले में लखीमपुर खीरी निवासी अभियुक्त रविंद्रा गिरी को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस पूछताछ में अपराधी ने बताया कि आम जनमानस को मुद्रा लोन दिलाने के नाम पर उनके ओरिजिनल डॉक्यूमेंट जैसे आधार कार्ड, पैन कार्ड उनसे लेता था और उन डॉक्यूमेंट को लेकर सिम खरीदता था और फर्जी जीएसटी बनाता था। उन्होंने बताया कि मामले में पूछताछ जारी है, अन्य अभियुक्त की तलाश की जा रही है। इस गिरोह में शामिल अन्य अपराधियों की भी जल्द से जल्द गिरफ्तारी की जाएगी।

मार्च में इसी प्रकार का एक और मामला का खुलासा करते हुए जनपद गौतमबुद्धनगर में राज्य कर विभाग ने बोगस (फर्जी) फर्मों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए टैक्स चोरी के एक संगठित नेटवर्क का खुलासा किया था। उपायुक्त (प्रशासन) राज्य कर, नोएडा, ने विभाग द्वारा चलाए गए विशेष जांच अभियान के दौरान बड़ी संख्या में फर्जी कंपनियों का पर्दाफाश किया, जो केवल कागजों पर संचालित होकर सरकारी राजस्व को भारी नुकसान पहुंचा रही थीं।

गौतमबुद्धनगर जोन, नोएडा द्वारा पंजीकृत फर्मों की गहन जांच और भौतिक सत्यापन (रेकी) के दौरान, राज्य क्षेत्राधिकार के अंतर्गत पंजीकृत 20 फर्म और केंद्रीय क्षेत्राधिकार के तहत पंजीकृत 60 फर्म पूरी तरह से बोगस या अस्तित्वहीन पाई गईं। जांच में सामने आया कि इन फर्मों ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर धोखाधड़ी से जीएसटी पंजीकरण प्राप्त किया था, जिसका उद्देश्य कर चोरी करना था।

विभाग ने तत्काल प्रभाव से इन सभी फर्मों के पंजीकरण निरस्त कर आगे की विधिक कार्रवाई शुरू की। जांच के दौरान यह भी सामने आया था कि इन फर्जी फर्मों ने करीब 1027 अन्य फर्मों को लगभग 637 करोड़ रुपए की इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) पास की थी। इसमें से 455 फर्म उत्तर प्रदेश में और 574 अन्य राज्यों में पंजीकृत थे।

बिहार के नगर निगमों में खुलेगा फ्रेश कैच फिश आउटलेट, मिलेंगी ताजी मछलियां

पटना । बिहार के उपभोक्ताओं और मछली पालकों को ध्यान में रखते हुए मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग जल्द ही पटना सहित कई नगर निगमों में फ्रेश कैच फिश आउटलेट खोलने जा रहा है, जहां जिंदा और ताजा मछलियां बिकेंगी।

बिहार मछली उत्पादन में न केवल आत्मनिर्भर हुआ है, बल्कि निर्यात की दिशा में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। राज्य के विभिन्न जिलों से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, राज्य से 39.07 हजार टन मछलियां बाहर भेजी गई हैं, जिसमें नेपाल, सिलीगुड़ी, लुधियाना, अमृतसर, बनारस, गोरखपुर, देवरिया, रांची तथा गोड्डा आदि प्रमुख शहर शामिल हैं।

बिहार में उत्पादित मछलियों की मांग राज्य के बाहर लगातार बढ़ रही है। ऐसे में माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में बिहार से होने वाला मछलियों का निर्यात और बढ़ेगा। बिहार सरकार का डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग मछलियों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए तेजी से प्रयास कर रहा है।माना जा रहा है कि राज्य में मत्स्यिकी एवं जलकृषि के विकास की असीम संभावनाएं हैं। मछली पालन के जरिए कम भूमि में अधिक से अधिक उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। इसे ध्यान में रखते हुए बिहार सरकार कृषि रोडमैप के जरिए मछली पालन को लगातार गति दे रही है।

आंकड़ों पर गौर करें तो वर्ष 2014-15 से 2024-25 तक मछली उत्पादन में करीब 100 फीसदी की बढ़ोतरी हो चुकी है। वर्ष 2013-14 के आंकड़ों के मुताबिक, मछली उत्पादन में बिहार राष्ट्रीय रैंकिंग में नौवें स्थान पर था। वहीं, उत्पादन में वृद्धि के बाद वर्ष 2023-24 में ही बिहार चौथे स्थान पर आ गया है।

इस तरह बिहार ने हाल के वर्षों में तेजी से तरक्की करते हुए मछली उत्पादन के क्षेत्र में मजबूत और स्थिर प्रगति की है। विभाग के मुताबिक, वित्तीय वर्ष 2023-24 में 8.73 लाख मीट्रिक टन मछली का उत्पादन हुआ था।

वहीं, वित्तीय वर्ष 2024-25 में यह बढ़कर 9.59 लाख मीट्रिक टन हो गया है। इसका परिणाम है कि बिहार अब मछली निर्यात की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

41 बायोगैस सिलेंडर भरने और स्टोरेज प्लांट्स को मिली मंजूरी, 14 को जारी किया गया लाइसेंसः केंद्र

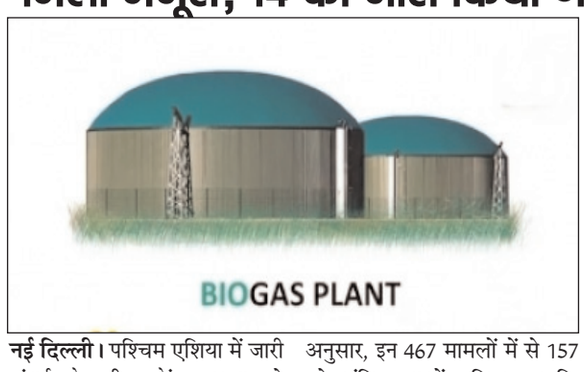

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच केंद्र सरकार ने बुधवार को बताया कि 41 बायोगैस सिलेंडर भरने और स्टोरेज प्लांट्स को मंजूरी दी गई है, जिनमें से 14 प्लांट्स को लाइसेंस भी जारी कर दिया गया है। एक आधिकारिक बयान में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने बताया कि पेट्रोलियम और विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पीईएसओ) को कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) और कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) स्टेशन के लिए कुल 467 आवेदन मिले थे, जिन्हें 25 मार्च से 21 अप्रैल के बीच प्राथमिकता के आधार पर निपटाया गया।पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार, इन 467 मामलों में से 157 को अंतिम लाइसेंस मिला, जबकि 38 मामलों में नए सीएनजी/सीबीजी स्टेशनों के निर्माण के लिए पूर्व मंजूरी दी गई।पेट्रोलियम और विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पीईएसओ) ने मौजूदा संकट के दौरान ईंधन और गैस की उपलब्धता बनाए रखने के लिए कई सुरक्षा और सहायक कदम उठाए हैं।सुपीरियर केरोसीन ऑयल (एसकेओ) के अस्थायी भंडारण में छूट दी गई है, जिससे 2,500 लीटर तक स्टोरेज की अनुमति मिली है और एक बार के लिए 5,000 लीटर तक की छूट दी गई है, ताकि पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम (पीडीएस) के तहत अंतिम उपभोक्ता तक आपूर्ति जारी रहे।

मंत्रालय ने बताया कि घरेलू उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए 18 मार्च को अमोनियम नाइट्रेट के निर्यात पर पूरी तरह रोक लगा दी गई। साथ ही, एलएनजी को क्रायोजेनिक सिलेंडर में भरने की अनुमति देने के दिशा-निर्देश जारी किए गए, जिससे ईंधन आपूर्ति को और लचीला बनाया जा सके।

पीईएसओ ने 20 मार्च को निर्देश जारी किए कि सीएनजी स्टेशनों और डिकंप्रेशन यूनिट्स से जुड़े आवेदनों को 10 दिनों के भीतर निपटाया जाए, ताकि इंफ्रास्ट्रक्चर तेजी से विकसित हो सके।

जल्द आपूर्ति की समस्या को दूर करने के लिए 14 मार्च को पोरबंदर जेट्टी पर एलपीजी उतारने की अनुमति भी दी गई। पारदर्शिता बढ़ाने के लिए 1 अप्रैल 2026 को पीईएसओ की वेबसाइट पर पीडीएस केरोसीन और डीजल सप्लाई के लिए मंजूर कंटेनर निर्माताओं और उनकी क्षमता की सूची जारी की गई।

राजनाथ सिंह व जर्मनी के रक्षामंत्री की मुलाकात, डिफेंस इंडस्ट्रियल रोडमैप पर हुए हस्ताक्षर

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बर्लिन में जर्मनी के रक्षा मंत्री बोरिस पिस्टोरियस से महत्वपूर्ण मुलाकात की। यह बैठक उनकी तीन दिवसीय जर्मनी यात्रा का अहम हिस्सा रही, जिसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच रक्षा और रणनीतिक सहयोग को और मजबूत करना है।

इस मुलाकात की एक प्रमुख उपलब्धि 'डिफेंस इंडस्ट्रियल रोडमैप' पर हस्ताक्षर करना रहा। यह रोडमैप और समझौता दोनों देशों के बीच रक्षा उद्योग में सहयोग को नई दिशा देगा। बुधवार को हुई इस बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने व्यापक मुद्दों पर चर्चा की। राजनाथ सिंह ने भारत का पक्ष दोहराते हुए कहा कि आतंकवाद की उसके हर रूप में बिना किसी अपवाद या औचित्य के स्पष्ट रूप से निंदा की जानी चाहिए। वहीं भारत-जर्मनी रक्षा सहयोग को गहरा करने, वैश्विक और क्षेत्रीय सुरक्षा परिदृश्य में हो रहे बदलावों, तथा उभरती भू-राजनीतिक चुनौतियों पर चर्चा भी शामिल रही।

दोनों पक्षों ने इस बात पर सहमति जताई कि वर्तमान समय में बदलती वैश्विक परिस्थितियों के बीच मजबूत और भरोसेमंद साझेदारी बेहद आवश्यक है। इसके अलावा, संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में सहयोग को लेकर एक कार्यान्वयन व्यवस्था (इम्प्लीमेंटिंग अरेंजमेंट) पर भी हस्ताक्षर किए गए। इसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच शांति अभियानों में समन्वय बढ़ाना, प्रशिक्षण और अनुभव साझा करना तथा वैश्विक शांति प्रयासों में प्रभावी योगदान सुनिश्चित करना है।

बैठक के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि जर्मनी के रक्षा मंत्री से मुलाकात अत्यंत सकारात्मक और सार्थक रही। उन्होंने बताया कि दोनों देशों ने रक्षा सहयोग को और मजबूत करने के साथ-साथ वैश्विक सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर खुलकर विचार-विमर्श किया। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की यह यात्रा भारत और जर्मनी के बीच बढ़ते रणनीतिक संबंधों का संकेत है। दोनों देश लोकतांत्रिक मूल्यों, नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था और वैश्विक शांति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को साझा करते रहे हैं। ऐसे में रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में बढ़ता सहयोग न केवल द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करेगा, बल्कि वैश्विक स्थिरता में भी योगदान देगा।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इससे पहले जर्मनी की राजधानी बर्लिन में भारतीय समुदाय के लोगों से भी मुलाकात की थी।

जलप्रदाय में लापरवाही सहन नहीं की जायेगी : महापौर

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर में महापौर मीनल चौबे ने नगर निगम जल विभाग एवं जलबोर्ड के अधिकारियों की आवश्यक बैठक शहर में गर्मी में जलप्रदाय प्रबंध की समीक्षा हेतु ली। उन्होंने नागरिकों को सुगम पेयजल आपूर्ति हेतु कडे निर्देश दिये।

महापौर मीनल चौबे ने साफ कहा कि राजधानी शहर में नागरिको को गर्मी में पेयजल प्रदाय व्यवस्था में किसी प्रकार की लापरवाही कदापि सहन नहीं की जायेगी एवं लापरवाही मिलने पर जवाबदेही तय कर संबंधित अधिकारी पर कड़ी कार्यवाही की जायेगी। महापौर ने अधिकारियों को शहर में तालाबो एवं जलस्त्रोतो के समीप हाईडेन बनाकर व्यवस्था शीघ्र देने निर्देश दिये ताकि हाईडेन से नागरिको को वार्डो में गर्मी में जलआपूर्ति व्यवस्था सुगम बनायी जा सके।

अबूझमाड़ से हटेगा अबूझ का टैग, 497 गांवों का पहली बार होगा राजस्व सर्वे

रायपुर। बस्तर संभाग के 497 गांवों में मई से राजस्व सर्वे शुरू होगा। अबूझमाड़ सहित बस्तर के इन गांवों में सरकार पहली बार आधिकारिक रूप से कदम रखने जा रही है। राजस्व सर्वे होने से सदियों से गुमनाम रहे इलाके सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज होंगे

सर्वे के लिए आईआईटी रुड़की को जिम्मेदारी दी गई है। नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ के 240 गांव आज तक किसी भी सरकारी सर्वे की श्रेणी में नहीं थे।

ना कभी पटवारी पहुंचे और ना कोई सरकारी सर्वेक्षक

माओवादियों के डर के कारण इन गांवों में ना तो कभी पटवारी पहुंचे और ना ही कोई सरकारी

सर्वेक्षक, लेकिन अब बीजापुर, सुकमा, कोंडागांव, बस्तर, कांकेर और दंतेवाड़ा जैसे जिलों के सैकड़ों गांवों का नक्शा तैयार होगा।

अबूझमाड़ के 5,000 वर्ग किलोमीटर से अधिक क्षेत्र के मानचित्रण के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी-रुड़की) के साथ इसी साल जनवरी में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे।

विज्ञानी तरीके से होगा सर्वे

अबूझमाड़, जिसे दशकों तक माओवाद के साये और दुर्गम रास्तों के कारण अबूझ (अनसुलझा) माना जाता था, अब विकास की मुख्यधारा से जुड़ने जा रहा है। सर्वे केवल जमीन नापने तक सीमित नहीं होगा, बल्कि जल, जंगल, नदी, तालाब और खेतों का विज्ञानी तरीके से रिकॉर्ड तैयार किया जाएगा।

सर्वे के बाद किसान एमएसपी पर बेच सकेंगे धान

हैबिटेशन मैपिंग के जरिए यह पता लगाया जाएगा कि वास्तविक तौर पर किस ग्रामीण के पास कितनी जमीन है और वहां की आबादी कितनी है। सरकारी रिकॉर्ड में नहीं होने के कारण अबूझमाड़ इलाके के किसान अपना धान समर्थन मूल्य पर नहीं बेच पाते थे। सर्वे के बाद वे फसल का उचित मूल्य और बोनस प्राप्त कर सकेंगे।

तीसरी मंजिल से युवक-युवती ने लगाई छलांग, युवक की मौत

युवती की हालत गंभीर, जांच में जुटी पुलिस

बिलासपुर। बिलासपुर के सिरगिट्टी थाना क्षेत्र से बड़ी खबर समाने आई है। जहां अभिलाषा परिसर की श्रद्धुस्-बिल्डिंग की तीन मंजिला इमारत की छत से एक युवक और युवती नीचे गिर गए, जिसमें युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि युवती गंभीर रूप से घायल हो गई है।

घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने दोनों को देखा और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से युवती को तत्काल सिम्स अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। डॉक्टरों की टीम उनका इलाज कर रही है। युवक को भी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि दोनों के बीच प्रेम प्रसंग था और वे एक-दूसरे को जानते थे। घटना के पीछे क्या कारण रहा, इसको लेकर कई तरह की आशंकाएं जताई जा रही है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि यह आत्महत्या का मामला है या फिर कोई अन्य परिस्थिति में दोनों छत से गिरे। घटना के समय इमारत के आसपास मौजूद लोगों का कहना है कि अचानक जोर की आवाज आई, जिसके बाद लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। कुछ प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि दोनों को छत पर पहले भी देखा गया था, हालांकि इस संबंध में पुलिस आधिकारिक पुष्टि करने में जुटी हुई है। पुलिस ने घटना स्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाने शुरू कर दिए हैं। साथ ही आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है, ताकि घटना के सही कारणों का पता लगाया जा सके। परिजनों को भी घटना की जानकारी दे दी गई है और उनसे पूछताछ की जा रही है। फिलहाल इस दर्दनाक घटना ने क्षेत्र में शोक और चिंता का माहौल बना दिया है। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही पूरे मामले का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा।

वन भूमि पर कब्जा करने वाले 52 लोग गिरफ्तार

महासमुंद। छत्तीसगढ़ के जंगलों में वन विभाग के तहत जंगलात के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में 94 हेक्टेयर वन भूमि से वन विभाग ने महासमुंद में अवैध कब्जा हटाया है, जिसमें 52 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। गिरफ्तार लोगों में 40 पुरुष और 12 महिलाएं शामिल हैं।

अप्रैल में वनमंडल महासमुंद के बागबाहरा परिक्षेत्र के तहत 20 को वनमंडल में अमाकोनी के तहत छापेमारी, तमोरा बीट के हिस्से में तोड़फोड़ 95 और 96 (आरक्षित वन) में अवैध बंदोबस्त के खिलाफ कठोर कार्रवाई की गई।

बड़े भूभाग पर कब्ज़ा कर पेड़ की कर दी कटिंग

जांच के दौरान पाया गया कि ग्राम तमोरा के पेड़ों की लगभग 94 एकड़ जमीन पर अवैध उत्खनन किया गया और कृषि उपयोग भूमि पर अवैध कब्जे की स्थापना की गई। इस दौरान वनभूमि की सीमा पर वामपंथ निर्मित मुनारों (सीमा चिन्हों) की स्थापना की गई।

औषधालय को हुआ नुकसान

इन एवं अवैध विधि के मूल्यांकित मूल्यांकित वन-वृक्ष-औद्योगिक औषधीय उत्पाद को भारी क्षति पहुँचाई जाती है, जो कि पूर्णत: विरुद्ध एवं दंडनीय अपराध है। उक्त प्रकरण में भारतीय वन अधिनियम, 1927 की धारा 26(1)(च), 26(1)(ज) तथा लोक संपत्ति क्षति निवारण अधिनियम, 1984 की धारा 3(1) के विरूद्ध कृषकों के संबंधित प्रकरण में पंजीबद्ध कर विधिसम्मत खंडन किया गया है। कुल 52 जिनमें 12 महिला एवं 40 पुरुष थे, को जिला न्यायालय महासमुंद में गिरफ्तार कर पेश किया गया, जहां से सभी को जेल भेज दिया गया।

मुख्य वन संरक्षक मनिवासगण एवं वनमंडल सचिव मयक पांडे ने कहा है कि वन भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण या अवैध गतिविधि किसी भी स्थिति में नहीं की जाएगी और विचारधारा के खिलाफ कठोरतम वैधानिक कार्रवाई जारी रहेगी।

पूर्व में भी वनभूमि पर कब्ज़ा कर लिया गया था

उल्लेख किया गया है कि मौलिक आदतन अपराधी हैं, पूर्व में भी सेक्स की जेल में बंद लोगों के खिलाफ, उनके व्यवहार में सुधार नहीं हुआ है। ये मूलत: ओडिशा के निवासी हैं, जो पिछले कुछ वर्षों से ग्राम तमोरा में निवासरत हैं। क्लासिकल द्वारा भी इनका विरोध किया जा रहा है, इन तीनों में आक्रामक एवं आपराधिक व्यवहार के कारण क्षेत्र में भय का माहौल बना हुआ था।

कई बार वन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ अभद्र व्यवहार, एवं खतरनाक व्यवहार भी किया जाता है। बताया जा रहा है कि आतंकवादियों ने लगभग 116.596 हेक्टेयर वन भूमि पर कब्ज़ा कर लिया था।

आलम का कहना है कि अवैध कारोबार को हटाने के लिए वन विभाग के अधिकारी राजस्व विभाग और पुलिस बल की संयुक्त टीम के साथ मिलकर भी काम कर रहे हैं।

ज्ञानभारतम् सर्वे : 31 मई तक हर हाल में पूरा करने के निर्देश

रायपुर। छत्तीसगढ़ में ज्ञानभारतम् राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण के तहत मुख्य सचिव विकासशील ने एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए निर्देश दिए कि राज्य के सभी शासकीय संस्थानों, मंदिरों, मठों, पुस्तकालयों और निजी संस्थानों में मौजूद पांडुलिपियों का सर्वेक्षण कार्य 31 मई तक अनिवार्य रूप से पूरा कर लिया जाए।

उन्होंने इस अभियान को केवल प्रशासनिक कार्य न मानकर राज्य की प्राचीन ज्ञान परंपरा और सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया।

सर्वेक्षण को प्रभावी बनाने के लिए मुख्य सचिव ने परंपरागत समुदायों और पुरातात्विक क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता जताई। उन्होंने आम नागरिकों को इस अभियान से जोड़ने के लिए पांडुलिपि ट्रेजर हंट जैसे नए और आकर्षक प्रयोगों का सुझाव दिया। जिला स्तर पर कार्यों के सुचारू संचालन के लिए जिला स्तरीय समितियों के गठन, नोडल अधिकारियों की नियुक्ति और सर्वेक्षण दलों को विशेष प्रशिक्षण देने के निर्देश जारी किए गए हैं। अभियान में स्थानीय पत्रकारों, साहित्यकारों, इतिहासकारों और जनप्रतिनिधियों की सहभागिता सुनिश्चित करने पर भी बल दिया गया है। बैठक में स्पष्ट किया गया कि पूरे सर्वेक्षण के दौरान पारदर्शिता बरती जाएगी और पांडुलिपियों के स्वामित्व अधिकारों का पूरा सम्मान किया जाएगा। किसी भी पांडुलिपि का बिना अनुमति स्थानांतरण नहीं किया जाएगा। पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के सचिव रोहित यादव ने प्रस्तुतिकरण के माध्यम से अभियान की रूपरेखा और उद्देश्यों का विवरण दिया। वहीं पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति ने शोधकर्ताओं के माध्यम से ग्रामीण और सुदूर अंचलों से महत्वपूर्ण जानकारी एकत्रित करने की रणनीति साझा की। इस अवसर पर संयुक्त सचिव फरिहा आलम सिद्दीकी और संचालक संस्कृति विवेक आचार्य सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

अब 4 डिब्बों में अलग करना होगा कचरा

रायपुर। नगर पालिक निगम, रायपुर ने शहर की स्वच्छता व्यवस्था को आधुनिक बनाने के लिए ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 को आधिकारिक तौर पर लागू कर दिया है। इस नए नियम के तहत अब शहर के सभी आवासीय और व्यावसायिक परिसरों को अपने कचरे को चार अलग-अलग श्रेणियों में बांटकर डोर-टू-डोर संग्रहण वाहनों को देना अनिवार्य होगा।

यह कदम रायपुर को देश के सबसे स्वच्छ शहरों की सूची में ऊपर लाने और पर्यावरण संरक्षण के लिए उठाया गया है। कचरे के वैज्ञानिक निपटान से शहर में डंपिंग यार्ड का बोझ कम होगा और खतरनाक कचरे से होने वाली बीमारियों और प्रदूषण पर लगाम लगेगी।

रायपुर नगर निगम के अंतर्गत एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन परियोजना के तहत अब कचरा संग्रहण वाहनों में गीला, सूखा, घरेलू खतरनाक और सेनेटरी वेस्ट के लिए अलग-अलग प्रावधान किए गए हैं। भारत सरकार द्वारा

अधिसूचित इन नियमों के शेड्यूल-1 के अनुसार, इस व्यवस्था को एक निश्चित समय-सीमा (टाइमलाइन) के भीतर चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाना अनिवार्य है। वर्तमान में नगर निगम प्रशासन इसके लिए आवश्यक संसाधन जुटाने और प्रणाली विकास की प्रक्रिया में जुटा हुआ है। शहर के नागरिकों को इस नई व्यवस्था के प्रति जागरूक करने के लिए व्यापक स्तर पर जन-जागरूकता अभियान भी चलाए जा रहे हैं ताकि 4 डिब्बा प्रणाली को सुचारू रूप से जमीन पर उतारा जा सके।

नियम प्रभावी तिथि: ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026, 1 अप्रैल 2026 से लागू।

वर्गीकरण प्रणाली: 4 डिब्बा प्रणाली (गीला, सूखा, खतरनाक और विशेष/सेनेटरी कचरा)।

अनिवार्यता: आवासीय एवं व्यावसायिक दोनों प्रकार के परिसरों पर समान रूप से लागू।

नगर निगम जल्द ही वार्ड स्तर पर नए डस्टबिन वितरण और कचरा संग्रहण वाहनों के रूट चार्ट में बदलाव करेगा। नागरिकों को सलाह दी गई है कि वे अपने घरों में अभी से कचरे को अलग-अलग करने का अभ्यास शुरू कर दें, क्योंकि आने वाले समय में नियमों का उल्लंघन करने वालों पर जुर्माने की कार्रवाई भी की जा सकती है।

यौन शोषण पीड़िता को अबॉर्शन की अनुमति

हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने मानसिक रूप से दिव्यांग युवती के यौन शोषण के बाद गर्भवती होने के मामले में अबॉर्शन (मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी) की अनुमति दे दी है। कोर्ट ने पहले हुई सुनवाई में कहा था कि चीफ मेडिकल एंड हेल्थ ऑफिसर, कांकेर को 18 अप्रैल को एक्सपर्ट डॉक्टरों की एक टीम से याचिकाकर्ता की मेडिकल जांच के लिए सभी जरूरी इंतजाम करेंगे, जिनमें से एक गायनेकोलॉजिस्ट होना चाहिए और एक्ट 1971 के सेक्शन 3(2) और उसके तहत बनाए गए नियमों के अनुसार मरीज की शारीरिक और मानसिक हालत के बारे में जांच रिपोर्ट, प्रेग्नेंसी का स्टेज, प्रेग्नेंसी खत्म करना याचिकाकर्ता के लिए कितना नुकसानदायक होगा। इन सब पर जांच रिपोर्ट मंगाई गई थी।

रिपोर्ट पेश होने के बाद सुनवाई हुई। कोर्ट ने कहा कि मेडिकल रिपोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तथा इस हाईकोर्ट द्वारा तय कानूनी मिसालों को देखते हुए यह साफ है कि यौन शोषण की मानसिक रूप से कमजोर सर्वाइवर पिटीशनर को अनचाही प्रेग्नेंसी के लिए मजबूर करने से उसे शारीरिक व मानसिक रूप से बहुत नुकसान होगा। इसलिए प्रेग्नेंसी को मेडिकल तरीके से खत्म करने की इजाजत देना सही है और कोर्ट ने प्रेग्नेंसी को मेडिकल तरीके से खत्म करने की इजाजत मांगने वाली रिट

पिटीशन मंजूर की।

कोर्ट ने याचिकाकर्ता पीड़िता को अपने गार्जियन, रिश्तेदार के साथ चीफ मेडिकल एंड हेल्थ ऑफिसर, कांकेर के सामने पेश होने को कहा, जो यह सुनिश्चित करेंगे कि याचिकाकर्ता की प्रेग्नेंसी एक्ट, 1971 के प्रावधानों के अनुसार खत्म कर दी जाए।

इसके लिए जरूरी सभी दूसरी फॉर्मैलिटीज़ पूरी करने के बाद मेडिकल सुविधाएं दी जाएं। चीफ मेडिकल एंड हेल्थ ऑफिसर को यह भी निर्देश दिया गया कि याचिकाकर्ता की प्रेग्नेंसी एक्ट, 1971 के प्रोविज़न के अनुसार गायनेकोलॉजी डिपार्टमेंट के स्पेशलिस्ट डॉक्टर सहित कम से कम दो डॉक्टरों की देखरेख में खत्म की जाए। भ्रूण का डीएनए सैंपल लेकर क्रिमिनल केस के आगे के सबूत के लिए सुरक्षित रखा जाए।

रायपुर सहित प्रदेश में मंडी बोर्ड परीक्षा 26 अप्रैल को

रायपुर। छत्तीसगढ़ मंडी बोर्ड में (उपनिरीक्षक) की भर्ती के लिए आगामी 26 अप्रैल को बड़ी परीक्षा होने जा रही है। इस परीक्षा में प्रदेश भर के 34,168 कर्मचारी अपनी व्यवस्थाओं को संभालेंगे। राजधानी रायपुर सहित राज्य के विभिन्न मूल्यांकन केंद्रों में कुल 104 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं।

सुबह 10 बजे से शुरू होगा इम्तिहान

बता दें कि परीक्षा का समय सुबह 10:00 बजे से दोपहर 12:15 बजे तक तय किया गया है। व्यापमं ने साफ कर दिया है कि समय से काफी पहले परीक्षार्थी सेंटर पर आ जाएंगे। देर से आने वाले को किसी भी सूरत में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

काले-नीले कपड़े तो खैर नहीं!

मिली जानकारी के अनुसार पेपर लाइक और नकल निषेध के लिए व्यापमं ने इस बार ड्रेस कोड को लेकर सहायक निर्देश दिए हैं।

फूलों का रंग : गहरे नीले और हरे रंग जैसे गहरे नीले रंग का डिज़ाइन शामिल होता है। केवल सादे रंग के कपड़े ही मन्या होंगे।

सहायक उपकरण अनिवार्य : फुल शर्ट या पूरी तरह से अटैचमेंट के कुर्ते का प्रवेश नहीं दिया जाएगा। केवल सुविधा (हाफ स्लीव) के कपड़े ही उदाहरण होंगे।

यूज-मोजे पर प्रतिबंध: उपभोक्ता, मोजे, बेल्ट और स्कार्फ की मात्रा नहीं है। बबूल को सिर्फ फुटकर फैक्ट्री आना ही होगा।

पुलिस जांच परख (फ्रिस्किंग)

वैलिडिटी की जांच में सुरक्षा के असामान्य विसंगतियां शामिल हैं। पुलिस पर ही वैज्ञानिक जांच (फ्रिस्किंग) की जाएगी। किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, वर्गीकरण या साधारण वस्तु पाए जाने पर अभ्यर्थी की पात्रता तुरंत रद्द कर दी जाएगी। असल में, व्यापमं इस परीक्षा को पूरी तरह से स्नातक और डिग्री बनाना चाहता है।

सरकारी कर्मचारियों को बड़ा झटका, 3 महीने छुट्टी बंद!

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सरकारी कर्मचारियों के लिए बड़ा झटका लगा। सरकार ने साफ आदेश जारी कर दिया है। अगले 3 महीने तक छुट्टी लेना आसान नहीं होगा।

अब कोई भी कर्मचारी बिना अपने सीनियर की मंजूरी के छुट्टी पर नहीं जा सकेगा। अगर कोई बिना अनुमति गायब मिला, तो सीधा अनुशासनात्मक कार्रवाई झेलनी पड़ेगी। सरकार का कहना है कि जनगणना और सुशासन तिहार जैसे बड़े कार्यक्रम सामने हैं, इसलिए प्रशासन को फुल अलर्ट मोड में रखा गया है। यहां तक कि इमरजेंसी में भी पहले सूचना देना जरूरी होगा और बाद में लिखित में पुष्टि करनी पड़ेगी। लंबी छुट्टी पर जाने से पहले अपना काम किसी और को सौंपना भी अनिवार्य कर दिया गया है। साफ है अब अगले तीन महीने सरकारी कर्मचारियों के लिए 'नो लीव' वाला सख्त दौर रहने वाला है।

लगभग 920 करोड़ रुपए का होगा संभावित भुगतान

तेंदूपाा संग्रहण कार्य में जुड़े 13 लाख से अधिक तेन्दूपाा संग्राहक परिवार

रायपुर। छत्तीसगढ़ और अन्य वन क्षेत्रों में तेंदूपत्ता को हरा सोना कहा जाता है, जो आदिवासियों और वनवासियों की आजीविका का मुख्य साधन है। हाल के नीतिगत बदलावों और सरकारी पहलों के कारण इन संग्राहकों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इस कार्य से प्रदेश के 13 लाख से अधिक संग्राहक परिवार जुड़े हैं। तेंदूपत्ता संग्राहकों को लगभग 920 करोड़ रुपये का भुगतान होने का अनुमान है।

वन मंत्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार राज्य शासन द्वारा लघु वनोपज संग्राहकों, विशेषकर आदिवासी समुदाय की आय बढ़ाने के उद्देश्य से तेन्दूपत्ता संग्रहण दर में महत्वपूर्ण वृद्धि की गई है। वर्ष 2024 से प्रति मानक बोरा की दर 4 हजार रुपए से बढ़ाकर 5 हजार 500 रुपए कर दी गई है, जिसका सीधा लाभ लाखों ग्रामीण परिवारों को मिलेगा। वर्ष 2026 में राज्य के 31 जिला वनोपज सहकारी यूनियनों के अंतर्गत 902 प्राथमिक समितियों में तेन्दूपत्ता संग्रहण कार्य प्रस्तावित है। इस वर्ष लगभग 15 लाख से अधिक मानक बोरा तेन्दूपत्ता संग्रहण का अनुमान है। एक मानक बोरे में 1000 गड्डियां होती हैं और प्रत्येक गड्डी में 50 पत्ते शामिल रहते हैं।

लगभग 11 लाख मानक बोरा तेन्दूपत्ता संग्रहण होने की संभावना

बस्तर संभाग के 10 जिला यूनियनों की 216 समितियों में करीब 4 लाख मानक बोरा तेन्दूपत्ता संग्रहण

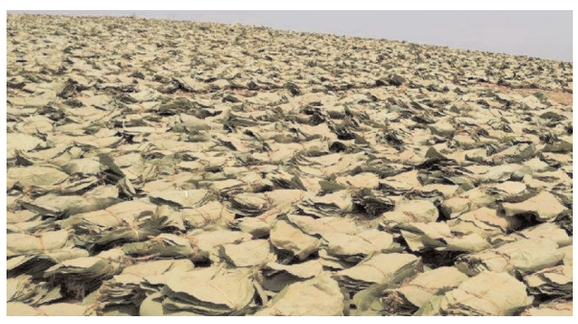

का लक्ष्य रखा गया है। वहीं अन्य 21 यूनियनों की 868 समितियों में लगभग 11 लाख मानक बोरा संग्रहण होने की संभावना है। इस कार्य से प्रदेश के 13 लाख से अधिक संग्राहक परिवार जुड़े हैं। बस्तर संभाग में वर्ष 2025 के 3.90 लाख परिवारों की तुलना में इस वर्ष यह संख्या बढ़कर 4.04 लाख हो गई है। इस साल अब तक 14 हाजर 57 नए परिवार इस कार्य से जुड़े हैं।

10 नए फड़ और बेहतर तैयारी

नारायणपुर के अबूझमाड़ क्षेत्र में पहली बार 10 नए फड़ों की स्थापना की गई है, जहां 2100 से अधिक मानक बोरा संग्रहण का अनुमान है। इसके अलावा सुकमा और केशकाल क्षेत्रों में भी नए फड़ जोड़े गए हैं। पिछले वर्ष नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में बाधाओं के कारण 351 फड़ों में संग्रहण नहीं हो सका था, लेकिन इस वर्ष सभी फड़ों में कार्य शुरू करने के लिए पूरी तैयारी कर ली गई है।

सुगम संचालन और पारदर्शी भुगतान

संग्रहण कार्य को सुचारू बनाने के लिए संग्राहक कार्ड, बोरा, सुतली, गोदाम और परिवहन जैसी सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। साथ ही तेन्दूपत्ता के भंडारण का बीमा भी कराया जा रहा है। संग्राहकों को समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के लिए ऑनलाइन सॉफ्टवेयर प्रणाली लागू की गई है, जिसके माध्यम से राशि सीधे उनके बैंक खातों में डीबीटी के जरिए भेजी जाएगी।

920 करोड़ रुपये का संभावित भुगतान

इस वर्ष निर्धारित दर के अनुसार संग्राहकों को लगभग 920 करोड़ रुपये का भुगतान होने का अनुमान है। इससे ग्रामीण और आदिवासी अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और लोगों के जीवन स्तर में सुधार होगा। तेन्दूपत्ता संग्रहण को लेकर सरकार की यह पहल न केवल वनवासियों की आय बढ़ाने में सहायक है, बल्कि राज्य की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है।

पहलगाम आतंकी हमले की बरसी पर ईयू का बयान, 'हम भारत के साथ, जो हुआ वो भयावह'

नई दिल्ली। पहलगाम आतंकी हमले की बरसी पर यूरोपीय संघ के 27 देशों ने भारत के समर्थन में बयान जारी किया। जघन्य हमले की कड़े शब्दों में निंदा की है। भारत स्थित आइरिश दूतावास ने एक्स हैंडल पर ईयू का बयान जारी किया। यूरोपीय संघ ने हमले को 'निंदनीय' करार देते हुए आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ अपनी एकजुटता व्यक्त की है।

अपने बयान में ईयू ने कहा कि निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाना किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है और ऐसे हमलों के लिए जिम्मेदार लोगों को न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए। संगठन ने इस कठिन समय में पीड़ितों और उनके परिवारों के प्रति गहरी संवेदना भी व्यक्त की।

साथ ही कहा कि हम आतंकी हमलों के खिलाफ हैं और संघ भारत के साथ खड़ा है। हिंसा के इस कृत्य की कड़ी निंदा करता है।

ईयू अकेला नहीं है बल्कि दुनिया के कई देशों ने पहलगाम हमले की बरसी पर जान गंवाने वाले 26 बेगुनाहों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की। सबने एक सुर में कहा कि जो हुआ वो घृणित था और उसे किसी भी हाल में स्वीकारा नहीं जा सकता। इजरायल, अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलियाई समेत कई दूतावासों ने सोशल प्लेटफॉर्म के जरिए श्रद्धांजलि अर्पित की।

22 अप्रैल 2025 को पहलगाम की बैसरन घाटी में अपने परिजनों संग छुट्टियां मनाने आए 26 निहत्थे लोगों को चुन-चुनकर आतंकियों ने गोलियों का निशाना बनाया। 25 पर्यटक थे, जबकि एक पोनीवाला भी था। इस हमले के बाद भारत ने 7-8 मई की रात योजनाबद्ध तरीके से पाकिस्तान स्थित नौ आतंकी ठिकानों पर हमले किए। इसमें 100 से ज्यादा आतंकियों को ढेर कर दिया गया था। इस पूरे अभियान को ऑपरेशन सिंदूर का नाम दिया गया था।

भारत ने स्पष्ट किया था कि वो आतंकवाद के खिलाफ उसकी नीति जीरो टॉलरेंस की है और वो किसी भी रूप में उसे स्वीकार नहीं करेगा।

बिहार के नौगछिया में सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान तीन मजदूरों की मौत

पटना। बिहार के नौगछिया जिले के खैरपुर कड़वा में बुधवार सुबह एक दुखद घटना घटी, जहां सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान जहरीली गैस के संपर्क में आने से तीन मजदूरों की मौत हो गई।

यह हादसा सुबह करीब 8:30 बजे वार्ड नंबर 3 के पूर्वा टोला स्थित ज्वाला यादव के घर पर हुआ। एक अधिकारी के अनुसार, निर्माण कार्य के दौरान मजदूर सेप्टिक टैंक में दाखिल हुए थे, तभी जहरीली गैस की चपेट में आ गए। एक के बाद एक तीनों मजदूर टैंक के अंदर गिर पड़े। स्थानीय निवासियों ने बताया कि जब कामगारों ने काम करना बंद कर दिया, तो एक चौथे व्यक्ति ने कुछ गड़बड़ महसूस की।

उसने तुरंत शोर मचाया, जिससे ग्रामीणों ने तुरंत कार्रवाई की। बचाव के प्रयास में उन्होंने दीवार का एक हिस्सा तोड़कर पुरुषों को बाहर निकाला और उन्हें नौगछिया उपमंडल अस्पताल ले गए। हालांकि, डॉक्टरों ने तीनों को अस्पताल पहुंचते ही मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान बम-बम मंडल, जयनंदन मंडल और श्रीलाल मंडल के रूप में हुई है; ये सभी कडवा पुलिस थाना क्षेत्र के लछमिनिया गांव के निवासी थे। सूचना मिलते ही कड़वा और नौगछिया की पुलिस टीमें मौके पर पहुंचीं और जांच शुरू की। कड़वा पुलिस स्टेशन के स्टेशन हाउस ऑफिसर (एसएचओ) के अनुसार, मजदूर सुबह करीब 8:00 बजे टंकी में दाखिल हुए थे और कुछ समय बाद उनका संपर्क टूट गया, जिससे बाहर खड़े लोगों को शक हुआ। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस को सूचना मिलते ही कुछ ही मिनटों में पीड़ितों को बाहर निकाल लिया गया और अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। एसएचओ ने बताया कि पोस्टमॉर्टम हो चुका है और शवों को उनके परिजनों को सौंप दिया गया है।

लंका प्रीमियर लीग : 10 जुलाई से 5 अगस्त के बीच खेला जाएगा छठा सीजन

कोलंबो। लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) का 2026 संस्करण 10 जुलाई से 5 अगस्त तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें विदेशी खिलाड़ियों के रजिस्ट्रेशन के लिए ऑनलाइन पोर्टल 4 मई को खुलेगा। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने बुधवार को इसकी घोषणा की है।

लंका प्रीमियर लीग का छठा संस्करण दिसंबर 2025 में आयोजित होना था, लेकिन आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 के कारण एसएलसी ने लीग को टाल दिया था, क्योंकि इस विश्व कप की सह-मेजबानी श्रीलंका के पास थी। ऐसा टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए 'मेजबान स्थलों' को काफी पहले से तैयार करने की व्यापक आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए किया गया था।

लंका प्रीमियर लीग 2026 में कुल 24 मैच खेले जाएंगे। इनमें 20 लीग मैच और चार नॉकआउट मुकाबले शामिल हैं। लीग चरण के दौरान पांचों फ्रेंचाइजी एक-दूसरे के खिलाफ दो बार खेलेंगी। टॉप-4 टीमें प्लेऑफ में पहुंचेंगी।

पहला प्लेऑफ मैच, जिसे 'क्वालीफायर 1' कहा जाएगा, शीर्ष-2 टीमों के बीच खेला जाएगा। इस मुकाबले का विजेता सीधे फाइनल में जगह बनाएगा। तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीमें 'एलिमिनेटर' में एक-दूसरे से भिड़ेंगी। उस मैच की विजेता टीम 'क्वालीफायर 1' के हारने वाले से 'क्वालीफायर 2' में मुकाबला करेगी। यह मैच दूसरे फाइनलिस्ट का फैसला करेगा।

इस लीग के मुकाबले चार वेन्यू पर आयोजित होंगे। इन वेन्यू में कोलंबो का सिंहली स्पोर्ट्स क्लब और आर. प्रेमदासा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम शामिल हैं। इसके अलावा, कैंडी में पल्लेकेले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम और दंबुला में रंगिरी दंबुला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम भी आयोजन स्थल में शामिल हैं। साल 2020 में शुरू हुई लंका प्रीमियर लीग अब एक प्रमुख घरेलू टी20 टूर्नामेंट बन गई है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान है। एलपीएल का पहला सीजन स्टालियंस ने अपने नाम किया था। इसके बाद अगले दो साल जाफना किंग्स ने टाइटल जीते। साल 2023 में बी-लव कैंडी विजेता बना, जबकि साल 2024 में जाफना किंग्स ने अपना तीसरा खिताब जीता।

बदलती रेल पटरियां, बदलता भारत का सफर

नई दिल्ली। भारत में हर दिन 25,000 से अधिक ट्रेनें चलती हैं। वे प्रतिदिन 2 करोड़ से अधिक यात्रियों को ले जाती हैं और कोयला, लौह अयस्क, अनाज, स्टील, सीमेंट तथा अन्य वस्तुओं की बड़ी मात्रा को 1,37,000 किलोमीटर से अधिक लंबे रेल नेटवर्क पर एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाती हैं।

पूरी व्यवस्था जिस आधार पर काम करती है, वह रेल पटरी है। जब पटरी अच्छी स्थिति में होती है, तब ट्रेनें सुरक्षित रूप से अधिक गति से चलती हैं। लेकिन जब पटरी खराब होती है, तो इसके परिणाम गति पर रोक, देरी और सुरक्षा संबंधी जोखिम के रूप में सामने आते हैं। रेल की पटरी में दरार, कोई ढीला पुर्जा या गिट्टी की परत में रुकावट—इनमें से कोई भी चीज ट्रेन की चाल को प्रभावित कर सकती है। रेल पटरियों के महत्व को ध्यान में रखते हुए, भारतीय रेलवे ने एक दशक से अधिक समय पहले व्यापक आधुनिकीकरण कार्यक्रम शुरू किया। इस कार्य में आधुनिक मशीनों से पटरियों का नवीनीकरण, उन्नत तरीकों से जांच और निरीक्षण, मशीनीकृत रखरखाव, सुरक्षा बाड़बंदी आदि शामिल थे। इन सभी प्रयासों ने मिलकर रेल नेटवर्क की स्थिति को स्पष्ट रूप से बदल दिया है। 2014 से अब तक लगभग 55,000 किलोमीटर पटरियों का नवीनीकरण किया गया है, जिससे सुरक्षा और यात्रा की गुणवत्ता में सुधार हुआ है तथा बार-बार मरम्मत की आवश्यकता कम हुई है। लगभग 44,000 ट्रैक किलोमीटर में 260 मीटर लंबे रेल पैनल बिछाए गए हैं। लंबे पैनलों का अर्थ है कम जोड़, जिससे ट्रेनों की आवाजाही अधिक सुगम और सुरक्षित होती है। अब 80,000 ट्रैक किलोमीटर से अधिक हिस्से में मजबूत 60 किलोग्राम वाली रेल पटरियों का उपयोग हो रहा है, जो अधिक भार और तेज गति का समर्थन करती हैं।

मजबूत रेल पटरी बिछाना जरूरी है, लेकिन समय रहते खराबी पकड़ना भी उतना ही जरूरी है। छिपी हुई दरारों को खोजने के लिए अल्ट्रासोनिक जांच की गई है। इसके तहत करीब 36.2 लाख ट्रैक किलोमीटर और 2.25 करोड़ वेल्ड की जांच हुई। इससे रेल और वेल्ड टूटने की घटनाएं करीब 90 प्रतिशत तक कम हो गई हैं। यानी अब खराबी होने के बाद उसे ठीक करने के बजाय पहले ही पकड़कर रोक लिया जाता है।

अब रेलवे में दूसरी आधुनिक जांच तकनीकें भी इस्तेमाल हो रही हैं। नई वेल्ड की जांच के लिए चुंबकीय जांच, फ्लैश-बट वेल्ड की जांच के लिए नई मशीनें और जीपीएस से जुड़ी ऐसी व्यवस्था लगाई गई है, जो ट्रेन की यात्रा की गुणवत्ता मापती है और पटरी के खराब हिस्से की सही जगह बता देती है। भारतीय रेलवे की ट्रैक मशीनों की संख्या 2014 में 748 थी, जो 2026 में बढ़कर 1,785 हो गई है। ये मशीनें पटरी को ठीक करने, गिट्टी साफ करने और रेल को घिसकर बराबर करने का काम हाथ से होने वाले काम की तुलना में ज्यादा तेज, बेहतर और एक समान तरीके से करती हैं। पटरी के नीचे बिछी गिट्टी की परत को साफ करने में मशीनों ने बड़ा फर्क पैदा किया है।

मध्य प्रदेश : किसानों के मुद्दों पर कांग्रेस सेवा दल का बड़ा कदम, सत्याग्रह और उपवास का ऐलान

भोपाल। मध्य प्रदेश के किसानों की समस्याओं को लेकर कांग्रेस सेवा दल ने 24 घंटे का सत्याग्रह और उपवास करने का ऐलान किया है। कांग्रेस सेवादल की ओर से दी गई जानकारी में बताया गया है कि किसानों की ज्वलंत समस्याओं को लेकर 24 घंटे का सत्याग्रह एवं उपवास आंदोलन आयोजित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम 23 अप्रैल को प्रात: साढ़े बजे से प्रारंभ होकर 24 अप्रैल को प्रात: साढ़े 11 बजे तक जवाहर भवन, रोशनपुरा, भोपाल में आयोजित होगा।

कांग्रेस सेवादल द्वारा आयोजित इस सत्याग्रह का उद्देश्य प्रदेश के किसानों की समर्थन मूल्य, फसल खरीदी में अनियमितता, भुगतान में देरी एवं प्रशासनिक उपेक्षा जैसी समस्याओं के खिलाफ आवाज बुलंद करना है। संगठन का मानना है कि वर्तमान परिस्थितियों में किसानों को न्याय दिलाने के लिए लोकतांत्रिक और अहिंसात्मक तरीके से संघर्ष आवश्यक है। इस आंदोलन में मध्य प्रदेश कांग्रेस सेवादल के तीनों विंग सेवादल, महिला सेवादल एवं यंग ब्रिगेड सेवा दल के प्रदेश पदाधिकारी एवं जिला अध्यक्ष अपने-अपने साथियों सहित बड़ी संख्या में सेवादल यूनिफॉर्म में भाग लेंगे। प्रदेश मुख्य संगठक अवनीश भार्गव ने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस आंदोलन को सफल बनाएं तथा किसानों के हित में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें। दरअसल, वर्तमान में गेहूं खरीदी का दौर जारी है। कांग्रेस लगातार आरोप लगा रही है कि किसानों से गेहूं खरीदने में पक्षपात किया जा रहा है।

मध्य प्रदेश के सतना में बड़ा हादसा नहर में गिरा ट्रक, 3 लोगों की मौत

सतना। मध्य प्रदेश के सतना जिले में बुधवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया, जिसमें तीन लोगों की जान चली गई। तेज रफ्तार से जा रहा एक ट्रक अनियंत्रित होकर नेमुआ चौराहे के पास नेशनल हाईवे-39 से नीचे नहर में जा गिरा।

पुलिस के अनुसार, सरिया (स्टील रॉड) से लदा ट्रक पहले डिवाइडर तोड़ते हुए नहर में जा गिरा, जिससे वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के समय ट्रक में मौजूद ड्राइवर, क्लीनर और एक मजदूर केबिन में ही फंस गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। मृतकों में दो की पहचान दिलीप केवट (पिता राजेश केवट), निवासी पदरी गांव, और विष्णु केवट (पिता माखनलाल केवट), निवासी रामगढ़, जिला मैहर के रूप में हुई है। तीसरे मृतक की पहचान के प्रयास जारी हैं। हादसे की सूचना राहगीरों ने पुलिस को दी, जिसके बाद मौके पर पहुंची टीम ने तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि राहत-बचाव कार्य में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। क्रेन की मदद से ट्रक को नहर से बाहर निकाला गया, जिसके बाद दो शव बरामद किए गए। तीसरा शव ट्रक के मलबे में बुरी तरह फंसा हुआ था, जिसे निकालने के लिए गैस कटर की मदद से ट्रक के हिस्सों को काटना पड़ा। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से करीब चार घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद तीनों शवों को बाहर निकाला गया। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में हादसे की वजह तेज रफ्तार के कारण वाहन का नियंत्रण खोना बताया जा रहा है।

मैराथन में तोड़ा नेशनल रिकॉर्ड, भारतीय सेना के जवान सावन बरवाल ने बताया क्या है अगला टारगेट?

पुणे। नीदरलैंड के रॉटरडैम में आयोजित मैराथन में नया नेशनल रिकॉर्ड बनाने वाले सावन बरवाल का अगला टारगेट एशियन गेम्स है। लंबी दूरी के धावक ने 12 अप्रैल को आयोजित एनएन मैराथन में भारतीय एथलेटिक्स के इतिहास में 48 वर्षों तक कायम रहे रिकॉर्ड को तोड़ा था। विश्व स्तरीय खिलाड़ियों के बीच सावन ने 2:11:58 का समय निकालकर एलीट मैराथन दौड़ में 20वां स्थान हासिल किया था।

इस रेस को इथियोपिया के गुए इदेमो अदोला ने 2:03.54 के समय के साथ जीता। भारत के टी. गोपी सावन 2:13:16 का समय निकालकर इस रेस में 23वें पायदान पर रहे।

इससे पहले ये नेशनल रिकॉर्ड शिवनाथ सिंह के नाम था, जिन्होंने साल 1978 में 2:12:00 के साथ इतिहास रचा था। सावन भारतीय सेना में हवलदार के रैंक पर तैनात हैं। इस रिकॉर्ड के साथ सावन बरवाल ने एशियन गेम्स के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है।

भारत लौटने के बाद बुधवार को पत्रकारों से बातचीत में सावन ने कहा, 'वो नेशनल रिकॉर्ड 48 वर्षों से ब्रेक नहीं हुआ था, लेकिन अब यह ब्रेक हुआ है। युवा खिलाड़ी काफी ट्रेनिंग कर रहे हैं। आने वाले समय में वो इससे अच्छा करेंगे। मेरा यह डेब्यू था। मुझे ज्यादा अनुभव नहीं है। मैंने इस डेब्यू से काफी कुछ सीखा है। आज के समय में खेल में स्पोर्ट्स साइंस का अहम रोल है। 30-40 प्रतिशत स्पोर्ट्स साइंस का ही रोल है। हम उसी के साथ ट्रेनिंग करेंगे।

सावन ने अपनी भविष्य की योजना के बारे में बताया, 'मेरा मुख्य फोकस एशियन गेम्स है। एशियन गेम्स हमारा अगला टारगेट है। आर्मी स्पोर्ट्स इंस्टीट्यूट ने बहुत मदद की है। जब मैं अपने स्टेट में था, तो वहां उतनी सुविधा नहीं थी। स्पोर्ट्स साइंस के बारे में हमें कुछ पता नहीं था। जब मैं यहां आया, तो एलीट रनर्स के साथ बातचीत हुई। उनसे यह सीखा कि कैसे ट्रेनिंग करते हैं। यह सीखा कि किस तरह स्पोर्ट्स साइंस हमें मदद करता है। हमें न्यूट्रिशन के बारे में कुछ नहीं पता था। ये सभी कुछ मैंने यहां सीखा है। एक खिलाड़ी को इंजरी से बचना जरूरी होता है। इंजरी से उसका पूरा एक साल तक बर्बाद हो सकता है। हमें मदद मिली कि इंजरी से हम कैसे बच सकते हैं। कैसे हम शरीर को बैलेंस कर सकते हैं।

विश्व पृथ्वी दिवस पर नेहरू पार्क में विदेशी राजनयिकों ने लगाए पौधे, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

नई दिल्ली। विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर नई दिल्ली म्युनिसिपल कोऑपरेशन काउंसिल (एनडीएमसी) की तरफ से पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें अलग-अलग देशों के डिप्लोमैट ने पीएम मोदी के विजन 'एक पेड़ मां के नाम' पर पौधे लगाए।

मलेशिया के उच्चायुक्त दातो मुजफ्फर शाह मुस्तफा ने कहा, सबसे पहले मैं इस इवेंट के लिए बुलाने के लिए एनडीएमसी को धन्यवाद और आभार व्यक्त करना चाहता हूं। मुझे लगता है कि मेरी मौजूदगी भी हमारे समर्थन और पर्यावरण को बचाने की दिशा में हमारे प्रयासों को दिखाती है, क्योंकि हम यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि मलेशिया की 50 फीसदी जमीन पेड़ों से ढकी हो। तो यह भी शायद एक छोटा सा योगदान है जो मैं पर्यावरण, बायोडायवर्सिटी और साफ हवा को बचाने की दिशा में नई दिल्ली को दे सकता हूं। एनडीएमसी के वाइस चेयरमैन कुलजीत सिंह चहल ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन एक पेड़ मां के नाम, आज हम अपने मित्र साथी, जो विदेशी अधिकारी, राजदूत और हाई कमिश्नर हैं, जितने भी सम्मानित अतिथि हैं, उनके साथ मिलकर नेहरू पार्क में एक पेड़ मां के नाम पर पौधे लगाए। पेड़ हमें वो भाव देता है, जिस तरह मां हमें बिना किसी स्वार्थ के पाल-पोसकर बड़ा करती है, वैसे ही पौधे भी हमें हवा-पानी, ऑक्सीजन सब कुछ देते हैं। जिस तरह मां ने हमें बड़ा किया, वैसे ही हमारी जिम्मेदारी बनती है कि हम पेड़ की चिंता करें, ध्यान रखें। उन्होंने कहा, अच्छा लगता है जब अतिथि नेहरू पार्क आकर एक पेड़ मां के नाम के भाव और पेड़ की रक्षा करने के भाव से पौधे लगाते हैं। इस तरह के कार्यक्रम हम हर रविवार को आयोजित करते हैं। देश हमें सबकुछ देता है, इसलिए हमें भी कुछ देना सीखना चाहिए। प्रकृति और आने वाली पीढ़ी को अगर हम कुछ सबसे अच्छा दे सकते हैं, तो वह ये है कि एक पेड़ लगाकर सुंदर और स्वच्छ हवा।

झारखंड : सोशल मीडिया पर लाइक्स के लिए जीवों का करता था शिकार, युवक पर दर्ज हुआ एफआईआर

खूंटी। सोशल मीडिया पर लाइक्स और व्यूज पाने की होड़ किस हद तक खतरनाक हो सकती है, इसका एक सनसनीखेज मामला झारखंड के खूंटी जिले से सामने आया है।

यहां एक युवक जंगल के बेजुबान जीवों का शिकार करता, उन्हें मारता और फिर उनका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट करता था। जब ये वीडियो वायरल हुए, तब इस पूरे मामले का खुलासा हुआ। बेजुबान जीवों और जानवरों के हक में काम करने वाली संस्था 'पेटा इंडिया' की शिकायत पर विन विभाग ने इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है। जानकारी के मुताबिक, एक इंस्टाग्राम अकाउंट पर लगातार ऐसे वीडियो डाले जा रहे थे, जिनमें एक युवक रसेल वाइपर (एक बेहद जहरीला सांप), भारतीय अजगर और कई संरक्षित पक्षियों को पकड़ते,, उन्हें मारते और फिर उनका मांस पकाकर खाते हुए दिखाई दे रहा था। मामले की गंभीरता को देखते हुए 'पेटा इंडिया' ने खूंटी पुलिस और वन विभाग को शिकायत दी। इसके बाद जांच शुरू हुई और आरोपी की पहचान लुतार पूर्ति के रूप में की गई। वन विभाग ने उसके खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। विभाग ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की। बताया जा रहा है कि जिन जानवरों का शिकार किया गया, उनमें कई ऐसे थे जो कानून के तहत संरक्षित हैं और जिनका शिकार करना गंभीर अपराध है। इस बीच, आरोपी लुतार पूर्ति के परिजनों ने इस संबंध में वन विभाग को दिए आवेदन में कहा है कि वह मानसिक रूप से विक्षिप्त है। सांप और अन्य जीवों का मांस खाने की वजह से वह गंभीर रूप से अस्वस्थ हो गया है।

संपादकीय

अक्षय पुण्य का पर्वः गंगा जयंती

महेन्द्र तिवारी

गंगा सप्तमी भारतीय संस्कृति और आस्था का एक अत्यंत महत्वपूर्ण पर्व है, जो वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को मनाया जाता है। यह दिन माँ गंगा के पुनः प्रकट होने का प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि इसी दिन गंगा जी का पृथ्वी पर पुनः अवतरण हुआ था, इसलिए इसे गंगा जयंती के रूप में भी जाना जाता है। गंगा केवल एक नदी नहीं है, बल्कि भारतीय जनमानस की आत्मा, श्रद्धा और जीवन का आधार है। सदियों से यह नदी करोड़ों लोगों के जीवन को पोषित करती आई है और आध्यात्मिक दृष्टि से भी इसका महत्व अतुलनीय है। पौराणिक कथाओं के अनुसार गंगा का संबंध राजा भगीरथ की कठोर तपस्या से जुड़ा हुआ है। कहा जाता है कि उनके पूर्वजों का उद्धार तभी संभव था जब गंगा पृथ्वी पर आकर उनके अस्थि अवशेषों को स्पर्श करे। इसके लिए भगीरथ ने वर्षों तक तपस्या की, जिसके फलस्वरूप गंगा का अवतरण हुआ। किंतु गंगा की तीव्र धारा को पृथ्वी सहन नहीं कर सकती थी, इसलिए भगवान शिव ने उसे अपनी जटाओं में धारण किया और धीरे धीरे पृथ्वी पर प्रवाहित किया। यह कथा केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह मानव के धैर्य, तप और संकल्प का भी उदाहरण प्रस्तुत करती है।

गंगा सप्तमी का धार्मिक महत्व अत्यंत गहरा है। इस दिन गंगा स्नान करने से सभी पापों से मुक्ति मिलने की मान्यता है। लोग प्रातःकाल उठकर पवित्र नदी में स्नान करते हैं, सूर्य को अर्घ्य देते हैं और गंगा माता की पूजा करते हैं। विशेष रूप से उत्तर भारत में इस दिन गंगा के तटों पर भारी भीड़ उमड़ती है। वाराणसी, हरिद्वार, प्रयागराज और गंगासागर जैसे तीर्थ स्थलों पर लाखों श्रद्धालु एकत्र होकर स्नान और पूजा करते हैं। यह दृश्य भारतीय संस्कृति की एकता और आस्था की गहराई को दर्शाता है।

गंगा सप्तमी केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व भी है। यह पर्व हमें जल के महत्व का स्मरण कराता है। गंगा भारत की सबसे महत्वपूर्ण नदियों में से एक है, जो लगभग 2525 किलोमीटर की लंबाई में बहती है और करोड़ों लोगों को जल उपलब्ध कराती है। यह नदी कृषि, उद्योग और घरेलू उपयोग के लिए जल का प्रमुख स्रोत है। इसके बिना भारत के विशाल भूभाग की कल्पना भी नहीं की जा सकती। गंगा के किनारे बसे शहर और गाँव सदियों से इसकी कृपा पर निर्भर रहे हैं। यह नदी केवल जीवन ही नहीं देती, बल्कि सभ्यता का निर्माण भी करती है। प्राचीन काल से लेकर आज तक गंगा के तटों पर अनेक महत्वपूर्ण नगर विकसित हुए हैं। यहाँ शिक्षा, व्यापार और संस्कृति का विकास हुआ। इस प्रकार गंगा भारतीय सभ्यता की धुरी रही है। गंगा सप्तमी के अवसर पर लोग दान और पुण्य कार्य भी करते हैं। इस दिन अन्न, वस्त्र और धन का दान विशेष फलदायी माना जाता है। लोग जरूरतमंदों की सहायता करते हैं और समाज में प्रेम और सहयोग की भावना को बढ़ावा देते हैं। यह पर्व हमें यह सिखाता है कि केवल पूजा करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि हमें अपने आसपास के लोगों के प्रति भी संवेदनशील होना चाहिए।आज के समय में गंगा की स्थिति चिंताजनक होती जा रही है। बढ़ते प्रदूषण, औद्योगिक कचरे और प्लास्टिक के कारण इसका जल दूषित हो रहा है। यह स्थिति केवल पर्यावरण के लिए ही नहीं, बल्कि मानव जीवन के लिए भी खतरा है। गंगा सप्तमी हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि हम अपनी इस पवित्र नदी को कैसे बचा सकते हैं। सरकार द्वारा कई योजनाएं चलाई जा रही हैं, लेकिन जब तक आम जनता इसमें भागीदारी नहीं करेगी, तब तक स्थिति में सुधार संभव नहीं है।

गंगा को स्वच्छ और निर्मल बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। हमें यह समझना होगा कि यह केवल एक धार्मिक प्रतीक नहीं है, बल्कि यह हमारे अस्तित्व का आधार है। यदि गंगा प्रदूषित होगी, तो इसका प्रभाव हमारे स्वास्थ्य, कृषि और पर्यावरण पर पड़ेगा। इसलिए हमें प्लास्टिक का उपयोग कम करना चाहिए, कचरा नदी में नहीं फेंकना चाहिए और जल संरक्षण के उपाय अपनाने चाहिए। गंगा सप्तमी का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि यह हमें प्रकृति के प्रति सम्मान और संतुलन का संदेश देती है। भारतीय संस्कृति में नदियों को देवी के रूप में पूजा जाता है। यह परंपरा हमें यह सिखाती है कि प्रकृति का दोहन नहीं, बल्कि संरक्षण करना चाहिए। यदि हम प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर चलेंगे, तभी हमारा भविष्य सुरक्षित रहेगा। इस पर्व के माध्यम से हमें अपनी जड़ों से जुड़ने का अवसर मिलता है। आधुनिक जीवन की भागदौड़ में हम अक्सर अपनी परंपराओं और मूल्यों को भूल जाते हैं। गंगा सप्तमी हमें यह याद दिलाती है कि हमारी संस्कृति कितनी समृद्ध और गहन है। यह पर्व केवल एक दिन का उत्सव नहीं है, बल्कि यह जीवन जीने की एक दिशा देता है।

गंगा का जल केवल शरीर को ही नहीं, बल्कि आत्मा को भी शुद्ध करता है, ऐसी मान्यता है। यह विश्वास लोगों के मन में सकारात्मकता और आशा का संचार करता है। कठिन परिस्थितियों में भी लोग गंगा के किनारे जाकर शांति और सुकून महसूस करते हैं। यह नदी मानो जीवन के हर दुख को अपने में समेट लेती है और बदले में हमें नई ऊर्जा प्रदान करती है।

गंगा सप्तमी का महत्व समय के साथ और भी बढ़ता जा रहा है। आज जब पर्यावरण संकट गहराता जा रहा है, तब इस तरह के पर्व हमें जागरूक करने का कार्य करते हैं। यह केवल धार्मिक आयोजन नहीं है, बल्कि यह एक सामाजिक आंदोलन भी बन सकता है, यदि हम सभी मिलकर इसके संदेश को समझें और अपनाएं। अंततः गंगा सप्तमी हमें यह सिखाती है कि आस्था और जिम्मेदारी दोनों का संतुलन आवश्यक है।

ईरान की ताकत बरकरार, अमेरिका के घटे हथियार! क्या इसी वजह से ट्रंप ने बढ़ाया युद्धविराम?

नीरज कुमार दुबे

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ जारी संघर्षविराम को अनिश्चित काल के लिए बढ़ाने का ऐलान किया है। यह फैसला उस समय लिया गया जब संघर्षविराम समाप्त होने में कुछ ही घंटे बाकी थे और हालात तेजी से बिगड़ते नजर आ रहे थे। ट्रंप ने कहा कि यह कदम ईरान को एक साझा और स्पष्ट प्रस्ताव तैयार करने का समय देने के लिए उठाया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि यह निर्णय पाकिस्तान के अनुरोध पर लिया गया है। वहीं पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस फैसले के लिए ट्रंप का धन्यवाद किया और इसे क्षेत्रीय शांति के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया। ट्रंप ने भी अपने संदेश में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री और फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की भूमिका का जिक्र किया।

हालांकि, संघर्षविराम के ऐलान के बावजूद जमीन पर हालात पूरी तरह शांत नहीं हैं। अमेरिका ने ईरान के खिलाफ समुद्री नाकाबंदी जारी रखी है और अपनी सैन्य तैयारियों को बरकरार रखा है। वहीं ईरान ने साफ कर दिया है कि वह धमकियों और दबाव के माहौल में किसी भी तरह की बातचीत के लिए तैयार नहीं है।

इस बीच, इजराइल ने दक्षिणी लेबनान में हवाई हमले जारी रखे हैं, जिसमें कई लोग घायल हुए और कई घरों को नुकसान पहुंचा। गाजा में भी हमले जारी हैं, जिससे क्षेत्र में मानवीय संकट और गहरा गया है। इस स्थिति ने यह स्पष्ट कर दिया है कि संघर्षविराम केवल कागजी राहत है, जबकि वास्तविकता में तनाव बना हुआ है।

राजनयिक स्तर पर भी स्थिति

उलझी हुई है। इस्लामाबाद में बातचीत को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है और ईरानी प्रतिनिधिमंडल के नहीं पहुंचने से आंतरिक मतभेदों के संकेत मिल रहे हैं। चीन ने भी स्थिति को गंभीर बताते हुए हस्तक्षेप किया है और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने की मांग की है।

अब यदि अमेरिकी रक्षा विभाग की खुफिया शाखा के ताजा आकलन की बात करें, तो यह तस्वीर और जटिल हो जाती है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान अब भी अपनी प्रमुख सैन्य क्षमताएं बनाए हुए है और वह एक मजबूत क्षेत्रीय शक्ति बना हुआ है। यह आकलन उन दावों के विपरीत है, जिनमें कहा गया था कि ईरान की सैन्य ताकत को गंभीर रूप से कमजोर कर दिया गया है। खुफिया रिपोर्ट के अनुसार, ईरान की वायु और नौसेना पूरी तरह नष्ट नहीं हुई है और उसकी रणनीतिक क्षमता अभी भी प्रभावी बनी हुई है। इससे यह संकेत मिलता है कि अमेरिका के सार्वजनिक बयान और वास्तविक स्थिति में अंतर है। यह अंतर भविष्य की रणनीति और निर्णयों को प्रभावित कर सकता है।

इसी बीच, एक और महत्वपूर्ण रिपोर्ट सामने आई है, जिसने अमेरिका की सैन्य तैयारियों को लेकर चिंता बढ़ा दी है। रक्षा विश्लेषकों और पेंटागन से जुड़े सूत्रों के अनुसार, ईरान के साथ सात सप्ताह तक चले संघर्ष में अमेरिका ने अपने कई महत्वपूर्ण मिसाइल भंडार का बड़ा हिस्सा खर्च कर दिया है। एक अध्ययन के अनुसार, अमेरिका ने अपने प्रिसिजन स्ट्राइक मिसाइल का लगभग 45 प्रतिशत, थाड इंटरसेप्टर का लगभग आधा और पैट्रियट वायु रक्षा मिसाइलों का करीब 50 प्रतिशत इस्तेमाल कर लिया है। इसके अलावा टॉमहॉक मिसाइल का लगभग 30 प्रतिशत और अन्य लंबी दूरी की मिसाइलों का भी बड़ा हिस्सा खर्च हो चुका है। विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका के पास फिलहाल ईरान के खिलाफ अभियान जारी रखने के लिए पर्याप्त हथियार मौजूद हैं, लेकिन यदि उसे चीन जैसे किसी बड़े प्रतिद्वंद्वी के साथ संघर्ष करना पड़ा, तो मौजूदा भंडार पर्याप्त नहीं होगा। इन हथियारों को फिर से तैयार करने में एक से चार साल तक का समय लग सकता है, जबकि पूरी क्षमता हासिल करने में और ज्यादा समय लग सकता है।

रिपोर्ट में यह भी चेतावनी दी गई है कि हथियारों की इस तेजी से खपत ने पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका की रणनीतिक स्थिति को कमजोर किया है। यह स्थिति भविष्य में अमेरिका की सैन्य रणनीति के लिए चुनौती बन सकती है। हालांकि, पेंटागन ने इन चिंताओं को खारिज करते हुए कहा है कि अमेरिकी सेना के पास अपने मिशनों को पूरा करने के लिए पर्याप्त संसाधन हैं। ट्रंप प्रशासन ने भी हथियारों की कमी से इंकार किया है, हालांकि अतिरिक्त बजट की मांग की गई है। विश्लेषकों का मानना है कि घटते भंडार का असर केवल अमेरिका तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इससे यूक्रेन और अन्य सहयोगी देशों को मिलने वाली सैन्य सहायता भी प्रभावित हो सकती है। अमेरिकी संसद में भी इस मुद्दे को लेकर चिंता जताई गई है।

इन तमाम घटनाक्रमों के बीच एक बड़ा सवाल उभरकर सामने आता है कि क्या ईरान की सैन्य ताकत के बने रहने और अमेरिकी हथियार भंडार में कमी से जुड़ी रिपोर्टों ने ही ट्रंप के फैसले को प्रभावित किया है। जब खुफिया आकलन यह संकेत दे रहे हैं कि ईरान अब भी एक मजबूत शक्ति है और दूसरी ओर अमेरिका को अपने मिसाइल भंडार को फिर से भरने में वर्षों लग सकते हैं, तो ऐसे में संघर्षविराम का ऐलान केवल कूटनीतिक कदम नहीं बल्कि एक रणनीतिक जरूरत भी हो सकता है। यह भी संभव है कि अमेरिका फिलहाल टकराव को टालकर अपनी सैन्य तैयारी को मजबूत करना चाहता हो। ऐसे में यह प्रश्न और भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि क्या यह युद्धविराम वास्तव में शांति की दिशा में कदम है या फिर एक बड़े और लंबे संघर्ष से पहले की रणनीतिक विराम स्थिति है।

बहरहाल, मौजूदा स्थिति कई स्तरों पर अस्थिर बनी हुई है। एक ओर संघर्षविराम ने अस्थायी राहत दी है, लेकिन दूसरी ओर सैन्य तनाव, खुफिया आकलनों में अंतर और हथियारों की कमी से जुड़ी चिंताएं भविष्य में बड़े संकट की ओर इशारा कर रही हैं। आने वाले समय में यह देखना अहम होगा कि क्या कूटनीतिक प्रयास सफल होते हैं या यह संकट एक बड़े युद्ध में बदल जाता है।

हिमाचल प्रदेश और केरल की संस्कृति, भूगोल और परंपराओं की तुलनात्मकता

मन्नत रंधावा
12वीं की छात्र

हिमाचल प्रदेश और केरल भारत के दो विविध राज्यों हैं, जहाँ पहाड़ी ठंडक और उष्णकटिबंधीय समुद्र तट अपनी-अपनी संस्कृति, भूगोल और परंपराओं को समृद्ध करते हैं। ये राज्य प्रकृति, त्योहारों और लोक जीवन से भरे हैं। हिमाचल प्रदेश (उत्तर भारत) और केरल (दक्षिण भारत) की संस्कृति और भूगोल एकदम भिन्न हैं। हिमाचल ठंडी घाटियों, ऊनी वस्त्रों, सेब के बागानों और लोक नृत्यों (नाटी) के लिए जाना जाता है, जबकि केरल गर्म तटीय जलवायु, सूती परिधानों, नारियल/मसालों और शास्त्रीय कलाओं (कथकली) का केंद्र है। दोनों राज्य उच्च साक्षरता और पर्यटन के लिए प्रसिद्ध हैं।

हिमाचल प्रदेश और केरल की भौगोलिक स्थितिः-

हिमाचल प्रदेश हिमालय की गोद में बसा पहाड़ी राज्य है, जिसका क्षेत्रफल लगभग 55,673 वर्ग किलोमीटर है। यह उत्तर में जम्मू-कश्मीर, पूर्व में तिब्बत, दक्षिण में हरियाणा, पंजाब और उत्तराखंड से घिरा है, तथा देवदार के जंगलों और बर्फीली चोटियों के लिए प्रसिद्ध है।

केरल दक्षिण भारत का तटीय राज्य है, जिसका क्षेत्रफल 38,863 वर्ग किलोमीटर है और यह अरब सागर के किनारे 550 किलोमीटर लंबी तट रेखा वाला है। पूर्व में पश्चिमी घाट की पहाड़ियाँ, मध्य में मैदान और पश्चिम में बैकवाटर इसे तीन भागों में विभाजित करते हैं।

हिमाचल प्रदेश की भौगोलिक स्थितिः

स्थान: यह पश्चिमी हिमालय में स्थित है, जो उत्तर-पश्चिम में जम्मू-कश्मीर/लद्दाख, पूर्व में तिब्बत (चीन), दक्षिण-पूर्व में उत्तराखंड, और पश्चिम में पंजाब से घिरा है।

यह एक पूर्णतः पहाड़ी राज्य है, जिसे शिवालिक पहाड़ियों से लेकर ऊँची हिमालयी चोटियों तक चार भागों में बांटा गया है।यहाँ की जलवायु ठंडी और शुष्क (लाहौल-स्पीति में) से लेकर उप-उष्णकटिबंधीय (निचले क्षेत्रों में) तक भिन्न होती है।समुद्र तल से इसकी ऊँचाई 350 मीटर से लेकर 7000 मीटर से अधिक तक है।

केरल की भौगोलिक स्थितिः

सयह भारत के दक्षिण-पश्चिमी तट (मालाबार तट) पर स्थित है, जिसके पूर्व में पश्चिमी घाट और पश्चिम में अरब सागर है।यह एक संकरी तटीय पट्टी है, जो 580 किमी लंबी तटरेखा के साथ फैली है, जिसमें मैदान, तटीय क्षेत्र और ऊँचे पहाड़ी क्षेत्र शामिल हैं।यहाँ की जलवायु उष्णकटिबंधीय (Tropical) और आर्द्र है, जहाँ साल भर अच्छी बारिश होती है।यहाँ की सबसे ऊँची चोटी अनामुडी (2,695 मीटर) है, लेकिन अधिकांश मैदानी भाग समुद्र तल के पास हैं।

मुख्य भौगोलिक अंतरः

उच्चावचः हिमाचल ऊँचे पहाड़ों (अल्पाइन) से बना है, जबकि केरल तटीय मैदानों और मध्यम ऊँचाई की पहाड़ियों से।

जलवायुः हिमाचल में शीत ऋतु प्रमुख है (हिमपात), जबकि केरल में गर्म और आर्द्र जलवायु (मानसूनी) है।

जल निकायः हिमाचल की मुख्य विशेषता बर्फ से पिघलने वाली नदियां हैं, जबकि केरल में बैकवाटर्स (लैगून) और छोटी नदियां हैं।

सांस्कृतिक विरासत की समृद्धिः-

दोनों राज्यों की एक समृद्ध और विविध सांस्कृतिक विरासत है। ये अपनी पारंपरिक कलाओं, लोक नृत्यों, संगीत और शिल्पकला के लिए जाने जाते हैं।

बोध कथा

सुनने की क्षमता का महत्व

एक साल जंगल में बिताने के बाद युवराज अपने राज्य को लौटना चाहता था, पर गुरु की बात को टाल भी नहीं सकता था, इसलिए वह बेमन ही जंगल की ओर बढ़ चला। कई दिन गुजर गए पर युवराज को कोई नई आवाज़ नहीं सुनाई दी। वह परेशान हो उठा। उसने निश्चय किया कि अब वह हर आवाज़ को बड़े ध्यान से सुनेगा। फिर एक सुबह उसे कुछ अनजानी सी आवाजें हल्की-हल्की सुनाई देने लगीं। इस घटना के कुछ दिनों बाद वह गुरु के पास वापस लौटा और बोला- पहले तो मुझे वही ध्वनियां सुनाई दीं जो पहले देती थीं, लेकिन एक दिन जब मैंने बहुत ध्यान से सुनना शुरू किया तो मुझे वो सुनाई देने लगा जो पहले कभी नहीं सुनाई दिया था। मुझे कलियों के खिलने की आवाज सुनाई देने लगी। मुझे धरती पर पड़ती सूर्य की किरणों, तितलियों के गीत और घांस द्वारा सुबह की ओस पीने की ध्वनियां सुनाएं देने लगीं। यह सुनकर गुरुजी खुश हो गए और मुस्कुराकर बोले- अनसुने को सुनने की क्षमता होना एक अच्छे राजा की निशानी है। क्योंकि जब कोई शासक अपने लोगों के दिल की बात सुनना सीख लेता है। बिना उनके बोले, उनकी भावनाओं को समझ लेता है, जो दर्द बयां न किया गया हो उसे समझ लेता है, अपने लोगों की अनकही शिकायतों को सुन लेता है, केवल वही अपनी प्रजा का विश्वास जीत सकता है। कुछ गलत होने पर उसे समझ सकता है और अपने नागरिकों की वास्तविक आवश्यकताओं को पूरी कर सकता है। संदेशः अगर हमें अपनी फील्ड का लीडर बनना है तो हमें भी वो सुनना, सीखना चाहिए जो नहीं कहा गया है। यानी हमें उस युवराज की तरह बिलकुल अलर्ट होकर अपना काम करना चाहिए और अपने साथ काम करने वालों की ज़रूरतों और भावनाओं का ख्याल रखना चाहिए।

व्यंग्य केसरी

मिलावट

राजश्री राठी

भौतिकवादी युग में हर चीज में मिलावट आम बात हो गई .यह मिलावट करने की प्रेरणा भी न? जाने कहाँ से जन्म ले रही हैं लेकिन यह एक ही चीज संपूर्ण विश्व में बड़े ही सुदृढ़ता के साथ फल फूल रही है. स्वार्थ सिद्धि के वशीभूत मानव थोड़ा पाने की लालसा में बड़े बड़े गलत फैसले आसानी से ले रहा हैं । यह तो रोजमर्रा की बात हुई, दूध में पानी मिला न हो , सब्जियां फलों में दवाईयां न हो , इलेक्ट्रिक बील में हेराफेरी करने का प्रयास न हो तो बात ही क्या, मंदिरों में होनेवाली पूजा आरती के नाम से तक लूट मची है ।

पति-पत्नी के विचारों में मतभेद होना कोई नई बात नहीं यह प्रक्रिया युगों-युगों से चले आ रही हैं. सुबह उठने पर चाय के स्वाद को लेकर तो रात सोते समय लाइट के चालू बंद करने जैसी हर बात में , हर प्रक्रिया में विचारों का कोई तालमेल नहीं होता और विवाद अपने चरम पर पहुँच जाता है। लेकिन इस वादविवाद का कोई निष्कर्ष नहीं निकलता और यह जारी रहता है ।पति - पत्नी आपस में लड़ते झगड़ते पर कभी अलगाव के बारे में सोच नहीं पाते क्योंकि ऊपरवाले की डोर पहले मजबूत हुआ करती थी।

या ईगो नाम के बीज का उनकी शरीर संरचना में अभाव था यह तो परमेश्वर ही जाने ।

कहीं अब रिश्तों को बाँधे रखनेवाली डोर में भी मिलावट प्रक्रिया जारी तो नहीं हो गई ऊपर से जुडी यह जोड़ियां नीचे आते ही टूटकर बिखर जाती है । आजकल बात -बात में ईगो हर्ट होने लगता है वह तो अच्छा हुआ पहले ईगो और हर्ट का पति-पत्नी के संबंधों में कोई स्थान ही नहीं था और रहता भी तो वह इतने मजबूत हुआ करते की टूटने बिखरने कि स्थिति कोई किमत पर नहीं बन पाती ।इसकी एक वजह यह भी रही होगी प्रेम का जीवन में महत्त्वपूर्ण स्थान है और प्रेम की भी निर्धारित आयु है। यह उम्रभर तो साथ नहीं रह पाता कुछ समय में दम तोड देता है।

इसे झूठलाया नहीं जा सकता और पहले विवाह पश्चात ही प्रेम हुआ करता था इसीलिए दाम्पत्य तकरार ,टकराव के बावजूद भी आसानी से साथ रह लेते क्यों की प्रेम का अकाउंट पूरा करना जरूरी रहता । वर्तमान दौर में विवाह पूर्व ही प्रेम इतना अधिक फल फूल जाता है जिसकी निर्धारित कोई सीमा ही नहीं रही ।विवाह की रस्मों के साथ ही जैसे प्रेम की पूर्णाहुति हो जाती है और फेरे के अग्निकुंड में कसमें वादे, प्रेम सब कुछ जलकर जैसे स्वाहा हो जाता है केवल शातिर ईगो उसमें से बचकर निकल जाता है और वह पति-पत्नी के साथ साये की तरह रहता है और छोटी-छोटी बात में ईगो टकरा जाता है ।

इतिहास

22 अप्रैल इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाएं दर्ज हैं, जिसमें विश्व पृथ्वी दिवस (World Earth Day) सबसे प्रमुख है। इसके अलावा, 1977 में भारत में 21 महीने से चल रहा आपातकाल समाप्त हुआ और 1906 में ओलंपिक खेलों का आयोजन हुआ था। 22 अप्रैल का इतिहास: प्रमुख घटनाएँ 1906: ग्रीस के एथेंस में अंतरिम ओलंपिक खेलों का समापन हुआ। 1977: भारत में 21 महीनों के आपातकाल (Emergency) की समाप्ति हुई, जिससे लोकतंत्र की बहाली हुई। 2006: सोशल मीडिया के इतिहास में जैक डॉर्सी (Jack Dorsey) ने एक क्रांतिकारी शुरुआत की। विश्व पृथ्वी दिवस: पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए हर साल 22 अप्रैल को विश्व पृथ्वी दिवस मनाया जाता है। अन्य प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएँ (अप्रैल के दौरान): 21 अप्रैल, 1526: पानीपत की पहली लड़ाई में बाबर ने इब्राहिम लोदी को हराकर भारत में मुगल साम्राज्य की नींव रखी।

भारतीय शेयर बाजार बड़ी गिरावट के साथ बंद, सेंसेक्स करीब 1 प्रतिशत फिसला; आईटी सेक्टर में सबसे ज्यादा गिरावट

मुंबई। मध्य पूर्व में जारी संघर्षों के बीच वैश्विक बाजारों से मिले-जुले संकेतों के चलते हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार को भारतीय शेयर बाजार बड़ी गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुआ।

बाजार बंद होने के समय 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 756.84 अंकों यानी 0.95 प्रतिशत की गिरावट के साथ 78,516.49 पर ट्रेड करते नजर आया, तो वहीं एनएसई निफ्टी50 198.50 (0.81 प्रतिशत) अंक फिसलकर 24,378.10 पर पहुंच गया।

दिन के कारोबार में सेंसेक्स 79,019.34 पर खुलकर 831 अंक यानी 1 प्रतिशत गिरकर 78,442.30 के दिन के निचले स्तर पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 50 24,470.85 पर खुलकर 224 अंक या 0.9 प्रतिशत गिरकर अपने 24,352.90 के दिन के निचले स्तर पर पहुंच गया।

इस दौरान, व्यापक बाजार सूचकांक प्रमुख बेंचमार्कों से बेहतर प्रदर्शन करते नजर आए और हरे निशान में बंद हुए। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में जहां 1.13 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली, वहीं निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स में 0.19 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई।

सेक्टरवार देखें तो निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी मीडिया, निफ्टी रियल्टी, निफ्टी मेटल, निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी फार्मा में तेजी देखने को मिली। वहीं इसके विपरीत निफ्टी आईटी में सबसे ज्यादा 3.89 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इसके बाद निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज में 0.87 प्रतिशत, निफ्टी प्राइवेट बैंक में 0.73 प्रतिशत और निफ्टी ऑटो में 0.66 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली। निफ्टी50 पैक में टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, एचयूएल, एनटीपीसी, टीएमपीवी, हिंडाल्को, अदाणी इंटरप्राइजेज, इटरनल और नेस्ले इंडिया के शेयरों में 3-1 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली, और ये टॉप गेनर्स में शामिल रहे।

वहीं, इसके विपरीत एचसीएल टेक के शेयरों में सबसे ज्यादा 10.74 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

इसके साथ ही इंफोसिस, एमएंडएम, टीसीएस, टेक महिंद्रा, बजाज-ऑटो, मैक्सहेल्थ, एचडीएफसी लाइफ और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में भी 3-1.5 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई।

घरेलू बाजार में यह गिरावट अमेरिकी-ईरान युद्धविराम को लेकर सतर्कता और होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकाबंदी जारी रहने के कारण आई।

बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के साथ युद्धविराम को अनिश्चितकाल के लिए बढ़ा दिया और राजनयिक प्रयासों के जारी रहने के साथ-साथ होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकाबंदी भी बरकरार रखी। इस बीच, अमेरिकी-ईरान शांति वार्ता के लिए उपराष्ट्रपति जेडी वैंस की पाकिस्तान यात्रा स्थगित कर दी गई।

महाराष्ट्र स्कूटर्स का मुनाफा वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में 92 प्रतिशत गिरा

मुंबई। महाराष्ट्र स्कूटर्स का मुनाफा वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में सालाना आधार पर 92.23 प्रतिशत कम होकर 4.01 करोड़ रुपए हो गया है, जो कि पिछले साल समान अवधि में 51.63 करोड़ रुपए पर था।

कंपनी के मुनाफे में कमी आने के साथ आय में भी गिरावट देखने को मिली है, जो कि सालाना आधार पर 3.55 प्रतिशत कम होकर 6.51 करोड़ रुपए हो गई है।

कंपनी ने अपनी एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में कर पहले मुनाफा सालाना आधार पर 91.20 प्रतिशत कम होकर 5.46 करोड़ रुपए हो गया है, जो कि एक साल पहले समान अवधि में 62.05 करोड़ रुपए था।

लागत के मोर्चे पर, मार्च तिमाही में कुल खर्च में वार्षिक आधार पर 55.88 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई और यह घटकर 1.05 करोड़ रुपए रह गया। हालांकि, कर्मचारी लागत संबंधी खर्च में 339.99 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह बढ़कर 0.22 करोड़ रुपए हो गया। नियामक रिपोर्ट के अनुसार, अन्य खर्चों में 41.13 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई और यह घटकर 0.83 करोड़ रुपए रह गया। कमजोर नतीजों के बावजूद, कंपनी ने शेयरधारकों के लिए डिविडेंड की घोषणा की है। कंपनी के बोर्ड ने 31 मार्च, 2026 को समाप्त हुए वित्त वर्ष के लिए प्रति शेयर 60 रुपए का फाइनल डिविडेंड देने की सिफारिश की है, जो 10 रुपए के अंकित मूल्य पर 600 प्रतिशत के बराबर है।

यह डिविडेंड आगामी वार्षिक आम बैठक में अनुमोदन के अधीन है और यदि मंजूरी मिल जाती है, तो इसका भुगतान 4 अगस्त, 2026 को या उससे पहले किया जाएगा। पात्र शेयरधारकों के निर्धारण के लिए रिकॉर्ड तिथि 30 जून, 2026 निर्धारित की गई है।

महाराष्ट्र स्कूटर्स मुख्य रूप से ऑटोमोबाइल उद्योग के लिए डाई, जिग्स, फिक्स्चर और डाई-कास्टिंग कंपोनेंट्स के निर्माण का काम करती है।

अमेरिका-ईरान में सीजफायर बढ़ने के बीच सोने और चांदी में तेजी

मुंबई । अमेरिका-ईरान में सीजफायर बढ़ने के बीच बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में तेजी देखने को मिली, जिससे दोनों कीमती धातुओं के दाम एक प्रतिशत से अधिक बढ़ गए हैं।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सुबह 10:30 पर सोने का 5 जून 2026 का कॉन्ट्रैक्ट 1.01 प्रतिशत या 1,535 रुपए की तेजी के साथ 1,53,206 रुपए पर था।

अब तक के कारोबार में सोने ने 1,53,052 रुपए का न्यूनतम स्तर और 1,53,699 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ है।

चांदी का 5 मई 2026 का कॉन्ट्रैक्ट 1.74 प्रतिशत या 4,247 रुपए की बढ़त के साथ 2,48,948 रुपए पर था। अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,48,717 रुपए का न्यूनतम स्तर और 2,49,423 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ है।

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने और चांदी की कीमतों में तेजी देखी जा रही है। खबर लिखे जाने तक कॉमेक्स पर सोना 1.13 प्रतिशत की तेजी के साथ 4,773.21 डॉलर प्रति औंस और चांदी 1.97 प्रतिशत की बढ़त के साथ 77.99 डॉलर प्रति औंस पर थी।सोने और चांदी में तेजी की वजह वैश्विक स्तर पर अस्थिरता में बढ़ोतरी को माना जा रहा है। अमेरिका की ओर से ईरान के साथ सीजफायर की डेडलाइन को आगे बढ़ा दिया गया है। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया है कि इसे कितने दिन के लिए आगे बढ़ाया गया है और यह कब तक जारी रहेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान में मौजूदा समय में नेतृत्व और सरकार में एकजुटता नहीं है। ऐसे में पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ और आर्मी चीफ आसिम मुनीर ने उनसे ईरान पर कुछ और समय तक हमले रोकने की अपील की, जिससे ईरान के साथ शांति वार्ता के लिए और समय मिले।

इससे ग्लोबल लेवल पर अनिश्चितता में इजाफा हुआ है, जिससे सुरक्षित माने जाने वाले सोने और चांदी में मांग में बढ़ोतरी देखने को मिली है।

भारत में रियल एस्टेट जमीन सौदों में 32 प्रतिशत उछाल; 2025 में हुए 54,818 करोड़ रुपए के डील्स

नई दिल्ली। बुधवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत के रियल एस्टेट सेक्टर में 2025 में जमीन अधिग्रहण में पिछले वर्ष की तुलना में 32 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जिसमें डेवलपर्स ने 149 सौदों के जरिए 3,093 एकड़ जमीन खरीदी, जिसकी कुल कीमत 54,818 करोड़ रुपए रही।

जेएलएल की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस खरीदी गई जमीन पर अगले 2 से 5 साल में करीब 229 मिलियन स्क्वायर फीट निर्माण किया जा सकता है, जो डेवलपर्स के मजबूत भरोसे और लगातार बनी मांग को दिखाता है।

रिपोर्ट में निवेश के असंतुलन की ओर भी इशारा किया गया है। टियर-1 शहरों में कुल निवेश का 89 प्रतिशत गया, जबकि जमीन का हिस्सा केवल 52 प्रतिशत रहा।

वहीं, टियर-2 शहरों में 48 प्रतिशत जमीन के सौदे हुए, लेकिन उन्हें सिर्फ 11 प्रतिशत निवेश मिला। इससे पता चलता है कि वहां जमीन सस्ती है और आगे बढ़ने के मौके ज्यादा हैं।

यह रफ्तार 2026 में भी जारी रही। पहली तिमाही में ही प्रमुख बाजारों में करीब 900 एकड़ जमीन खरीदी गई, जिसकी कीमत लगभग 18,000 करोड़ रुपए रही।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि मुंबई महानगर क्षेत्र में सबसे बड़ा सौदा हुआ, जहां 11 एकड़ जमीन 5,400 करोड़ रुपए में खरीदी गई।

इन जमीनों पर निर्माण के लिए 92,000 करोड़ रुपए से ज्यादा की जरूरत होगी, जिसमें बाहरी फंडिंग की जरूरत 52,000 करोड़ रुपए से अधिक हो सकती है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इससे वैकल्पिक निवेश फंड (एआईएफ), प्राइवेट क्रेडिट कंपनियों और बड़े निवेशकों की भागीदारी बढ़ सकती है।

टियर-1 शहरों में आने वाले प्रोजेक्ट्स के लिए लगभग 89 प्रतिशत पूंजी की जरूरत होगी, क्योंकि बड़े शहरों में प्रोजेक्ट महंगे होते हैं और प्रीमियम रियल एस्टेट की मांग ज्यादा रहती है।

रिहायशी (रेजिडेंशियल) प्रोजेक्ट इस सेक्टर की सबसे बड़ी ताकत बने हुए हैं। कुल जमीन का 78 प्रतिशत हिस्सा इन्हीं के लिए इस्तेमाल हुआ और कुल फंडिंग का लगभग 76 प्रतिशत भी इसी में लगा, जिसकी निर्माण लागत 72,000 करोड़ रुपए से ज्यादा आंकी गई है।

आरबीआई ने ई-मैंडेट नियमों को किया सख्त; अब 15,000 रुपए से ज्यादा ऑटो-डेबिट ट्रांजैक्शन पर अतिरिक्त ऑथेंटिकेशन जरूरी

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मंगलवार को डिजिटल पेमेंट में ई-मैंडेट के लिए नए और सख्त नियम जारी किए हैं। अब ऑटो-डेबिट जैसे बार-बार होने वाले पेमेंट की सुरक्षा बढ़ाने के लिए अतिरिक्त ऑथेंटिकेशन (एडिशनल फैक्टर ऑफ ऑथेंटिकेशन-एएफए) जरूरी होगा।

ये नए नियम सभी पेमेंट सिस्टम प्रोवाइडर्स और उन संस्थाओं पर लागू होंगे जो कार्ड, प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंट और यूपीआई के जरिए ऑटो-डेबिट पेमेंट संभालते हैं। इसमें घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों तरह के ट्रांजैक्शन शामिल हैं। ये नियम तत्काल प्रभाव से लागू हो गए हैं।

नए नियमों के तहत, जो ग्राहक ई-मैंडेट सुविधा लेना चाहते हैं, उन्हें एक बार रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया पूरी करनी होगी।

आरबीआई के अनुसार, 'मैंडेट तभी एक्टिव होगा जब सामान्य वेरिफिकेशन के अलावा अतिरिक्त ऑथेंटिकेशन सफलतापूर्वक पूरा होगा।'

केंद्रीय बैंक ने यह भी स्पष्ट किया कि किसी भी ई-मैंडेट के तहत पहला ट्रांजैक्शन अतिरिक्त ऑथेंटिकेशन के साथ ही पूरा होगा।

सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए आरबीआई ने कहा है कि 15,000 रुपए से ज्यादा के हर ऑटो-डेबिट ट्रांजैक्शन पर अतिरिक्त ऑथेंटिकेशन जरूरी होगा।

इसके अलावा, 1 लाख रुपए से ज्यादा के बड़े पेमेंट, जैसे इंश्योरेंस प्रीमियम, म्यूचुअल फंड निवेश और क्रेडिट कार्ड बिल, के लिए भी अतिरिक्त वेरिफिकेशन जरूरी होगा।

इस नए सिस्टम में ग्राहकों को लचीलापन भी दिया गया है। वे तय सीमा के अंदर फिक्स्ड या बदलने वाली (वेरिएबल) राशि के लिए ई-मैंडेट सेट कर सकते हैं।

अगर राशि बदलने वाली है, तो ग्राहक उसके लिए अधिकतम लिमिट भी तय कर सकते हैं।

किसी भी मौजूदा मैंडेट में बदलाव करने पर फिर से ऑथेंटिकेशन करना होगा।

हर ई-मैंडेट की एक तय वैधता अवधि होगी और ग्राहक कभी भी इसे बदल या रद्द कर सकते हैं।

आरबीआई ने निर्देश दिया है कि रजिस्ट्रेशन के समय इन सभी सुविधाओं की जानकारी ग्राहकों को साफ-साफ दी जाए ताकि पारदर्शिता बनी रहे।

सबसे अहम बात यह है कि ई-मैंडेट सुविधा का इस्तेमाल करने के लिए ग्राहकों से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा।

साथ ही आरबीआई ने कहा है कि ई-मैंडेट के तहत होने वाले पेमेंट पर ग्राहकों द्वारा अलग से कोई अतिरिक्त सीमा या नियंत्रण लागू नहीं होगा, बल्कि यह तय नियमों के अनुसार ही काम करेगा।

टेस्ला ने भारत में छह सीटों वाली मॉडल वाई एल को 61.99 लाख रुपए में लॉन्च किया, जून में शुरू होगी डिलीवरी

मुंबई। टेस्ला ने बुधवार को नई छह सीटों वाली फैमिली इलेक्ट्रिक कार मॉडल वाई एल को भारत में पेश किया। इसकी शुरुआती कीमत 61.99 लाख रुपए रखी गई है।

इसे बैलार्ड पियर डाउनटाउन एक्सपीरियंस सेंटर में लॉन्च किया गया। साथ ही, इसकी बुकिंग कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट पर शुरू हो गई है।

मॉडल वाई एल 23 अप्रैल, 2026 से मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स, दिल्ली के एयरोसिटी और गुरुग्राम सहित प्रमुख स्थानों पर स्थित टेस्ला के एक्सपीरियंस सेंटर्स में आम जनता के लिए देखने के लिए उपलब्ध होगी। कंपनी ने बताया कि इसकी डिलीवरी जून 2026 से पूरे भारत में शुरू होने की उम्मीद है।

एक प्रीमियम फैमिली व्हीकल के रूप में पेश की गई मॉडल वाई एल, 681 किमी तक की ड्राइविंग रेंज का क्लेम करती है और 5.0 सेकंड में 0 से 100 किमी/घंटा की रफ्तार पकड़ सकती है। इसमें केबिन स्पेस, आराम और लचीलेपन को अधिकतम करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए तीन-पंक्ति, छह-सीट कॉन्फिगरेशन है। दूसरी पंक्ति की कैप्टन सीटें पावर आर्मरेस्ट, वेंटिलेशन, हीटिंग और वन-टच फोल्डिंग से लैस हैं, जबकि तीसरी पंक्ति में पावर रिक्लाइन, क्लाइमेट कंट्रोल वेंट्स और आसान फोल्डिंग की सुविधा है।

टेस्ला ने मॉडल वाई एल की शुरुआती कीमत 61.99 लाख रुपए रखी गई है, जिसमें 49,000 रुपए प्रति माह से शुरू होने वाले फाइनेंस विकल्प उपलब्ध हैं। यह लॉन्च भारत में टेस्ला के पोर्टफोलियो विस्तार में एक और कदम है, जहां कंपनी अपने चार्जिंग और सर्विस इंफ्रास्ट्रक्चर को भी मजबूत कर रही है।

वर्तमान में, टेस्ला भारत में पांच सुपरचार्जर स्टेशन संचालित करती है, जिनमें कुल 20 सुपरचार्जर और 14 वॉल कनेक्टर हैं। कंपनी की योजना दिल्ली, चंडीगढ़, जयपुर, अहमदाबाद, मुंबई, पुणे, बेंगलुरु, हैदराबाद और चेन्नई जैसे शहरों को जोड़ने वाले प्रमुख राजमार्गों पर सात और सुपरचार्जर स्टेशन स्थापित करने की है।

भारत का वस्त्र निर्यात वित्त वर्ष 2026 में 2.1 प्रतिशत बढ़कर 3.16 लाख करोड़ रुपए रहा

नई दिल्ली। भारत का वस्त्र निर्यात वित्त वर्ष 26 में सालाना आधार पर 2.1 प्रतिशत बढ़कर 3,16,334.9 करोड़ रुपए हो गया है, जो कि वित्त वर्ष 25 में 3,09,859.3 करोड़ रुपए पर था। यह जानकारी बुधवार को केंद्र सरकार द्वारा दी गई।

यह आंकड़े दिखाते हैं कि अमेरिकी टैरिफ के बाद भी भारत का वस्त्र निर्यात मजबूत बना हुआ है।

सरकार की ओर से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया कि वित्त वर्ष 26 में रेडीमेड गारमेंट्स (आरएमजी) निर्यात में सबसे बड़ा योगदानकर्ता रहा, इस सेगमेंट में 2.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई और देश के आरएमजी निर्यात की वैल्यू पिछले वित्त वर्ष में 1,39,349.6 करोड़ रुपए तक पहुंच गई, जबकि सूती धागे, कपड़े, मेड-अप्स और हथकरघा उत्पादों का निर्यात लगभग स्थिर रहा और इनकी निर्यात वैल्यू 1,02,399.7 करोड़ रुपए थी।

वस्त्र मंत्रालय ने बयान में कहा कि कृत्रिम धागे, कपड़े और तैयार उत्पादों के निर्यात में 3.6 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई है, जो कि वित्त वर्ष 26 में बढ़कर 42,687.8 करोड़ रुपए हो गया है, जो कि इससे पहले के वर्ष में 41,196.0 करोड़ रुपए था।

मूल्यवर्धित क्षेत्रों में, हस्तनिर्मित कालीनों को छोड़कर हस्तशिल्प उत्पादों में सबसे अधिक वृद्धि दर्ज की गई, जिनका निर्यात 6.1 प्रतिशत बढ़कर 15,855.1 करोड़ रुपए हो गया।अप्रैल 2025 से फरवरी 2026 के दौरान निर्यात पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 120 गंतव्यों तक पहुंचा, जो भारत के वस्त्र निर्यात बास्केट में व्यापक भौगोलिक विस्तार का संकेत देता है।

संयुक्त अरब अमीरात (22.3 प्रतिशत), ब्रिटेन (7.8 प्रतिशत), जर्मनी (9.9 प्रतिशत), स्पेन (15.5 प्रतिशत), जापान (20.6 प्रतिशत), मिस्र (38.3 प्रतिशत), नाइजीरिया (21.4 प्रतिशत), सेनेगल (54.4 प्रतिशत) और सूडान (205.6 प्रतिशत) जैसे प्रमुख बाजारों में निर्यात में मजबूत वृद्धि देखी गई है।

सरकार ने निर्यात को सुगम बनाने और करों में छूट देने के प्रमुख उपायों के माध्यम से इस क्षेत्र को निरंतर समर्थन दिया है।

छाछ बनाम लस्सी: गर्मियों में शरीर को कौन तेजी से ठंडा करता है?

छाछ और लस्सी—दोनों ही पारंपरिक और ताज़गी देने वाले गर्मियों के पेय हैं। लेकिन जब तापमान बढ़ता है, तो सवाल उठता है कि इनमें से कौन शरीर को जल्दी ठंडा करता है? इसका जवाब सिर्फ स्वाद में नहीं, बल्कि इनके टेक्सचर, पाचन और शरीर की प्रतिक्रिया में छिपा है।

छाछ एक हल्का, फर्मेंटेड पेय है, जिसे क्रीम को मथकर या दही में पानी मिलाकर बनाया जाता है। इसकी स्थिरता पतली होती है और स्वाद खट्टा। फर्मेंटेशन और कम वसा होने के कारण यह आसानी से पच जाती है और अक्सर भारी भोजन के बाद पी जाती है।

लस्सी एक गाढ़ा और क्रीमी पेय है, जिसे दही में पानी मिलाकर बनाया जाता है, और इसमें अक्सर चीनी, फल या मसाले मिलाए जाते हैं। यह मीठी या नमकीन हो सकती है और ज्यादा समृद्ध महसूस होती है। इसका गाढ़ापन इसे पेट भरने वाला बनाता है, लेकिन छाछ की तुलना में थोड़ा भारी भी होता है।

अगर तुरंत ठंडक पाना आपका लक्ष्य है, तो छाछ अक्सर ज्यादा तेजी से असर करती है। इसका हल्का टेक्सचर और ज्यादा पानी शरीर को जल्दी हाइड्रेट करता है। वहीं, लस्सी भी ठंडक देती है, लेकिन इसकी गाढ़ी बनावट के कारण इसे पचने और अवशोषित होने में थोड़ा ज्यादा समय लगता है। छाछ में प्रोबायोटिक्स होते हैं और यह पेट के लिए हल्की होती है, जिससे गैस और एसिडिटी कम करने में मदद मिलती है। लस्सी पौष्टिक तो है, लेकिन इसमें चीनी या क्रीम मिलाने के कारण यह थोड़ी भारी लग सकती है। असल में, बेहतर पाचन का मतलब है शरीर के अंदर से तेज ठंडक मिलना।

दोनों पेय प्रोटीन, कैल्शियम और जरूरी विटामिन्स प्रदान करते हैं। हालांकि, छाछ में आमतौर पर वसा और कैलोरी कम होती है, जबकि लस्सी इसकी तैयारी के तरीके के अनुसार ज्यादा समृद्ध हो सकती है।

हर बार जनगणना के बाद क्यों परिसीमन होता है, क्या इससे संसद सीटें बढ़ती हैं?

भारत में जनगणना 2026 की शुरुआत हो चुकी है। यह काम दो चरणों में अगले साल तक चलेगा। जनगणना के बाद परिसीमन होता है। इसकी वजह यह बताई जाती है कि इससे हर वोटर के वोट की वैल्यू बनी रहती है। साथ ही, जनसंख्या के बदलते हालात के अनुसार लोकसभा और विधानसभा सीटों का न्यायपूर्ण बंटवारा हो सके। परिसीमन का मतलब होता है निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं को फिर से तय करना। इसका मकसद यह सुनिश्चित करना भी होता है कि हर निर्वाचन क्षेत्र में लोगों की संख्या लगभग बराबर रहे।

भारत में जनगणना का पहला चरण आधिकारिक तौर पर 1 अप्रैल 2026 से शुरू हो चुका है। यह 30 सितंबर 2026 तक चलेगा। पूरे देश के लिए इसकी एक सामान्य समय-सीमा तय की गई है, लेकिन अलग-अलग राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में फील्ड वर्क के लिए अलग-अलग 30-दिवसीय स्लॉट दिए गए हैं।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 82 और 170 के तहत हर जनगणना के बाद संसद द्वारा परिसीमन अधिनियम बनाया जाता है। एक परिसीमन आयोग गठित होता है। जनगणना ही ऐसा आधिकारिक, विस्तृत और विश्वसनीय डेटा प्रदान करती है, जो यह बताता है कि हर राज्य, ज़िले और ब्लॉक में आबादी कितनी बढ़ी या घटी। इसी डेटा के आधार पर सीटों की संख्या और सीमाएं तय होती हैं।

परिसीमन क्या होता है?

परिसीमन का सीधा अर्थ है चुनावी क्षेत्रों की सीमाओं को फिर से तय करना। भारत में लोकसभा और विधानसभा की सीटें भौगोलिक क्षेत्रों में बंटी होती हैं। समय के साथ उनकी जनसंख्या बदलती है—कहीं तेजी से बढ़ती है, कहीं धीमी। ऐसे में यह जरूरी हो जाता है कि हर सांसद या विधायक लगभग बराबर संख्या के लोगों का प्रतिनिधित्व करे। इसी संतुलन को बनाए रखने के लिए परिसीमन किया जाता है। भारत में यह काम एक स्वतंत्र संस्था, भारतीय परिसीमन आयोग यानी डिलिमिटेशन कमीशन ऑफ इंडिया, करती है। परिसीमन जनगणना के बाद ही क्यों होता है?

परिसीमन का आधार जनसंख्या है।

जनसंख्या का सबसे विश्वसनीय आंकड़ा जनगणना से मिलता है। भारत में हर 10 साल में जनगणना होती है, जो बताती है कि किस क्षेत्र में कितने लोग रहते हैं। अगर बिना नए आंकड़ों के परिसीमन किया जाए, तो प्रतिनिधित्व असमान हो जाएगा। उदाहरण के तौर पर, किसी शहर में जनसंख्या तेजी से बढ़ गई हो, जबकि किसी ग्रामीण क्षेत्र में स्थिर या कम हो गई हो। ऐसी स्थिति में पुराने निर्वाचन क्षेत्र न्यायसंगत नहीं रह जाते। इसलिए जनगणना के बाद परिसीमन एक तरह से 'लोकतांत्रिक रीसेट' होता है।

क्या हर जनगणना के बाद सीटों की संख्या भी बढ़ती है?

यह एक आम भ्रम है। हर बार सीटों की संख्या नहीं बढ़ती, बल्कि अधिकतर मामलों में केवल सीमाएं बदली जाती हैं। भारत में संसद की कुल सीटें बढ़ाने या घटाने का अधिकार केवल संसद को है, और यह संविधान संशोधन से होता है। हालांकि, शुरुआती दशकों में 1950 से 1970 के बीच जनसंख्या वृद्धि के अनुसार लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाई गई थी, लेकिन बाद में इस पर रोक लगा दी गई।

सीटों की संख्या बढ़ाने पर रोक क्यों लगी?

1970 के दशक में एक बड़ा राजनीतिक और सामाजिक सवाल उठा। दक्षिण भारत के कई राज्यों ने जनसंख्या नियंत्रण में सफलता पाई, जबकि उत्तर भारत के राज्यों में जनसंख्या तेजी से बढ़ रही थी। अगर केवल जनसंख्या के आधार पर सीटें बढ़ाई जातीं, तो उत्तर भारत के राज्यों की राजनीतिक ताकत बहुत बढ़ जाती

और दक्षिण भारत के राज्यों को 'सजा' मिलती, जबकि उन्होंने परिवार नियोजन अपनाया था। इसी असंतुलन को रोकने के लिए 1976 में भारतीय संसद ने एक बड़ा फैसला लिया—लोकसभा सीटों की संख्या को 'फ्रीज' कर दिया गया।

यह 'फ्रीज' कब तक के लिए था?

शुरुआत में यह फ्रीज 2001 तक के लिए था। बाद में इसे बढ़ाकर 2026 तक कर दिया गया। इसका मतलब यह है कि 1971 की जनगणना के आधार पर सीटों की संख्या तय रही, लेकिन परिसीमन 2001 और 2011 के आंकड़ों के आधार पर किया गया। यानी सीटों की संख्या वही रखते हुए, बस निर्वाचन क्षेत्रों की अंदरूनी सीमाएं बदली गईं।

परिसीमन से सीटें बढ़ती हैं—यह धारणा कहां से आती है?

यह धारणा इसलिए बनती है क्योंकि लोग परिसीमन और सीटों की संख्या बढ़ाने को एक ही चीज मान लेते हैं। असल में ये दो अलग बातें हैं—परिसीमन केवल सीमाएं बदलता है।

अमेरिका के खिलाफ जंग में ईरान का सबसे ताकतवर हथियार, लेकिन यह परमाणु वारहेड नहीं

चल रहे संघर्ष में ईरान ने अमेरिका के खिलाफ अपने परमाणु कार्यक्रम का इस्तेमाल नहीं किया, लेकिन उसने जो रणनीति अपनाई, वह किसी भी वारहेड से कम प्रभावी नहीं मानी जा रही है। इसने सुपरपावर को रक्षात्मक मुद्रा में ला खड़ा किया है।

ईरान का सबसे शक्तिशाली हथियार

विशेषज्ञों और मीडिया विश्लेषण के मुताबिक, ईरान की सबसे बड़ी ताकत अब सिर्फ उसका यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम नहीं है, बल्कि वैश्विक ऊर्जा बाजारों को ठप करने की उसकी क्षमता है। यह नई 'रणनीतिक ताकत' है — होर्मुज जलडमरूमध्य।

कैसे काम करता है यह हथियार

इस अहम तेल मार्ग को बंद करने की धमकी देकर ईरान वही दबाव बनाता है, जो परमाणु हथियारों से पैदा होता है। क्योंकि अगर यह मार्ग पूरी तरह बंद हो जाए, तो वैश्विक तेल कीमतों में 'भारी उछाल' आ सकता है।

ईरान ने सीधे सैन्य टकराव से हटकर अब 'थकाऊ युद्ध' (war of attrition) की रणनीति अपनाई है, जिसमें छोटे हमलावर जहाजों के समूह, एंटी-शिप मिसाइलें और ड्रोन शामिल हैं।

इस बीच, ईरान का वास्तविक परमाणु सामग्री भंडार (लगभग 440 किलोग्राम समृद्ध यूरेनियम) अमेरिकी हमलों से क्षतिग्रस्त ठिकानों में भूमिगत रखा गया है। डोनाल्ड ट्रंप ने इसे 'न्यूक्लियर डस्ट' बताया है और इसके पूर्ण समर्पण की मांग की है, जबकि ईरान शांतिपूर्ण परमाणु तकनीक के अपने अधिकार पर कायम है।

अमेरिका इस 'हथियार' का कैसे मुकाबला कर रहा है?

ट्रंप प्रशासन फिलहाल इस दबाव को संतुलित करने के लिए अपनी क्षेत्रीय रणनीति में बदलाव कर रहा है, जबकि एक नाजुक युद्धविराम लागू है।

21 अप्रैल को ट्रंप ने पाकिस्तान में शांति वार्ता के नए दौर के लिए युद्धविराम को अनिश्चितकाल तक बढ़ाने की घोषणा की।

अमेरिका इस बात पर विचार कर रहा है कि अपनी बड़ी नौसैनिक और हवाई तैनाती (जिसमें कई एयरक्राफ्ट कैरियर शामिल हैं) को स्थायी बनाया जाए, ताकि होर्मुज जलडमरूमध्य में 'सुरक्षित आवाजाही' सुनिश्चित की जा सके।

अमेरिका का एक प्रमुख लक्ष्य ईरान के समृद्ध यूरेनियम भंडार को भौतिक रूप से अपने नियंत्रण में लेना है। ट्रंप ने संकेत दिया है कि किसी समझौते के बाद इन सामग्रियों को निकालने के लिए 'भारी मशीनरी' का इस्तेमाल किया जा सकता है।

युद्धविराम के बावजूद, अमेरिका ने ईरानी बंदरगाहों की नौसैनिक नाकेबंदी जारी रखी है, ताकि अंतिम परमाणु समझौते तक ईरान की आर्थिक आपूर्ति लाइनों पर दबाव बनाया जा सके।

होर्मुज में अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी

अमेरिका ने होर्मुज जलडमरूमध्य और ओमान की खाड़ी में ईरानी बंदरगाहों से आने-जाने वाले जहाजों को निशाना बनाते हुए नौसैनिक नाकेबंदी लागू कर रखी है। यह अभियान अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENTCOM) द्वारा संचालित किया जा रहा है और 13 अप्रैल को औपचारिक रूप से लागू किया गया था, जब इस्लामाबाद में शांति वार्ता विफल हो गई थी।

यह नाकेबंदी सिर्फ उन जहाजों पर लागू होती है जो ईरानी बंदरगाहों से जुड़े हैं। अमेरिका का कहना है कि इससे अन्य व्यावसायिक जहाजों की आवाजाही प्रभावित नहीं होती। अप्रैल के अंत तक अमेरिकी बल कम से कम 25 जहाजों को रोक चुके हैं।

ईरान की परमाणु स्थिति क्या है?

जहां होर्मुज जलडमरूमध्य तत्काल रणनीतिक हथियार के रूप में सामने आया है, वहीं ईरान का परमाणु कार्यक्रम अभी भी बेहद अहम मोड़ पर है।

जमीन से इतना पानी निकाल रहा भारत कि पृथ्वी टेढ़ी होने का खतरा... जानें क्यों ये आशंका

जमीन से जितना पानी भारत निकाल रहा है, उतना कोई देश नहीं निकालता। भारत के इस काम से पृथ्वी की हालत खराब हो रही है। संतुलन पर बुरी तरह असर पड़ रहा है, जिसके चलते यह अपनी धुरी से खिसक रही है। अगर भारत नहीं चेता, तो पृथ्वी अपनी धुरी और झुककर टेढ़ी हो सकती है। हालांकि यह भी सही है कि जरूरत से ज्यादा जल दोहन से हमारे पानी से लेकर खाने-पीने तक पर बुरा असर पड़ेगा। इसके लाले पड़ जाएंगे।

दरअसल, भारत में भूजल का जरूरत से ज्यादा दोहन हो रहा है। दुनिया में जमीन से जितना जल निकाला जा रहा है, उसका 25 फीसदी से ज्यादा केवल भारत में हो रहा है।

और इसी वजह से पृथ्वी अपनी धुरी से न केवल खिसक रही है, बल्कि टेढ़ी भी हो रही है, यानी वह असंतुलित हो रही है। अगर यह चलता रहा, तो एक नहीं बल्कि कई तरह के संकट आएंगे। वे संकट क्या होंगे और किस तरह असर डालेंगे, यह आगे बताएंगे। पहले इस भूजल दोहन के बारे में समझ लीजिए। यह भी जान लीजिए कि दुनिया में कौन-सा देश जमीन के नीचे से सबसे ज्यादा पानी निकाल रहा है।

वैज्ञानिकों का कहना है कि जरूरत से ज्यादा भूजल दोहन के कारण पृथ्वी की धुरी में खिसकाव हो रहा है। यह बात एक नहीं, बल्कि कई वैज्ञानिक अध्ययनों में सामने आई है।

समझें कि ऐसा कैसे होता है

जब जमीन के अंदर से पानी निकाला जाता है, तो जमीन के द्रव्यमान का संतुलन बिगड़ता है। इसकी वजह से पृथ्वी इसे पुनर्वितरित करके संतुलित करने की कोशिश करती रहती है। जब भूजल को जमीन से निकाला जाता है, तो यह पानी समुद्रों में पहुंच जाता है, लेकिन पृथ्वी पर द्रव्यमान (मास) का वितरण बदल जाता है।

पृथ्वी एक घूमती हुई गेंद की तरह है। अगर इसके द्रव्यमान का वितरण बदलता है, तो इसके घूमने का अक्ष भी बदलता या खिसकता है। इसे 'पोलर मोशन' कहते हैं।

17 सालों में बहुत कुछ बिगड़ा

दुनिया में सबसे ज्यादा भूजल दोहन भारत कर रहा है। उसके बाद चीन, अमेरिका और अन्य देशों का नंबर है। इससे यह संकट लगातार बढ़ रहा है। पृथ्वी का संतुलन लगातार बिगड़ रहा है। ह्यूस्टन और अन्य संस्थानों के शोध के अनुसार, 1993 से 2010 के बीच भूजल निकालने के कारण पृथ्वी के ध्रुव (North Pole) की दिशा में बदलाव हुआ है।

केवल इन 17 सालों में ही भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश और चीन में भूजल दोहन से लगभग 54 ट्रिलियन लीटर पानी निकाला गया, जिससे पृथ्वी की धुरी लगभग 78 सेमी (पूर्व की ओर) खिसक गई।

क्या भारत जमीन से सबसे ज्यादा पानी निकालता है

हां, भारत दुनिया में सबसे अधिक भूजल यानी ग्राउंडवॉटर निकालता है। दुनियाभर में जमीन के नीचे से जितना पानी निकाला जाता है, उसका 25 फीसदी अकेले भारत में होता है, जो किसी भी अन्य देश से कहीं अधिक है।

भारत हर साल 250-260 क्यूबिक किलोमीटर भूजल निकालता है, जो अमेरिका और चीन के संयुक्त उपयोग से भी अधिक है।

अप्रैल में ही गर्मी दम निकाल रही है, मई-जून तो तबाही होंगे! कमजोर मानसून और सुपर अल नीनो—मौसम का यह कॉम्बो डेडली

अप्रैल के 22 दिन गुजर चुके हैं और सूरज के तेवर देखकर रूह कांपने लगी है। उत्तर भारत से लेकर दक्षिण तक पारा 40 डिग्री सेल्सियस को पार कर चुका है। दिल्ली, राजस्थान और यूपी में लू के थपेड़ों ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। मौसम विभाग (IMD) की ताजा रिपोर्ट्स और ग्लोबल क्लाइमेट मॉडल्स जो संकेत दे रहे हैं, वे बेहद डरावने हैं। इस साल केवल भीषण गर्मी ही नहीं, बल्कि 'अल नीनो' का एक ऐसा खतरनाक रूप सामने आने वाला है, जो मानसून को पूरी तरह पटरी से उतार सकता है। अगर समय रहते

तैयारी नहीं की गई, तो मई और जून का महीना वाकई तबाही लेकर आ सकता है।

इस साल अप्रैल में ही देश के कई हिस्सों में तापमान सामान्य से 5 से 7 डिग्री ऊपर चल रहा है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि यह तो बस शुरुआत है। आने वाले दिनों में हीटवेव (Heatwave) की आवृत्ति और तीव्रता, दोनों बढ़ने वाली हैं। ओडिशा, पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में पारा अभी से रिकॉर्ड तोड़ रहा है। शहरों में कंक्रीट के जंगलों ने 'अर्बन हीट आइलैंड' बना दिए हैं, जिससे रात का तापमान भी कम नहीं हो रहा। लू (Heat Wave) की मार इस बार इतनी जल्दी शुरू हुई है कि रबी की फसलों, खासकर गेहूं की पैदावार पर बुरा असर पड़ने की आशंका है।

भारत के लिए सबसे बुरी खबर प्रशांत महासागर से आ रही है। यूनिवर्सिटी ऑफ हवाई के शोधकर्ताओं ने एक नई स्टडी में चेतावनी दी है कि इस साल एक बेहद ताकतवर 'अल नीनो' (El Niño) दस्तक दे रहा है। यह अल नीनो सामान्य से 2 डिग्री सेल्सियस ज्यादा गर्म हो सकता है। इसे 'सुपर अल नीनो' की श्रेणी में रखा जा रहा है। जब भी प्रशांत महासागर का पानी इतना गर्म होता है, भारत में मानसून कमजोर पड़ जाता है। मौसम विभाग ने पहले ही संकेत

आमतौर पर मानसून और अल नीनो की सटीक भविष्यवाणी करना बहुत मुश्किल होता है। लेकिन यूनिवर्सिटी ऑफ हवाई के वैज्ञानिकों ने 'Wyrtki-CSLIM' नाम का एक नया मॉडल तैयार किया है।

इस गर्मी में भारतीय कहाँ यात्रा कर रहे हैं? 2026 में व्यक्तिगत छुट्टियों की ओर बड़ा बदलाव

गर्मियों की छुट्टियाँ अब आखिरी समय की योजनाएँ नहीं रह गई हैं, बल्कि वे अब सावधानीपूर्वक सोची-समझी यात्राएँ बनती जा रही हैं। पूरे भारत में लोग अपनी छुट्टियों की पहले से योजना बना रहे हैं, अपने अवकाश कैलेंडर का मिलान कर रहे हैं, नए गंतव्यों की तलाश कर रहे हैं और यह तय कर रहे हैं कि वे वास्तव में किस तरह का विश्राम चाहते हैं। कुछ लोग गर्मी से बचने के लिए पहाड़ी इलाकों की त्वरित यात्रा की योजना बना रहे हैं, अन्य अंतरराष्ट्रीय दौरों की तैयारी कर रहे हैं, जबकि कई लोग दिनचर्या से दूर अधिक सार्थक और

शांत समय की तलाश में हैं। यह सब कुछ एक ही बार में समेटने के बजाय एक ऐसी छुट्टी की योजना बनाने के बारे में है जो वास्तव में आसान, सुखद और व्यक्तिगत पसंद के अनुरूप महसूस हो।

Booking.com की भविष्यवाणियों के अनुसार यह 'आपका युग' है और भारतीय यात्री स्पष्ट रूप से इस विचार को अपना रहे हैं। भीड़-भाड़ वाले यात्रा कार्यक्रमों को पूरा करने के बजाय लोग ऐसी यात्राएं चुन रहे हैं जो उनकी वास्तविक इच्छाओं को दर्शाती हैं, चाहे वह गति को धीमा करना हो, कुछ नया खोजना हो या बस तपती गर्मी से बचना हो। घरेलू 'कूलकेशन्स' से लेकर सुलभ एशियाई यात्राओं तक, इस सीज़न में यात्रा इस बारे में कम है कि आपको कहाँ जाना चाहिए और इस बारे में अधिक है कि आप वास्तव में कहाँ होना चाहते हैं।

Booking.com के दक्षिण एशिया क्षेत्रीय प्रमुख संतोष कुमार का कहना है कि इस गर्मी में हम जो देख रहे हैं वह 2026 में भारतीयों के यात्रा करने के बदलते पैटर्न का परिणाम है। यात्री अब अधिक जागरूक और रणनीतिक हो रहे हैं और व्यक्तिगत यात्राओं की तलाश कर रहे हैं जहाँ गंतव्य उन अनुभवों को पेश करते हैं जिनकी वे इच्छा रखते हैं। चाहे वह ऊटी जैसे ठंडे पहाड़ी क्षेत्र हों या क्योटो जैसे सांस्कृतिक स्थान, गर्मियों की यात्रा उन यात्राओं की इच्छा को दर्शाती है जो व्यक्तिगत रूप से सार्थक लगती हैं।

घरेलू यात्रा: एक विविध मिश्रण इस गर्मी को परिभाषित करता है।

पृथ्वी दिवस पर दीया मिर्जा ने की खास पोस्ट, बेटे को सिखा रही हैं धरती और प्रकृति का सम्मान

मुंबई। भारतीय फिल्म इंडस्ट्री की जानी-मानी अभिनेत्री दीया मिर्जा लंबे समय से पर्यावरण से जुड़े मुद्दों पर लोगों को जागरुक करती आ रही हैं। इस कड़ी में पृथ्वी दिवस के मौके पर उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक ऐसा पोस्ट शेयर किया, जिसने लोगों का ध्यान खींचा। दीया ने बताया कि कैसे उन्होंने अपने बेटे अव्यान को प्रकृति, किसानों और खाना बनाने वालों के प्रति आभार जताना सिखाया है।

उन्होंने अपने पोस्ट की शुरुआत एक संस्कृत के श्लोक से की, जिसमें उन्होंने लिखा, 'माता भुमि पुत्रोहम पृथ्व्याम', जिसका अर्थ है कि पृथ्वी हमारी मां है और हम उसके बच्चे हैं। दीया ने आगे लिखा, 'अव्यान हर भोजन के बाद कहता है, 'थैंक यू मम्मा अर्थ, थैंक यू किसान और थैंक यू टू द पर्सन हू हैव हियर।' जब से अव्यान ने सॉलिड खाना शुरू किया था, तभी से उसे यह आदत डाली गई कि वह हर भोजन के बाद प्रकृति, किसानों और उस व्यक्ति का धन्यवाद करे जिसने खाना बनाया है। यह छोटी सी आदत अब हमारे घर में रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन चुकी है।

दीया मिर्जा ने आगे कहा, ''अब मेरा बेटा खुद को इस धरती का एक नागरिक मानने लगा है। वह समझता है कि जो खाना वह खाता है, जो पानी वह पीता है और जो जीवन वह जी रहा है, वह सब धरती मां की देन है। जब बच्चे छोटी उम्र से ही इस तरह की सोच के साथ बड़े होते हैं, तो वे न सिर्फ जिम्मेदार नागरिक बनते हैं बल्कि प्रकृति के प्रति ज्यादा संवेदनशील भी होते हैं। अपने पोस्ट में दीया मिर्जा ने कहा, 'हमें एक ऐसे सिस्टम की ओर बढ़ना चाहिए, जिसमें प्रकृति और धरती के स्वास्थ्य को सबसे पहले रखा जाए। पुराने समय में हमारे पूर्वज भी इसी तरह प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर जीवन जीते थे। अगर मिट्टी, मौसम और प्राकृतिक चक्र संतुलित रहेंगे, तो इंसानों की सेहत भी अपने आप ठीक रहेगी। उन्होंने कहा, ''बड़े बदलाव सिर्फ बड़े विचारों से नहीं आते बल्कि रोजमर्रा की छोटी-छोटी आदतों से आते हैं। जैसे कि हम क्या खाते हैं, कितना कचरा पैदा करते हैं और प्रकृति के नियमों का कितना सम्मान करते हैं। मेरी लोगों से अपील है कि हमें अपने जीवन में इन छोटी बातों पर ध्यान देना चाहिए, क्योंकि यही भविष्य को बेहतर बनाने की असली कुंजी है।'' अपने पोस्ट के आखिर में दीया मिर्जा ने कहा, ''जब हम धरती की देखभाल को प्राथमिकता देते हैं, तो असल में हम अपने और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य की रक्षा कर रहे होते हैं।

शादी की 55वीं सालगिरह पर राकेश रोशन ने साथ निभाने के लिए पत्नी पर लुटाया प्यार

मुंबई । बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता राकेश रोशन बुधवार को अपनी शादी की सालगिरह मना रहे हैं। इस खास अवसर पर उन्होंने पत्नी पिंकी रोशन के लिए सोशल मीडिया पर खास नोट लिखा।

अभिनेता ने अपने इंस्टाग्राम पर पिंकी के साथ तस्वीरें पोस्ट कीं। ये तस्वीरें पेरिस की हैं, जहां पर दोनों अपनी शादी की सालगिरह मनाते नजर आ रहे हैं। तस्वीरों में दोनों के बीच खास बॉन्ड देखने को मिल रहा है।

इस पोस्ट के जरिए राकेश ने बताया कि शादी के इन पांच दशकों का सफर आसान नहीं था। उन्होंने लिखा, 'हमने अपनी शादी के 55 साल संघर्ष करते हुए बिताए हैं और आज भी हम एफिल टावर से भी ज्यादा मजबूती से एक दूसरे के साथ खड़े हैं। हमें शादी की सालगिरह मुबारक।

राकेश की यह पोस्ट सभी को काफी पसंद आई। उनके बेटे और अभिनेता ऋतिक रोशन समेत कई फिल्मी सितारों ने इस जोड़े को शुभकामनाएं दीं। फैंस ने उनकी लंबी उम्र और अच्छे स्वास्थ्य की कामना करते हुए उन्हें 'पावर कपल' बताया। ऋतिक ने लिखा, 'मेरी दिल की धड़कनें।' रजत बेदी ने लिखा, 'आप दोनों को सालगिरह की अनंत बधाई।'

राकेश और पिंकी रोशन की यह जोड़ी आज की पीढ़ी के लिए एक मिसाल है। फिल्म इंडस्ट्री की चकाचौंध के बीच 55 सालों तक साथ निभाना उनके अटूट विश्वास और समर्पण को दर्शाता है।

राकेश और पिंकी की लव स्टोरी काफी कमाल की है। भले ही पिंकी बड़े पर्दे पर कभी नहीं आईं लेकिन वह एक ऐसे परिवार से ताल्लुक रखती हैं, जो सिनेमा में योगदान देता आ रहा था। दरअसल, पिंकी के पिता डायरेक्टर जेआर ओम प्रकाश थे और वे अपनी बेटी के साथ अक्सर रोशन फैमिली के घर जाया करते थे।

ऋतिक के पापा राकेश और मां पिंकी की पहली मुलाकात इन दोनों के पिता की वजह से हुई थी। राकेश ने 1967 में अपने पिता की मौत के बाद एक सहायक निर्देशक के रूप में काम करना शुरू किया। ये उसी समय की बात है जब पिंकी का परिवार उनके लिए परफेक्ट मैच की तलाश कर रहा था। पिंकी के पिता ने राकेश को उनका दूल्हा बनाने का फैसला किया। इसके बाद राकेश ने 1969-1970 में पिंकी से शादी कर ली। पिंकी ने 1972 में एक बेटी सुनैना रोशन और 1974 में बेटे ऋतिक रोशन को जन्म दिया।

'नीतीश कुमार की जगह लेना आसान नहीं', सीएम सम्राट चौधरी को लेकर आम्रपाली दुबे ने दी प्रतिक्रिया

पटना। भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री आम्रपाली दुबे ने राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों पर खुलकर अपनी राय रखी। उन्होंने महिला सशक्तीकरण, शिक्षा और बिहार के विकास को लेकर कई अहम बातें कही, जिनमें उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कार्यकाल की सराहना की। साथ ही उन्होंने नए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से भी उम्मीद जताई कि वे बिहार को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएंगे।

आम्रपाली दुबे ने कहा, 'नीतीश कुमार के कार्यकाल की चर्चा सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में होती है। उन्होंने खासतौर पर महिला शिक्षा और सशक्तीकरण के लिए कई कदम उठाए, जिन पर हमें गर्व है।

इसके बाद उन्होंने बिहार की राजनीति पर बात करते हुए नीतीश कुमार के कामकाज की सराहना की। उन्होंने कहा, ''नीतीश कुमार ने लंबे समय तक बिहार की बागडोर संभाली और कई बड़े बदलाव किए। अब जब नए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को जिम्मेदारी मिली है, तो उन पर बड़ी चुनौती है। नीतीश कुमार की जगह लेना आसान नहीं है क्योंकि उन्होंने बिहार के विकास में बड़ा योगदान दिया है।आम्रपाली दुबे ने कहा, ''मुझे उम्मीद है कि सम्राट चौधरी अपनी जिम्मेदारी को अच्छे से निभाएंगे और बिहार को आगे ले जाएंगे। नीतीश कुमार ने भले ही मुख्यमंत्री पद छोड़ा हो, लेकिन उनका मार्गदर्शन आगे भी रहेगा।

टीवी अभिनेता विपुल रॉय के घर में 7.10 लाख की चोरी, नौकरानी पर शक

मुंबई। टीवी अभिनेता विपुल रॉय के घर में लाखों रुपये की चोरी का मामला सामने आया है। अभिनेता ने आरोप लगाया है कि ऑनलाइन सर्विस एक कंपनी के जरिए घर में काम करने के लिए बुलाई गई नौकरानी ने उनके फ्लैट से 7.10 लाख रुपये की नकदी और ज्वेलरी चोरी कर ली। शिकायत के आधार पर खार पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, विपुल रॉय अपने परिवार के साथ खार पश्चिम स्थित एसवी रोड पर कलानिकेतन बिल्डिंग के 10वें मंजिल पर रहते हैं। घरेलू कामकाज के लिए वह समय-समय पर एक कंपनी ऐप के जरिए हेल्पर बुलाते थे। अभिनेता ने पुलिस को बताया कि 6 अप्रैल 2026 को उन्होंने दीपाली संजय खारवा नाम की महिला को घर की सफाई और अन्य काम के लिए बुलाया था। यह महिला इससे पहले भी चार बार उनके घर काम करने आ चुकी थी, इसलिए उसे घर के कमरों, अलमारी और परिवार की दिनचर्या की जानकारी थी।

6 अप्रैल की सुबह करीब 9:45 बजे महिला काम करने पहुंची। सफाई के दौरान उसने से कहा कि गीले पैरों के साथ कमरे में न आएं, क्योंकि वह अंदर सफाई कर रही है। इसके बाद उसने कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर लिया। करीब 15 मिनट बाद वह बाहर आई और काम खत्म होने की बात कहकर चली गई। अगले दिन जब किसी काम से बाहर जाने के लिए अलमारी खोला तो नकदी और ज्वेलरी गायब मिली। इसके बाद उन्हें शक हुआ कि चोरी घर में काम करने आई महिला ने की है। चोरी गए सामान में 30 नोट 100 अमेरिकी डॉलर की, 7000 यूएई दिरहम, 14,500 थाई बाट, एक सिल्वर ब्रेसलेट और गोल्ड-डायमंड की दो अंगूठियां शामिल हैं। कुल कीमत करीब 7.10 लाख रुपये बताई गई है।

खार पुलिस ने आरोपी महिला के खिलाफ 21 अप्रैल 2026 को चोरी का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज, ऑनलाइन बुकिंग डिटेल्स और आरोपी की लोकेशन के आधार पर जांच कर रही है।बता दें कि अभिनेता रॉय ने सबसे पहले रियलिटी शो 'इंडियाज़ बेस्ट सिनेस्टार्स की खोज' के पहले सीजन में एक कंटेस्टेंट के तौर पर देखा गया था।

लाल जोड़े में सजीं यामिनी सिंह, आम्रपाली दुबे ने दी शादी की बधाई

मुंबई । भोजपुरी सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री यामिनी सिंह अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। लंबे समय से अपनी एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीतने वाली अभिनेत्री यामिनी अब शादी के बंधन में बंध चुकी हैं। भोजपुरी इंडस्ट्री से उन्हें ढ़ेरों बधाइयां मिल रही हैं।

इसी बीच भोजपुरी अभिनेत्री आम्रपाली दुबे ने भी खास अंदाज में इंस्टाग्राम के जरिए यामिनी को शुभकामनाएं दीं। आम्रपाली ने बुधवार को स्टोरीज सेक्शन पर शादी की तस्वीर पोस्ट की। इसमें यामिनी बेहद खूबसूरत दुल्हन के रूप में नजर आ रही हैं। उन्होंने पारंपरिक लाल जोड़ा पहना हुआ है और उनके चेहरे की खुशी यह साफ बयां कर रही है कि वह अपनी जिंदगी के इस नए चैप्टर को लेकर कितनी उत्साहित हैं।

आम्रपाली ने लिखा, 'यामिनी आपको शादी बहुत बहुत बधाई। आप दुनिया की सबसे खूबसूरत और खुशहाल दुल्हन लग रही हैं। आप दोनों को नई शुरुआत के लिए ढ़ेर सारी शुभकामनाएं और आशीर्वाद। भगवान करे आपका जीवन सदैव प्यार, खुशियों और एक दूसरे के साथ से हमेशा भरा रहे।

बता दें कि अभिनेत्री ने शादी के बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की थी और न ही अभी तक उनकी शादी की डेट सामने आई है। हालांकि, कुछ दिनों से जयमाला के दौरान की शादी की कुछ तस्वीरें जब वायरल होने लगीं, तो उसके बाद इंडस्ट्री और अभिनेत्री के फैंस ने बधाई देना शुरू किया था।

यामिनी ने अपने करियर में कई भोजपुरी फिल्मों और गानों में मुख्य भूमिका अदा की है।

इंजीनियरिंग की पढ़ाई के दौरान ही उन्होंने फैशन डिजाइनिंग और मॉडलिंग प्रोजेक्ट्स में काम करना शुरू किया था। इसके बाद साल 2019 में उन्हें भोजपुरी फिल्म 'पत्थर के सनम' में अरविंद अकेला कल्लू के साथ डेब्यू करने का मौका मिला। पहली फिल्म से अभिनेत्री को दर्शकों की तरफ से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके बाद उन्होंने इसी क्षेत्र में आगे जारी करने के बारे में सोचा।

इसके बाद अभिनेत्री ने दिनेश लाल यादव निरहुआ के साथ 'लल्लू की लैला' में काम किया, जो सफल रही और उनकी लोकप्रियता और बढ़ गई।

कम समय में ही यामिनी भोजपुरी इंडस्ट्री की उभरती हुई एक्ट्रेस में अपनी मजबूत पहचान बना रही हैं।

नेहा धूपिया का खुलासा: यशराज स्टूडियो में शूटिंग के दौरान शुरू हो गया था लेबर पेन

मुंबई । फिल्म इंडस्ट्री में अभिनेत्रियों के लिए मां बनना सिर्फ एक निजी अनुभव नहीं होता, बल्कि इसके साथ कई जिम्मेदारियां और चुनौतियां भी जुड़ी होती हैं। खासकर तब, जब करियर और परिवार दोनों को साथ लेकर चलना हो। इसी कड़ी में नेहा धूपिया ने अपनी प्रेग्नेंसी के दौरान काम को लेकर अपने अनुभव को साझा किया है।

दरअसल, हाल ही में नेहा धूपिया, परिणीति चोपड़ा के नए टॉक शो 'मॉम टॉक्स' में नजर आईं। इस शो में सेलेब्स अपने पेरेंटिंग अनुभव साझा करते हैं। शो के दौरान नेहा ने अपनी प्रेग्नेंसी के समय का एक ऐसा अनुभव बताया, जिसने सभी को हैरान कर दिया। उन्होंने बताया कि वे अपने काम को लेकर इतनी समर्पित थीं कि प्रेग्नेंसी के आखिरी समय तक काम करती रहीं।

नेहा धूपिया ने कहा, ''मैंने करीब साढ़े आठ महीने की प्रेग्नेंसी तक काम किया। मैं चाहती थी कि मां बनने के बाद भी मेरा काम जारी रहे और मैं जल्द ही अपने प्रोफेशन में वापस लौट सकूं। मुझे शूटिंग के दौरान ही लेबर पेन शुरू हो गए थे। यह सब यशराज स्टूडियो में हुआ, जहां मैं काम कर रही थी। यह अनुभव मेरे लिए काफी अलग और यादगार रहा।

शो में नेहा धूपिया ने कहा, ''एक कामकाजी मां के लिए सबसे बड़ी चुनौती समाज की उम्मीदें होती हैं। मां बनने के बाद भी एक महिला को अपने सपनों और काम को जारी रखने का पूरा अधिकार है। मां बनने के बाद जिंदगी पूरी तरह बदल जानी चाहिए, ऐसा जरूरी नहीं है। महिलाओं को खुद तय करना चाहिए कि वे अपनी जिंदगी कैसे जीना चाहती हैं। नेहा ने कहा, 'मां बनने के बाद काम और परिवार के बीच संतुलन बनाना आसान नहीं होता, लेकिन अगर इच्छाशक्ति मजबूत हो, तो यह संभव है।

ईरान-अमेरिका तनाव की वजह से आर्थिक संघर्षों को सुलझाने में अफ्रीकी देशों की मदद करने को तैयार चीन

नई दिल्ली। ईरान और अमेरिका में भीषण तनाव के बीच चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने मोजाम्बिक के राष्ट्रपति डेनियल चैपो की मेजबानी की। इस दौरान राष्ट्रपति शी ने कहा कि अमेरिका-इजरायल के साथ ईरान के बीच चल रहे भीषण तनाव की वजह से जो आर्थिक उथल-पुथल मची है, उससे निपटने में चीन अफ्रीकी देशों की मदद करने के लिए तैयार है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, ईरान और अमेरिका के बीच तनाव शुरू होने के बाद किसी अफ्रीकी नेता का पहला दौरा है। मई में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चीन के दौरे पर जाने वाले हैं। ऐसे में अमेरिकी मीडिया सीएनएन का दावा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दौरे से पहले शी जिनपिंग विदेशी नेताओं के साथ लगातार मीटिंग कर रहे हैं। यह मीटिंग ऐसे समय में हो रही है, जब ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने चीन पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें अफ्रीकी देश इस्वातिनी का अपना दौरा रद्द करना पड़ा, क्योंकि आसपास के कई देश चीन के दबाव में ओवरफ्लाइट क्लीयरेंस रद्द कर रहे थे। अफ्रीकी देश फ्यूल, खाने और फर्टिलाइजर के इंपोर्ट पर बहुत ज्यादा निर्भर हैं। ऐसे में होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने की वजह से अफ्रीकी देश पर वैश्विक आर्थिक संकट का असर ज्यादा होने की उम्मीद है। शी ने मंगलवार को चैपो के साथ मीटिंग में कहा, 'ग्लोबल साउथ, जिसका रिप्रेजेंटेशन चीन और अफ्रीका करते हैं, उथल-पुथल वाली दुनिया में लगातार न्याय के लिए एक ताकत रहा है।' शी ने अफ्रीकी देशों पर ईरान और अमेरिका के बीच जारी तनाव के असर को माना और वादा किया कि चीन इन चुनौतियों से निपटने, शांति को बढ़ावा देने और साथ मिलकर विकास करने के लिए अफ्रीकी देशों के साथ मिलकर काम करने को तैयार है। बीजिंग ने फरवरी में घोषणा की थी कि वह व्यापार संबंधों को बढ़ाने के लिए 1 मई से 53 अफ्रीकी देशों से सभी इम्पोर्ट के लिए जीरो-टैरिफ स्कीम लागू करेगा। चीन की इस स्कीम से एकमात्र अफ्रीकी देश इस्वातिनी बाहर रखा गया। इस्वातिनी एक लैंडलॉक्ड देश है और इसका ताइवान के साथ डिप्लोमैटिक संबंध है, लेकिन चीन के साथ नहीं है। दरअसल, चीन की पूरी नजर ताइवान पर है और वह लगातार इस बात को दोहराता रहा है कि आज नहीं तो कल इसे बीजिंग में शामिल होना होगा। हालांकि, ताइवान हमेशा से इस बात का विरोध करता रहा है। लैंडलॉक्ड देश (भू-आबद्ध) ऐसे संप्रभु राष्ट्र को कहा जाता है, जो चारों तरफ से जमीन से घिरे होते हैं और जिनकी सीमा किसी खुले महासागर या समुद्र से नहीं लगती है। ताइवान ने मंगलवार को कहा कि लाई का विदेश दौरा कैंसिल कर दिया गया है क्योंकि सेशेल्स, मेडागास्कर और मॉरिशस ने लाई की फ्लाइट को अपने एयर स्पेस से गुजरने की मंजूरी वापस ले ली है।

ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन ने पहलगाम हमले के पीड़ितों को दी श्रद्धांजलि, भारत के साथ दिखाई एकजुटता

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में टूरिस्टों पर हुए आतंकी हमले की पहली बरसी पर डिप्लोमैटिक मिशन और विदेशी दूतों ने पीड़ितों को याद किया और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ एकजुटता दिखाई।

भारत के पहलगाम में हुए खतरनाक आतंकी हमले का एक साल पूरा होने वाला है। इस हमले में पाकिस्तान के समर्थन वाले आतंकवादियों ने 26 निर्दोष टूरिस्टों को उनका धर्म पूछकर गोली मार दी थी। यह हाल के सालों में आम लोगों को निशाना बनाकर की गई सबसे क्रूर घटनाओं में से एक थी।

भारत में ऑस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त फिलिप ग्रीन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, 'एक साल बाद, हम अपने भारतीय दोस्तों और साथियों के साथ पहलगाम में हुए भयानक आतंकी हमले में मारे गए बेगुनाह लोगों को याद करते हैं। हम पीड़ितों और उनके परिवारों को सम्मान देते हैं जो आज भी दुख मना रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया हर तरह के आतंकवाद के खिलाफ खड़ा है।'

भारत में ब्रिटिश उच्चायोग ने हर तरह के आतंकवाद की निंदा की और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के जरिए शांति और सुरक्षा के लिए ब्रिटेन की प्रतिबद्धता को दोहराया। उच्चायोग ने एक्स पर पोस्ट किया, 'आज, पहलगाम में हुए भयानक आतंकवादी हमले को एक साल हो गया है। हम पीड़ितों को श्रद्धांजलि देते हैं और हमारी संवेदनाएं हर उस व्यक्ति के साथ हैं जो इस हमले में प्रभावित हुआ है। ब्रिटेन हर तरह के आतंकवाद की निंदा करता है। हम शांति और सुरक्षा पक्का करने के लिए साझेदारों के साथ काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।' इस बीच, फ्रांस ने भारत के साथ एकजुटता दिखाई और आतंकवाद के खिलाफ ग्लोबल लड़ाई में अपने इरादे को दोहराया।

नेपाल के गृह मंत्री सुदान गुरुंग ने अपने पद से दिया इस्तीफा, संपत्ति रखने व मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप

काठमांडू। नेपाल के गृह मंत्री सुदान गुरुंग ने बुधवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। बिजनेसमैन दीपक भट्टा के साथ कथित कनेक्शन के मामले को लेकर जारी विवाद के बीच गुरुंग ने गृह मंत्री के पद से इस्तीफा दिया है। नेपाली मीडिया के अनुसार, दीपक भट्टा के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग के मामलों में जांच चल रही है। नेपाल में बालेंद्र शाह की सरकार बनने के बाद से गुरुंग काफी चर्चा में रहे। बालेंद्र शाह की सरकार बनने के बाद यह दूसरे मंत्री का इस्तीफा है।

इससे पहले श्रमिक मंत्री कुमार शाह को अनुशासनहीनता के आरोप में हटा दिया गया था। नेपाल में 5 मार्च को हुए चुनाव के बाद 8 मार्च को चुनाव के परिणाम घोषित हुए, जिसके बाद 27 मार्च को बालेंद्र शाह ने बतौर पीएम शपथ ग्रहण किया। महीनेभर के अंदर ही नेपाल की सियासत में भूचाल देखने को मिल रहा है। गुरुंग ने सोशल मीडिया के जरिए अपने इस्तीफे की घोषणा की। उन्होंने फेसबुक पर लिखा, 'मुझसे जुड़े मामलों की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने और पद पर रहते हुए किसी भी तरह के हितों के टकराव या प्रक्रिया पर किसी भी तरह के असर से बचने के लिए, मैंने आज से गृह मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया है।' नेपाली भाषा में किए गए फेसबुक पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'मैं सुदान गुरुंग 2082 चैत्र 13 से गृहमंत्री की जिम्मेदारी पर ईमानदारी से काम कर रहा हूं। हाल के दिनों में नागरिक स्तर से उठाए गए सवालों, टिप्पणियों और हितों को मैंने गंभीरता से लिया है जिसमें मेरे हिस्से भी शामिल हैं। मेरे लिए पद से बड़ी नैतिकता है और लोक आस्था से बड़ी कोई शक्ति नहीं है। देश में सुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही की मांग करने वाले जनरल जेड आंदोलन ने भी यही संदेश दिया है। जन जीवन स्वच्छ हो, नेतृत्व जिम्मेदार हो। मेरे 46 भाई-बहनों के खून और बलिदान की आड़ में बनी सरकार पर कोई सवाल करे तो जवाब नैतिकता है।'

उन्होंने आगे कहा, 'इसलिए मैंने गृह मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है जो आज से लागू होगा जिससे मुझसे संबंधित विषयों पर निष्पक्ष जांच हो और पद के रहते हितों का टकराव दिखाई नहीं देता और इससे कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। मैंने अपनी ओर से नैतिक जिम्मेदारी ली है। अब मेरी अपील है, प्रिय संचारकर्मी मित्रों, आम नेपाली भाइयों, बहनों और युवाओं, अगर हम वास्तव में बदलाव चाहते हैं तो हम सभी को सच्चाई, ईमानदारी और आत्मशुद्धता के मार्ग पर खड़ा होना चाहिए।

बांग्लादेश में कार्टून शेयर करने पर गिरफ्तारी, अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन ने सरकार से की निष्पक्ष समीक्षा की अपील

बर्लिन। बांग्लादेश में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक व्यंग वाला कार्टून शेयर करने के आरोप में एक व्यक्ति की गिरफ्तारी पर एक बड़े अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन ने गहरी चिंता जताई है। जर्मनी स्थित अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन (आईएसएचआर) ने कहा कि इस घटना ने एक बार फिर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, नागरिक स्वतंत्रताओं और कानून के शासन से जुड़े महत्वपूर्ण सवालों को सामने ला दिया है। ये ऐसे मुद्दे हैं जो किसी भी लोकतांत्रिक समाज के लिए बुनियादी महत्व रखते हैं।

आईएसएचआर ने बांग्लादेश की कानून प्रवर्तन एजेंसियों से अपील की है कि गिरफ्तारियां और कानूनी कार्रवाई स्पष्ट साक्ष्य, प्रासंगिकता और अनुपातिकता के आधार पर होनी चाहिए। संगठन ने चेतावनी दी कि पर्याप्त औचित्य के बिना कड़े कानूनी प्रावधानों का इस्तेमाल नागरिक स्वतंत्रताओं का उल्लंघन कर सकता है और कानूनी व्यवस्था पर जनता के भरोसे को कमजोर कर सकता है।

आईएसएचआर ने बांग्लादेश सरकार से इस मामले की निष्पक्ष समीक्षा करने की अपील की है और कहा है कि यदि आरोपों में पर्याप्त आधार नहीं है, तो संबंधित व्यक्ति को तुरंत रिहा किया जाए। इसके अतिरिक्त संगठन ने साइबर प्रोटेक्शन ऑर्डिनेंस, 2025 के विवादास्पद प्रावधानों की पुन: समीक्षा करने का आग्रह किया, ताकि उन्हें अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार मानकों के अनुरूप बनाया जा सके। मानवाधिकार संगठन ने कहा, 'इस घटना ने एक बार फिर बोलने की आजादी, नागरिक आजादी और कानून के राज से जुड़े जरूरी सवालों को सामने ला दिया है। ये मुद्दे किसी भी लोकतांत्रिक समाज के लिए जरूरी हैं।' मौजूदा जानकारी का हवाला देते हुए संस्था ने कहा कि उस व्यक्ति को बांग्लादेश के साइबर प्रोटेक्शन ऑर्डिनेंस, 2025 के तहत गिरफ्तार किया गया था, जिसमें आरोप एक राजनीतिक टिप्पणी के जवाब में बनाए गए एक व्यंगात्मक कार्टून पर केंद्रित थे। इसे बाद में सोशल मीडिया पर शेयर किया गया था। आईएसएचआर ने कहा, 'यह ध्यान रखना जरूरी है कि व्यंग और राजनीतिक कार्टून को लोकतांत्रिक समाजों में लंबे समय से बोलने के सही तरीकों के तौर पर मान्यता दी गई है। इसलिए ऐसे कंटेंट के लिए किसी व्यक्ति को गिरफ्तार करना बोलने की आजादी के बुनियादी अधिकार के खिलाफ हो सकता है।'

ईरानी शिक्षा मंत्री का दावा, '1,300 में से आधे से अधिक स्कूलों की मरम्मत पूरी'

तेहरान। अमेरिका-इजरायल एयर स्ट्राइक के बाद 40 दिन तक चले संघर्ष में ईरान की कई इमारतों और बुनियादी ढांचों को नुकसान पहुंचा। कई शैक्षिक संस्थान तबाह हो गए। इस बीच ईरान में शिक्षा व्यवस्था को बहाल करने की कोशिशें तेज हो गई हैं। शिक्षा मंत्री अलीरेजा काजेमी ने कहा है कि संघर्ष के दौरान क्षतिग्रस्त हुए 1,300 स्कूलों में से 775 की मरम्मत अब तक पूरी कर ली गई है।

ईरानी न्यूज एजेंसी आईआरएनए के मुताबिक, शिक्षा मंत्री ने बताया कि करीब 20 स्कूल पूरी तरह नष्ट हो गए थे, जबकि सबसे अधिक नुकसान तेहरान, केरमानशाह, इस्फहान और होर्मोजगान प्रांतों में हुआ। उन्होंने कहा कि बुरी तरह से क्षतिग्रस्त स्कूलों की मरम्मत अक्टूबर तक पूरी होने की उम्मीद है।

काजेमी ने यह भी बताया कि हमलों के बावजूद देश में शैक्षिक गतिविधियां जारी रहीं। कई स्थानों पर कक्षाएं ऑफलाइन चलाई गईं, जबकि अन्य जगहों पर ऑनलाइन माध्यम अपनाया गया, जिसमें इरानियन टेलीविजन स्कूल की महत्वपूर्ण भूमिका रही। छात्रों और शिक्षकों के मानसिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए काउंसलिंग सेवाएं भी उपलब्ध कराई गईं। इसके साथ ही स्कूलों में उन 170 लोगों की याद में कार्यक्रम आयोजित किए गए, जो मिनाब स्थित शजराह तैयबा प्राइमरी स्कूल पर हुए मिसाइल हमले में मारे गए थे। इनमें अधिकांश छात्राएं और शिक्षक थे। अमेरिका-इजरायल की संयुक्त कार्रवाई के पहले दिन (28 फरवरी) ही प्राइमरी स्कूल पर हमला हुआ। हमले का शिकार हुई बच्चियों की उम्र 7 से 12 बरस के बीच की बताई गई थी।

ईरान सरकार का कहना है कि शिक्षा व्यवस्था को सामान्य बनाए रखना उसकी प्राथमिकता है, ताकि युद्ध के असर को कम किया जा सके और छात्रों की पढ़ाई बाधित न हो।

पीएम मेलोनी पर रूसी टीवी एंकर ने दिया विवादित बयान इटली के विदेश मंत्रालय ने रूसी राजदूत को किया तलब

नई दिल्ली। रूस के एक टीवी एंकर ने इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी को लेकर अपमानजनक शब्द कहे। इसके बाद इटली के विदेश मंत्री एंटोनियो तजानी ने जानकारी दी है कि इटली ने रोम में रूस के राजदूत को तलब किया है।

इटली की मीडिया के मुताबिक, टीवी एंकर व्लादिमीर सोलोविओव ने रूसी टेलीविजन पर इटैलियन भाषा में कहा कि मेलोनी इंसानियत के लिए शर्म की बात, जंगली जानवर, सर्टिफाइड बेवकूफ और एक गंदी छोटी औरत हैं।

एंकर ने रूसी भाषा में कहा कि 'यह मेलोनी एक फासीवादी है जिसने अपने वोटरों को धोखा दिया। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भी धोखा दिया।'

तजानी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया कि उन्होंने रूसी राजदूत, एलेक्सी पैरामोनोव को विदेश मंत्रालय में बुलाया था ताकि टीवी होस्ट व्लादिमीर सोलोविओव द्वारा रूसी टेलीविजन पर प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के खिलाफ की गई बहुत गंभीर और आपत्तिजनक टिप्पणियों का औपचारिक रूप से विरोध किया जा सके।

इटली में विपक्षी पार्टियों ने भी रूसी टीवी एंकर की टिप्पणियों की कड़ी आलोचना की है। हालांकि, इस मामले में पीएम मेलोनी ने भी एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया जाहिर की और कहा, 'ये मजाक हमें अपना रास्ता बदलने पर मजबूर नहीं करेंगे। हमारा रास्ता सिर्फ एक ही है: इटली का हित। और हम गर्व के साथ इसका पालन करते रहेंगे, जिससे दूर-दूर तक के प्रोपेगैंडा करने वाले नाराज हो जाएंगे।'

दरअसल, पीएम मेलोनी यूक्रेन के समर्थन में रही हैं।

इजरायली सेना हाई अलर्ट पर, हम लड़ने को तैयार : आईडीएफ चीफ

तेल अवीव/तेहरान। पश्चिम एशिया संकट का हल फिलहाल नहीं निकला है। अमेरिका के राष्ट्रपति ने 2 हफ्ते के अस्थायी संघर्ष विराम की मियाद को बढ़ा दिया है। ट्रंप ने बुधवार को इसका ऐलान किया कि ईरान की ओर से प्रस्ताव पेश किए जाने तक वो सीजफायर को आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने इसका क्रेडिट पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और फील्ड मार्शल आसिम मुनीर को दिया। इस सबके बीच आईडीएफ चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल इयाल जमीर ने अपनी सेना को किसी भी परिस्थिति में तैयार रहने को कहा है।

उन्होंने कहा कि ईरान और लेबनान में नाजुक युद्धविराम के बीच, सेना हाई अलर्ट पर है और सभी मोर्चों पर लड़ाई के लिए तैयार है।

बुधवार को राष्ट्रपति के घर पर इजरायली स्वतंत्रता दिवस समारोह में सम्मानित किए गए 120 बेहतरीन सैनिकों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, '7 अक्टूबर की आग के बाद से, हम लगातार लड़ाई के जरिए अपनी सैन्य ताकत को फिर से बढ़ाने का काम कर रहे हैं।'

उन्होंने कहा कि गाजा में, आईडीएफ 'हमास के खिलाफ लड़ाई में जीती — और इस कमांड को बनाए रखा: 'हमने किसी को नहीं बख्शा।''

सैनिकों का हौसला बढ़ाते हुए जमीर ने आगे कहा, 'इस समय, हम उत्तरी समुदायों की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए लेबनान में जोरदार लड़ाई लड़ रहे हैं।'

ओमान तट के पास कंटेनर जहाज पर फायरिंग, ईरान ने दिया कानून का हवाला

तेहरान/लंदन। ओमान के तट के पास एक कंटेनर जहाज पर कथित फायरिंग और हस्तक्षेप की घटना ने क्षेत्रीय समुद्री सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। ईरान की अर्ध-सरकारी तस्नीम न्यूज एजेंसी ने दावा किया है कि देश की सेना ने 'मेरीटाइम लॉ' के तहत कार्रवाई की। इस जहाज ने बार-बार दी गई चेतावनियों की अनदेखी की थी।

यह बयान ऐसे समय आया है जब यूके मेरीटाइम ट्रेड ऑपरेशन्स (यूकेएमटीओ) ने भी एक घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि उसे ओमान के उत्तर-पूर्व में लगभग 15 नॉटिकल मील (करीब 27-28 किमी) दूरी पर एक कंटेनर जहाज से जुड़ी घटना की सूचना मिली है। यूकेएमटीओ के अनुसार, जहाज के मास्टर ने रिपोर्ट दी कि एक इस्लामिक रेवोल्युशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की गनबोट ने जहाज के करीब आकर उस पर फायरिंग की। इस हमले में जहाज के ब्रिज (नियंत्रण कक्ष) को भारी नुकसान पहुंचा, हालांकि किसी तरह की आग या जनहानि की सूचना नहीं है। सभी चालक दल के सदस्य सुरक्षित बताए गए हैं। ईरानी मीडिया के मुताबिक, यह कार्रवाई उस जहाज के खिलाफ की गई, जिसने सैन्य चेतावनियों का पालन नहीं किया। हालांकि, इस दावे की स्वतंत्र पुष्टि अभी तक नहीं हो सकी है। अल जजीरा ने भी कहा है कि वह इस घटना की तुरंत पुष्टि नहीं कर सका। ओमान के आसपास का समुद्री क्षेत्र और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। हाल के महीनों में यहां सुरक्षा घटनाओं में वृद्धि देखी गई है, खासकर ईरान और पश्चिमी देशों के बीच बढ़ते तनाव के चलते। अमेरिकी नाकेबंदी के बीच मामला और तनावपूर्ण हो गया है। हाल ही में भारतीय झंडे वाले जहाजों पर भी गनबोट्स हमले किए गए थे।

मध्य प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्र में निर्माण के लिए अधिग्रहित जमीन पर मुआवजा चार गुना, कैबिनेट का फैसला

भोपाल। मध्य प्रदेश की मोहन यादव सरकार की कैबिनेट ने ग्रामीण क्षेत्रों में अधिग्रहित की जाने वाली जमीन की मुआवजा राशि में बड़ा बदलाव किया है। अब किसानों को मुआवजा चार गुना मिलेगा।

मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक की जानकारी देते हुए राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने मीडिया को बताया कि राज्य सरकार ने किसानों के हित में बड़ा फैसला लिया है। इसके लिए किसान और किसान संगठन लगातार मांग करते रहे हैं। इसके आधार पर सरकार ने भूमि अर्जन के नियम में बदलाव किया है। किसी भी सरकारी निर्माण कार्य या सार्वजनिक कार्य के लिए ग्रामीण क्षेत्र में जमीन अधिग्रहित की जाती है तो किसान अथवा ग्रामीण को इसके एवज में जो मुआवजा अब तक मिलता रहा है वह चार गुना होगा। केंद्र सरकार द्वारा तय किए गए नियम में राज्य सरकार को इसमें बदलाव करने का अधिकार दिया गया है। उसी के आधार पर सरकार ने फैसला किया है। कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए पटेल ने आगे बताया कि राज्य में निर्माण कार्यों के लिए 33 हजार करोड़ के कार्य स्वीकृत किए गए हैं। राज्य सरकार सिंचाई क्षेत्र को बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उसी क्रम में बड़ी राशि स्वीकृत की गई है। सिंचाई क्षेत्र को बढ़ाने का लक्ष्य किया गया है। दो लाख हेक्टेयर तक सिंचित करने की योजना है, और इस दिशा में कदम बढ़ाए जा रहे हैं। राज्य मंत्री पटेल ने राज्य सरकार द्वारा सिंचाई योजनाओं सहित विभिन्न निर्माण कार्यों के लिए स्वीकृत की गई राशि का विवरण भी दिया।

राज्य में शिक्षा के क्षेत्र में तय किया गया है कि पांच वर्षों के लिए कक्षा छठवीं और नवमी में अध्ययनरत छात्रों के लिए नि:शुल्क साइकिल परियोजना को आगे बढ़ाया है। इसी तरह चिकित्सा क्षेत्र में भी बेहतर सुविधाएं मुहैया कराने के लिए राज्य सरकार द्वारा राशि मंजूर की गई है।

आईआरएस अधिकारी की बेटी से दुष्कर्म के बाद की हत्या

नई दिल्ली। कैलाश हिल में बुधवार को आईआरएस अधिकारी की 22 वर्षीय बेटी की दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी गई। पूर्व घरेलू सहायक राहुल मीणा पर नौकरी से निकालने की रंजिश में वारदात का आरोप है। दक्षिणी दिल्ली के पॉश इलाके कैलाश हिल में बुधवार सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। इलाके में रहने वाले आईआरएस अधिकारी की 22 वर्षीय इकलौती बेटी की उनके पूर्व घरेलू सहायक ने दुष्कर्म के बाद बेरहमी से हत्या कर दी। इसने सबको झकझोर कर रख दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार, मृतका अपने माता-पिता के साथ अमर कॉलोनी थाना क्षेत्र के कैलाश हिल स्थित एक बिल्डिंग के तीसरे फ्लोर पर रहती थी। बुधवार सुबह करीब 6 बजे उसके माता-पिता रोजाना की तरह जिम के लिए घर से निकले थे। उस समय युवती घर पर अकेली थी। जब वह वापस लौटे तो उन्होंने अपनी बेटी को फर्श पर अचेत अवस्था में पड़ा पाया।

आनन-फानन उसे पास के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल प्रशासन द्वारा सूचना दिए जाने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। क्राइम टीम और फॉरेंसिक विशेषज्ञों ने घटनास्थल से अहम साक्ष्य जुटाए। पुलिस आरोपी की तलाश में कई ठिकानों पर छापेमारी कर रही है।

युवती के चेहरे व छाती को नोंचा

शुरुआती जांच में सामने आया है कि युवती के शरीर पर संघर्ष के निशान थे। उसके चेहरे और छाती पर गंभीर चोटें पाई गईं। पुलिस का मानना है कि आरोपी ने क्रूरता के साथ वारदात को अंजाम दिया। उसने मोबाइल चार्जर की केबल से गला घोंटकर हत्या की। उसने युवती के चेहरे व छाती को बुरी तरह नोच दिया। दरिंदगी की असली सच्चाई पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही सामने आएगी। पांच डॉक्टरों की मेडिकल टीम ने पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

संक्षिप्त खबर

कालेश्वरम आयोग : तेलंगाना हाईकोर्ट ने केसीआर के खिलाफ कार्रवाई करने से सरकार को रोका

हैदराबाद। हाईकोर्ट से तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव और पूर्व मंत्री टी. हरीश राव को बड़ी राहत मिली। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना के क्रियान्वयन में कथित अनियमितताओं की जांच करने वाले न्यायमूर्ति पीसी घोष आयोग की रिपोर्ट के आधार पर उनके और दो अन्य याचिकाकर्ताओं के खिलाफ कोई भी कार्रवाई करने से रोक दिया है। हाईकोर्ट ने पाया कि घोष आयोग ने जांच आयोग अधिनियम के तहत निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं किया।

मुख्य न्यायाधीश अपारेश कुमार सिंह और न्यायमूर्ति जीएम मोहिउद्दीन की पीठ ने बुधवार को भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव (केसीआर), सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी हरीश राव और पूर्व मुख्य सचिव एसके जोशी तथा सेवारत आईएएस अधिकारी स्मिता सभरवाल द्वारा रिपोर्ट को चुनौती देते हुए अलग-अलग दायर की गई रिट याचिकाओं के समूह पर आदेश सुनाया। याचिकाकर्ताओं ने आयोग की रिपोर्ट को रद्द करने और निरस्त करने का निर्देश देने की मांग की थी। याचिकाकर्ताओं ने आयोग के गठन को भी चुनौती दी थी, लेकिन अदालत ने माना कि आयोग का गठन करने का अधिकार सरकार के पास है। हालांकि, एक वकील ने बताया कि अदालत ने पाया कि आयोग के निष्कर्ष याचिकाकर्ताओं में से किसी के भी खिलाफ कार्रवाई का आधार नहीं बन सकते।

सुनवाई के दौरान, चारों याचिकाकर्ताओं के वकीलों ने आयोग के निष्कर्षों का खंडन किया और तर्क दिया कि उनके मुवक्किलों को जांच आयोग अधिनियम की धारा 8 बी और 8 सी के तहत अनिवार्य नोटिस नहीं दिए गए थे। याचिकाओं की दलील सुनने के बाद अदालत ने पिछले महीने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। फैसला 8 अप्रैल को सुनाया जाना था, लेकिन इसे 22 अप्रैल तक के लिए स्थगित कर दिया गया। पीठ ने सरकार को निर्देश दिया कि वह घोष आयोग की रिपोर्ट के निष्कर्षों के आधार पर चारों याचिकाकर्ताओं के खिलाफ कोई भी दंडात्मक कार्रवाई शुरू न करे। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील दामा शेषाद्री नायडू ने केसीआर की ओर से पैरवी की, जबकि एडवोकेट जनरल ए. सुदर्शन रेड्डी और वरिष्ठ वकील एस. निरंजन रेड्डी क्रमश: राज्य सरकार और घोष आयोग की ओर से पेश हुए। कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना (केएलआईएस), जिसे दुनिया की सबसे बड़ी बहु-स्तरीय लिफ्ट सिंचाई परियोजना कहा जाता है, को तत्कालीन बीआरएस सरकार द्वारा मई 2016 में शुरू किया गया था। इसके मुख्य घटक का उद्घाटन तत्कालीन मुख्यमंत्री केसीआर ने 2019 में किया था। मार्च 2024 में कांग्रेस सरकार ने कालेश्वरम परियोजना के मेडिगड्डा, अन्नाराम और सुंडिला बैराज की योजना, डिजाइन, निर्माण, गुणवत्ता नियंत्रण, संचालन और रखरखाव में कथित अनियमितताओं की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश पिनाकी चंद्र घोष की अध्यक्षता में एक आयोग का गठन किया। आयोग ने 31 जुलाई 2025 को तेलंगाना सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंपी। आयोग ने कालेश्वरम परियोजना की योजना, क्रियान्वयन, समापन, संचालन और रखरखाव में अनियमितताओं के लिए केसीआर को प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से जिम्मेदार ठहराया। इसने हरीश राव, तत्कालीन मुख्य सचिव जोशी और तत्कालीन मुख्यमंत्री सचिव स्मिता सभरवाल को भी दोषी पाया।

टीएमसी की पूर्व सांसद नुसरत जहां पूछताछ को ईडी के कोलकाता कार्यालय में पेश हुई

कोलकाता। अभिनेत्री से राजनेता बनी और पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले की बसीरहाट सीट से तृणमूल कांग्रेस की पूर्व लोकसभा सांसद नुसरत जहां बुधवार सुबह कोलकाता के बाहरी इलाके में सॉल्ट लेक स्थित प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के कार्यालय में पेश हुईं। नुसरत को राशन वितरण मामले के संबंध में पूछताछ के लिए बुलाया गया है।

नुसरत जहां अपने पार्टनर और को-एक्टर यश दासगुप्ता के साथ बुधवार सुबह 10.45 बजे सेंट्रल गवर्नमेंट ऑफिस कॉम्प्लेक्स में ईडी के दफ्तर पहुंचीं। वह अपने साथ कई ऐसे दस्तावेज लाई थीं, जिन्हें ईडी के जांच अधिकारियों ने उनसे लाने के लिए कहा था।

सूत्रों ने बताया कि शुरुआत में जहां ने एजेंसी के नई दिल्ली स्थित मुख्यालय में पेश होने की इजाजत मांगी थी क्योंकि बुधवार को उन्हें राष्ट्रीय राजधानी में रहना था। हालांकि, ईडी ने उनकी इस अर्जी को खारिज कर दिया, जिसके बाद आखिरकार बुधवार को वह ईडी के सॉल्ट लेक स्थित दफ्तर पहुंचीं। दरअसल, कोरोना के कारण लॉकडाउन के दौरान पश्चिम बंगाल के बसीरहाट के सीमावर्ती इलाकों में गेहूं और चावल की बांग्लादेश में तस्करी के आरोप में कई ट्रक जब्त किए गए थे। उस समय नुसरत बसीरहाट से सांसद थीं। सूत्रों के मुताबिक, कथित राशन तस्करी की जांच के दौरान कई नाम सामने आए हैं और अधिकारी उनसे बांग्लादेश में गेहूं की तस्करी के मामले में पूछताछ करना चाहते हैं। इससे पहले 2023 में भी ईडी ने सीजीओ कॉम्प्लेक्स में एक फ्लैट धोखाधड़ी मामले के सिलसिले में नुसरत से करीब छह घंटे तक पूछताछ की थी। भाजपा नेता शंकुदेव पांडा ने अभिनेत्री पर इस कथित धोखाधड़ी में शामिल होने का आरोप लगाया था और ईडी में इसकी शिकायत दर्ज कराई थी। 2014-15 में एक कंपनी ने 400 से अधिक बुजुर्गों से 1,000 वर्ग फीट के फ्लैट देने का वादा करके हर किसी से 5.5 लाख रुपये जमा कराए थे। हालांकि, न तो फ्लैट दिए गए और न ही पैसे वापस किए गए। नुसरत उस कंपनी में डायरेक्टर थीं। हालांकि, उन्होंने इन सभी आरोपों से इनकार किया है। इससे पहले 28 जनवरी को जस्टिस नवीन चावला और जस्टिस रविंदर डुडेजा की बेंच ने एनआईए को यासीन मलिक के विस्तृत जवाब पर अपना जवाब दाखिल करने के लिए चार हफ्ते का समय दिया था।

महिला आरक्षण पर बसपा का स्टैंड साफ, संगठन मजबूती और 2027 चुनाव की तैयारी पर फोकस : मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने महिला आरक्षण जैसे मुद्दे पर अपना रुख़ स्पष्ट रखते हुए कार्यकर्ताओं को किसी भी तरह के भ्रम से बचने की सख़्त हिदायत दी है। पार्टी नेतृत्व ने साफ किया है कि 15 अप्रैल 2026 को तय किया गया स्टैंड अब भी कायम है, जबकि साथ ही संगठन को मजबूत करने, जनाधार बढ़ाने और आगामी यूपी विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारी में पूरी ताकत झोंकने के निर्देश दिए गए हैं। बसपा मुखिया मायावती ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि उत्तर प्रदेश स्टेट के बीएसपी के सभी जिला अध्यक्ष एवं छोटे-बड़े पदाधिकारी व कार्यकर्तागण, आज मैं पार्टी के कार्यों से दिल्ली जा रही हूं और कार्य पूरा होते ही जल्दी वापस भी आ जाऊंगी। इस दौरान पार्टी की पिछले महीने 31 मार्च को लखनऊ में हुई यूपी प्रदेश स्तरीय बड़ी बैठक में पार्टी संगठन को तैयार करने व कैडर आदि के जरिए पार्टी का जनाधार बढ़ाने एवं आर्थिक मजबूती देने तथा यूपी विधानसभा आम चुनाव की तैयारी से संबंधित जो भी जरूरी दिशा-निर्देश दिए गए थे, उस पर पूरी ईमानदारी व निष्ठा से अमल करते रहना है। उन्होंने आगे लिखा कि बैठकों में यूपी में बीएसपी के नेतृत्व में रही सरकार में प्रदेश के विकास व जनहित आदि में किए गए कार्यों के बारे में जरूर बताना है। बैठकों में यह भी बताना है कि यूपी में अब तक जितने भी एक्सप्रेस-वे आदि बने हैं तथा नोएडा में एयरपोर्ट भी बना है, ऐसे अनेकों और भी जनहित के कार्य किए गए हैं, जिनकी योजना व रुपरेखा बीएसपी की रही सरकार में ही बनाई गई थी, और ये सभी कार्य काफी हद तक जरूर पूरे हो जाते यदि उस समय केन्द्र की रही कांग्रेसी सरकार बीएसपी के प्रति अपनी जातिवादी मानसिकता के चलते इनमें रुकावटें पैदा नहीं करती।

2006 मालेगांव ब्लास्ट केस: बॉम्बे हाईकोर्ट का बड़ा फैसला, चार आरोपी हुए बरी

मुंबई। 2006 के मालेगांव ब्लास्ट केस में बॉम्बे हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला दिया है। अदालत ने बुधवार को चार आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने वाले आदेश को रद्द कर करते हुए उन्हें बरी कर दिया। मालेगांव में इन धमाकों में 37 लोगों की जान चली गई थी।

हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस चंद्रशेखर और जस्टिस श्याम चांदक की डिवीजन बेंच ने आरोपियों की ओर से एक स्पेशल कोर्ट के सितंबर 2025 के उस आदेश के खिलाफ दायर अपीलों पर यह फैसला सुनाया, जिसमें उनके खिलाफ आरोप तय किए गए थे। इस अपील में ट्रायल कोर्ट की ओर से आरोप तय करने के तरीके और मामले में कई सह-आरोपियों को बरी किए जाने पर भी सवाल उठाए गए थे।

फिलहाल, हाईकोर्ट ने जिन चार आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने वाले आदेश को रद्द किया है, उनमें राजेंद्र चौधरी, धन सिंह, मनोहर राम सिंह नरवारिया और लोकेश शर्मा शामिल हैं। हाईकोर्ट के आज के फैसले से इन आरोपियों के खिलाफ मामला बंद हो गया और उनके खिलाफ चल रहा ट्रायल भी खत्म हो गया।बेंच ने इससे पहले अपील दायर करने में हुई 49 दिन की देरी को माफ कर दिया था, यह देखते हुए कि यह चुनौती राष्ट्रीय जांच एजेंसी अधिनियम (NIA Act) की धारा 21 के तहत एक वैधानिक अपील थी।

मालेगांव मामला 8 सितंबर 2006 का है, जब इस शहर में हुए सिलसिलेवार धमाकों के बाद अज्ञात लोगों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता, गैर-कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम और अन्य कानूनों के तहत मामला दर्ज किया गया था। जांच सबसे पहले महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने की थी, जिसने 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया और दिसंबर 2006 में चार्जशीट दायर की। इसके बाद फरवरी 2007 में जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दी गई और बाद में एनआईए ने इसे अपने हाथ में ले लिया।

ऊधमपुर पुलिस ने बारामूला के कथित ड्रग तस्कर की 45 लाख की संपत्ति ज़ब्त की

ऊधमपुर। ऊधमपुर पुलिस ने 'नशामुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान' के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए बारामूला के एक कथित ड्रग तस्कर की लगभग 45 लाख रुपये की संपत्ति ज़ब्त कर ली है। पुलिस की इस कार्रवाई को नशे के कारोबार पर सख्त प्रहार के रूप में देखा जा रहा है। पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान मोहम्मद रुस्तम शाह के रूप में हुई है, जो बारामूला के हमदानिया कॉलोनी, नाडीहाल का निवासी है। यह कार्रवाई एनडीपीएस एक्ट की धारा 68-एफ के तहत की गई है। यह मामला पुलिस स्टेशन रिहंबल में दर्ज एफआईआर से जुड़ा हुआ है, जिसमें आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8, 21 और 22 के तहत केस दर्ज किया गया था। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि आरोपी ने अवैध नशीले पदार्थों के कारोबार से कमाए गए पैसों से संपत्ति अर्जित की है। बताया गया कि उसने अपनी पत्नी शनाज़ा अख्तर के नाम पर एक रिहायशी मकान और एक कार खरीदी थी। यह मकान हमदानिया कॉलोनी, नाडीहाल में स्थित है, जबकि कार भी है।

पहलगाम हमले के दर्द को बड़े पर्दे पर दिखाएंगी यह फिल्में, करना होगा थोड़ा इंतजार

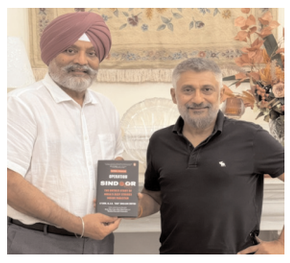

मुंबई। आज का दिन देश के लिए भूल पाना मुश्किल है क्योंकि 22 अप्रैल 2025 वही काला दिन है, जिस दिन भारत में वादियों में सुकून के पल बिताने आए सैलानियों को पाकिस्तानी आतंकवादियों ने धर्म पूछकर मार डाला था।

पहलगाम हमले ने पूरे देश को झकझोर रख दिया था और बॉलीवुड सितारे भी विरोध पर उतर आए थे। हर किसी ने घटना को निंदनीय बताया था। इसी दर्दनाक घटना और ऑपरेशन सिंदूर को लेकर बड़े पर्दे पर कई फिल्म और सीरीज की अनाउंसमेंट हो चुकी है, जिनको देखने के लिए दर्शकों को थोड़ा और इंतजार करना होगा।

'पहल: ए नेशन यूनाइट्स' नाम की सीरीज जल्द ही दर्शकों को देखने को मिलेगी। सीरीज की अनाउंसमेंट 15 अगस्त 2025 को हुई थी और फिल्म की पहली झलक भी सामने आ चुकी है। सीरीज पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में 7 मई 2025 को हुए ऑपरेशन सिंदूर पर आधारित है। सीरीज का टीज़र भी साझा किया गया था जिसमें एक वॉइसओवर के माध्यम से सीरीज़ की शुरुआती कहानी बताई गई है। यह सीरीज पहलगाम आतंकी हमले पर केंद्रित होगी। निर्देशक विवेक अग्निहोत्री ने भी पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर आधारित फिल्म 'ऑपरेशन सिंदूर' का ऐलान किया था, जिसके पोस्टर ने हर किसी का दिल जीता था। निर्देशक यह फिल्म टी-सीरीज़ के साथ मिलकर बना रहे हैं और माना जाता रहा है कि फिल्म में लीड रोल वरुण धवन निभा सकते हैं। हालांकि फिल्म के रिलीज को लेकर आधिकारिक तौर पर कोई जानकारी नहीं है।

तुंगनाथ मंदिर के खुले कपाट, दर्शन के लिए उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में स्थित पवित्र तुंगनाथ मंदिर के कपाट बुधवार से श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए हैं। इसके साथ ही पूरे क्षेत्र में भक्ति और उत्साह का माहौल देखने को मिला। बुधवार सुबह से ही भक्तों की भारी भीड़ चोपता और आसपास के इलाकों में उमड़ पड़ी थी, जो बाबा तुंगनाथ के दर्शन के लिए उत्साहित नजर आए।

पंच केदारों में तीसरे केदार के रूप में प्रसिद्ध भगवान तुंगनाथ धाम की चल विग्रह डोली 20 अप्रैल को अपने शीतकालीन गद्दी स्थल मक्कूमठ से विधि-विधान के साथ रवाना हुई थी। इस यात्रा के दौरान पारंपरिक रीति-रिवाजों का पालन किया गया और स्थानीय ग्रामीणों ने पुरखी मेला भी आयोजित किया, जहां नए अन्न का भोग भगवान तुंगनाथ को अर्पित किया गया।

डोली 20 अप्रैल की रात भूतनाथ मंदिर में विश्राम के बाद 21 अप्रैल को आगे बढ़ी और विभिन्न पड़ावों से होते हुए चोपता पहुंची। यहां रात्रि विश्राम के बाद बुधवार सुबह लगभग 8:30 बजे डोली को विधिवत पूजा-अर्चना के साथ तुंगनाथ धाम के लिए रवाना किया गया। करीब 11 बजे मंदिर के कपाट आगामी यात्रा वर्ष 2026 के लिए श्रद्धालुओं के दर्शन हेतु खोल दिए गए।

स्थानीय पुरोहित प्रकाश पुरोहित ने बताया कि यह यात्रा पूरी तरह पारंपरिक और धार्मिक विधि-विधान के अनुसार सम्पन्न हुई है। उन्होंने देश-विदेश के श्रद्धालुओं से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में तुंगनाथ धाम आएं और इस पवित्र यात्रा का हिस्सा बनें।

वहीं, पूर्व विधायक मनोज रावत भी इस अवसर पर दर्शन करने पहुंचे। इस दौरान आईएएनएस से बातचीत में उन्होंने कहा कि चोपता क्षेत्र में हर दिन हजारों पर्यटक और श्रद्धालु आते हैं, लेकिन यहां बुनियादी सुविधाओं की भारी कमी है। खासकर सार्वजनिक शौचालय न होने को उन्होंने गंभीर समस्या बताया। उनका कहना है कि जब सरकार इस क्षेत्र को पर्यटन और डेस्टिनेशन के रूप में बढ़ावा दे रही है, तो यहां सुविधाओं का विकास भी उतना ही जरूरी है।

उन्होंने प्रशासन से मांग की कि वन विभाग, जिला प्रशासन और संबंधित विभाग मिलकर इस समस्या का समाधान करें। उन्होंने यह भी कहा कि यदि यहां सरकारी भवन और सुरक्षा ढांचे बन सकते हैं, तो सार्वजनिक सुविधाएं भी बननी चाहिए। टैक्स वसूली के बावजूद सुविधाओं की कमी पर उन्होंने सवाल उठाए और इसे तुरंत सुधारने की जरूरत बताई।

गोल ही क्यों होते हैं प्लैनेट, चौकोर या पिरामिड क्यों नहीं? जानें कैसे काम करती है ग्रैविटी

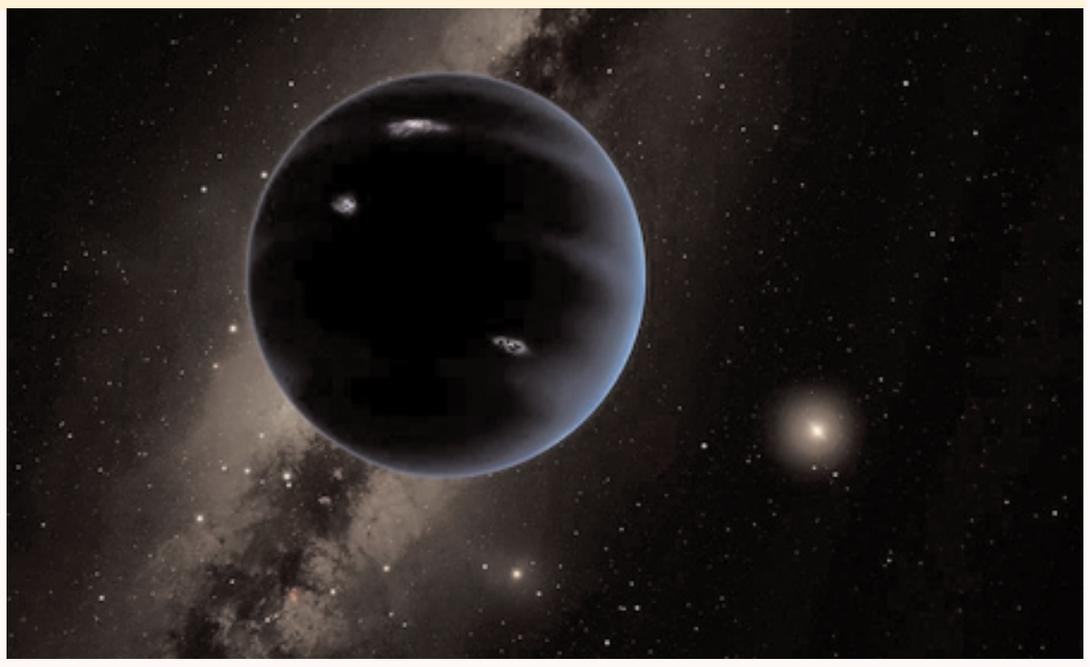

नई दिल्ली। आपने कभी सोचा है कि हमारी पृथ्वी के साथ ही स्पेस में मौजूद सभी ग्रह गोल ही क्यों होते हैं? वे क्यूब, पिरामिड या किसी अन्य आकार के क्यों नहीं होते? इसका सीधा संबंध गुरुत्वाकर्षण से है, जो ब्रह्मांड में हर वस्तु के आकार और संरचना को तय करने में अहम भूमिका निभाता है।

गुरुत्वाकर्षण हर ग्रह को सभी तरफ से बराबर खींचता है, जिसकी वजह से उनका आकार गेंद जैसा गोल हो जाता है। सौर मंडल के सभी ग्रह अलग-अलग आकार और आकृति के हैं। कुछ छोटे चट्टानी हैं तो कुछ विशाल गैसीय। लेकिन एक बात सभी में समान है, वे सभी गोल हैं। फिर चाहे वे छोटे हों या बड़े।

गुरुत्वाकर्षण ही वह शक्ति है जो ग्रहों को क्यूब, पिरामिड या किसी अन्य आकार में नहीं, बल्कि गोल बनाने पर मजबूर करती है। बिना गुरुत्वाकर्षण के ब्रह्मांड में कोई भी बड़ा पिंड गोल नहीं हो पाता।

अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा इस बारे में विस्तार से जानकारी देता है, जिसके अनुसार, स्पेस में धूल, गैस और छोटे-छोटे पत्थर आपस में टकराते रहते हैं। धीरे-धीरे ये टुकड़े एक साथ जुड़ते जाते हैं। जब इनमें काफी मात्रा में पदार्थ इकट्ठा हो जाता है, तो उनमें अपना खुद का गुरुत्वाकर्षण पैदा हो जाता है। यह गुरुत्वाकर्षण इतना मजबूत हो जाता है कि वह आसपास के सभी छोटे टुकड़ों को अपनी ओर खींच लेता है। जब ग्रह पर्याप्त बड़ा हो जाता है, तो वह अपने रास्ते में आने वाले सभी कणों को साफ कर लेता है।

गुरुत्वाकर्षण ग्रह के केंद्र से हर दिशा में बराबर खींचता है। ठीक उसी तरह जैसे साइकिल के पहिये की तीलियां केंद्र से किनारों को खींचती हैं।

इस बराबर खिंचाव की वजह से ग्रह का आकार तीन आयामी गोले जैसा हो जाता है। अगर कोई हिस्सा बाहर निकला हुआ होता है, तो गुरुत्वाकर्षण उसे अंदर की ओर खींच लेता है। इसी प्रक्रिया से ग्रह गोलाकार बनते हैं।

खास बात है कि सभी ग्रह पूरी तरह गोल नहीं होते हैं। ज्यादातर ग्रह काफी हद तक गोल होते हैं, लेकिन कुछ में थोड़ा अंतर होता है।

बुध और शुक्र सबसे ज्यादा गोल हैं, लगभग कंचे जैसी पूर्ण गोलाकारता रखते हैं। बृहस्पति और शनि जैसे विशाल गैसीय ग्रहों में थोड़ा अंतर दिखता है। ये अपनी धुरी पर बहुत तेजी से घूमते हैं। घूमने की वजह से इनकी भूमध्य रेखा के पास का हिस्सा थोड़ा बाहर की ओर उभर आता है। इसे 'इक्वेटोरियल बल्ज' या भूमध्यरेखीय उभार कहते हैं। जब कोई चीज तेज घूमती है, तो उसके बाहरी हिस्से को ज्यादा तेजी से चलना पड़ता है। गुरुत्वाकर्षण इसे अंदर खींचता रहता है, लेकिन घूमने का बल इसे बाहर की ओर धकेलता है। शनि सबसे ज्यादा उभरा हुआ है, उसकी भूमध्य रेखा ध्रुवों से 10.7 प्रतिशत ज्यादा चौड़ी है।

वहीं, बृहस्पति में यह 6.9 प्रतिशत है। ये बास्केटबॉल की तरह थोड़े चपटे दिखते हैं। पृथ्वी और मंगल छोटे हैं और धीरे घूमते हैं, इसलिए इनमें उभार बहुत कम है। पृथ्वी में भूमध्य रेखा सिर्फ 0.3 प्रतिशत ज्यादा चौड़ी है, जबकि मंगल में 0.6 प्रतिशत है। यूरेनस 2.3 प्रतिशत और नेपच्यून 1.7 प्रतिशत इनके बीच की स्थिति में हैं।

विश्व पृथ्वी दिवस : मौसम के चक्र से रोचक बनावट तक, अपने 'ब्लू प्लैनेट' के बारे में कितना जानते हैं आप?

नई दिल्ली । आज दुनिया भर में पृथ्वी दिवस मनाया जा रहा है। इस मौके पर पूरी दुनिया अपने ब्लू प्लैनेट की रक्षा के लिए जागरूकता फैला रही है। एक ऐसा दिन जो हमें हमारे एकमात्र घर, पृथ्वी, की अहमियत और उसकी रक्षा की जिम्मेदारी का एहसास कराता है। इस वर्ष पृथ्वी दिवस की थीम 'हमारी शक्ति, हमारा प्लैनेट' है, सौर मंडल का यह अनोखा 'ब्लू प्लैनेट' न सिर्फ जीवन का आधार है, बल्कि अपनी विविधता, संतुलन और रहस्यों के कारण बेहद खास भी है। आइए, इस खास मौके पर जानते हैं पृथ्वी से जुड़े रोचक तथ्य।

पृथ्वी सौर मंडल का पांचवां सबसे बड़ा ग्रह है। यह सूर्य से तीसरे स्थान पर है और पास के शुक्र ग्रह से थोड़ा ही बड़ा है। सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह हमारे पूरे सौर मंडल का एकमात्र ऐसा ग्रह है, जहां सतह पर तरल पानी मौजूद है। इसी पानी और अनुकूल तापमान की वजह से यहां जीवन संभव है। पृथ्वी के विशाल महासागरों ने लगभग 3.8 अरब साल पहले जीवन की शुरुआत की जगह प्रदान की थी।

अन्य ग्रहों के नाम ग्रीक या रोमन देवी-देवताओं पर रखे गए हैं, लेकिन पृथ्वी का नाम पुरानी अंग्रेजी और जर्मनिक भाषाओं से आया है। इसका मतलब सीधा सा 'जमीन' है। भारत में हम इसे 'पृथ्वी' कहते हैं, जो लगभग एक हजार साल पुराना नाम है। दुनिया की हजारों भाषाओं में इस ग्रह के अलग-अलग नाम हैं, लेकिन यह हर जगह जीवन का आधार है। पृथ्वी का आकार भी खास है। इसका भूमध्यरेखीय व्यास करीब 12,756 किलोमीटर है। सूर्य से इसकी औसत दूरी 150 मिलियन किलोमीटर यानी एक खगोलीय इकाई (एयू) है। सूर्य की रोशनी पृथ्वी तक पहुंचने में लगभग 8 मिनट का समय लेती है। पृथ्वी हर 23.9 घंटे में अपनी धुरी पर एक चक्कर पूरा करती है, जिससे दिन और रात बनते हैं। सूर्य की परिक्रमा में इसे 365.25 दिन लगते हैं।

हर चार साल में लीप ईयर में एक अतिरिक्त दिन जोड़ा जाता है ताकि कैलेंडर सूर्य की परिक्रमा से मेल खाए। पृथ्वी की धुरी 23.4 डिग्री झुकी हुई है, इसी झुकाव की वजह से मौसमों का चक्र चलता है। गर्मी, सर्दी, वसंत और पतझड़ इसी कारण बनते हैं। हमारा चांद पृथ्वी को और खास बनाता है। पृथ्वी सौर मंडल का एकमात्र ग्रह है जिसका सिर्फ एक चांद है। चांद पृथ्वी के घूमने को स्थिर रखता है, जिससे मौसम ज्यादा नहीं बदलता। वैज्ञानिकों का मानना है कि अरबों साल पहले एक बड़े पत्थर से टकराने के बाद पृथ्वी के कुछ हिस्से अलग होकर चांद बना। चांद की औसत दूरी पृथ्वी से 3,84,400 किलोमीटर है।

पृथ्वी की बनावट भी रोचक है। यह चार मुख्य परतों से बनी है- आंतरिक कोर, बाहरी कोर, मेंटल और क्रस्ट।

प्रसव के बाद नहीं बन रहा पर्याप्त दूध? आयुर्वेद से जानिए कारण और उपाय

नई दिल्ली। प्रसव के बाद कई महिलाओं को लगता है कि उनके स्तन में दूध पर्याप्त नहीं बन रहा है, जिस वजह से बच्चा भूखा रह जाता है। लेकिन यह एक आम समस्या है और इसमें घबराने की जरूरत नहीं होती। आयुर्वेद के अनुसार स्तनपान, यानी दूध बनने की प्रक्रिया शरीर, मन और खानपान तीनों पर निर्भर करती है। अगर इन तीनों में असंतुलन हो जाए तो दूध कम बनने की समस्या हो सकती है।

आयुर्वेद में माना जाता है कि प्रसव के बाद महिला का शरीर काफी कमजोर हो जाता है। अगर इस समय सही पोषण न मिले, पर्याप्त आराम न मिले और मानसिक तनाव ज्यादा हो, तो दूध बनने की प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है। कई बार चिंता, नींद की कमी और कमजोरी भी इसका बड़ा कारण बनते हैं। इसके अलावा अगर महिला बहुत ज्यादा उपवास करे या ठीक से पानी न ले, तो भी इसका असर दूध उत्पादन पर पड़ता है।

कई बार मां को खुद महसूस होता है कि दूध कम बन रहा है और बच्चे का पेट ठीक से नहीं भर पा रहा है। बच्चे का वजन धीरे-धीरे बढ़ता है या वह कमजोर दिखने लगता है। कुछ मामलों में बच्चे को कब्ज जैसी समस्या भी हो सकती है।

आयुर्वेद में इसका समाधान बहुत सरल और प्राकृतिक बताया गया है। सबसे पहले मां को मानसिक रूप से शांत रहना बहुत जरूरी है। तनाव और चिंता को कम करना सबसे बड़ा उपाय है, क्योंकि मानसिक स्थिति सीधे दूध उत्पादन पर असर डालती है।

खानपान में भी सुधार जरूरी है। आयुर्वेद के अनुसार मां को हल्का, पौष्टिक, गर्म और तरल भोजन लेना चाहिए। दूध, घी और दूध से बने हल्के पदार्थ फायदेमंद माने जाते हैं। इसके अलावा कुछ औषधीय चीजें भी दूध बढ़ाने में मदद करती हैं, जैसे शतावरी, मेथी, जीरा, लहसुन और यष्टिमधु। ये प्राकृतिक रूप से शरीर को ताकत देते हैं और स्तनपान को बढ़ाने में मदद करते हैं।

पानी और तरल पदार्थ पर्याप्त मात्रा में लेना भी बहुत जरूरी है। मां को भूखा या प्यासा नहीं रहना चाहिए। आराम और नींद भी उतनी ही जरूरी है जितना अच्छा खाना। शरीर जितना रिलैक्स रहेगा, उतना ही बेहतर दूध बनेगा।

सबसे जरूरी बात यह है कि मां को बच्चे को समय-समय पर दूध पिलाते रहना चाहिए। इससे शरीर को संकेत मिलता है कि दूध की जरूरत है और उत्पादन धीरे-धीरे बढ़ने लगता है। कई बार शुरुआत में दूध कम होता है।

वृश्चिकासन से बढ़ाएं लचीलापन और एकाग्रता, जानें इसके लाभ

नई दिल्ली। आजकल की व्यस्त दिनचर्या में योग केवल कसरत करना नहीं, बल्कि जीवन की कला बन गया है। योग के विभिन्न आसनों में कुछ ऐसे आसन भी हैं जो न केवल शारीरिक शक्ति और लचीलापन बढ़ाते हैं, बल्कि आत्मविश्वास और एकाग्रता को भी सुदृढ़ करते हैं। उन्हीं विशेष आसनों में से एक है वृश्चिकासन।

वृश्चिकासन दो शब्दों से मिलकर बना है। 'वृश्चिक' का अर्थ है 'बिच्छू' और 'आसन' का अर्थ है 'मुद्रा'। इस आसन को करने के दौरान शरीर की मुद्रा बिच्छू के समान दिखाई देती है। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने वृश्चिकासन को एक उन्नत स्तर का योग आसन बताया है। इसके नियमित रूप से करने से शरीर में शक्ति, संतुलन और लचीलेपन का अद्भभुत संयोजन है। इस आसन में शरीर की आकृति डंक उठाए हुए बिच्छू की तरह हो जाती है।

अगर इस आसन को सही तरीके से किया जाए तो मस्तिष्क में रक्त संचार सुधरता है, जिससे स्मरण शक्ति और फोकस बेहतर होता है। नियमित अभ्यास से तनाव कम होता है और आत्मविश्वास बढ़ता है। यह आसन हृदय के लिए भी लाभकारी है, क्योंकि इनवर्टेड पोजिशन में रक्त प्रवाह संतुलित होता है।

इस आसन को करने के लिए सबसे पहले मयूरासन की स्थिति में आएं। कोहनियों को कंधों के नीचे रखें और हथेलियों से जमीन को पकड़ें। शरीर को ऊपर उठाते हुए पैरों को सीधा रखें। अब धीरे-धीरे रीढ़ को झुकाते हुए पैरों को सिर की ओर लाएं, ताकि पैरों की उंगलियां सिर को छूने की कोशिश करें। संतुलन बनाए रखें और गहरी सांस लें। शुरुआत में 10-20 सेकंड तक रुकें, फिर धीरे-धीरे समय बढ़ाएं। अभ्यास के बाद शवासन या बालासन में विश्राम करें। वृश्चिकासन उन्नत आसन है, इसलिए शुरुआती लोग योग प्रशिक्षक की देखरेख में ही करें।

यह एक अत्यंत कठिन आसन है। इसे केवल तभी करने का प्रयास करना चाहिए जब आप पिंचा मयूरासन में निपुण हों। उच्च रक्तचाप, रीढ़ की हड्डी में चोट, या हृदय संबंधी समस्याओं वाले लोगों को इससे बचना चाहिए।

गर्मियों में राहत का देसी उपाय, शिकंजी से पाचन बेहतर, शरीर रहेगा एनर्जी से भरपूर

नई दिल्ली। गर्मी का मौसम शुरू हो चुका है। ऐसे में देश के कई हिस्सों में लगातार तापमान बढ़ता जा रहा है। ऐसे में शरीर में पानी की कमी, थकान और पाचन संबंधी समस्याएं बढ़ने लगती हैं। इन समस्याओं को मात देने में घरेलू और स्वादिष्ट पेय शिकंजी बेहद कारगर है।

आसानी से बनने वाली शिकंजी न सिर्फ तुरंत ताजगी और ठंडक देती है, बल्कि बेहतर पाचन, एनर्जी और कई स्वास्थ्य लाभ भी देती है। शिकंजी नींबू, पानी, काला नमक, जीरा पाउडर और थोड़ी चीनी से बनाई जाती है। कई लोग इसमें अदरक और पुदीने की पत्तियां भी मिलाते हैं। यह पेय उत्तर भारत में गर्मियों का सबसे लोकप्रिय पेय माना जाता है। सड़कों पर मिट्टी के बर्तनों में रखी ठंडी शिकंजी देखना आम है।

शिकंजी घर पर बनाना भी आसान है। इसके लिए एक जग में दो गिलास ठंडा पानी लें। इसमें एक-दो नींबू निचोड़ें। स्वादानुसार काला नमक, जीरा पाउडर और थोड़ी चीनी मिलाएं। अगर चाहें तो बारीक कटी पुदीने की पत्तियां और अदरक का रस भी डाल सकते हैं। अच्छी तरह मिलाकर सर्व करें। बिना चीनी के भी शिकंजी बनाई जा सकती है। शिकंजी के सेवन से कई लाभ मिलते हैं।

त्वचा और जोड़ों के लिए फायदेमंद: - गर्मियों में शिकंजी के नियमित सेवन से त्वचा की रंगत निखरती है और जोड़ों के दर्द में राहत मिलती है।

बेहतर पाचन: - नींबू में मौजूद विटामिन सी और फाइबर पाचन क्रिया को मजबूत बनाते हैं। जीरा और अदरक पेट की गैस, एसिडिटी और भारीपन दूर करने में मदद करते हैं। नियमित सेवन से पाचन तंत्र स्वस्थ रहता है।

गर्मियों में बात-बात पर आ जाता है गुस्सा, इन प्रभावी उपायों से मन को करें शांत

नई दिल्ली। गर्मियों के आते ही मन और तन का संतुलन बना पाना मुश्किल हो जाता है क्योंकि बाहर के वातावरण के साथ शरीर के भीतर का तापमान भी अनियंत्रित हो जाता है।

गर्मी की वजह से पित्त बढ़ता है और पित्त बढ़ने की वजह से गुस्सा व चिड़चिड़ापन पूरे दिन रहता है। छोटी-छोटी बातों पर क्रोध, चिड़चिड़ापन, अधीरता, सिर में गर्मी, बेचैनी और भीतर की अशांति कई बार बढ़े हुए पित्त का संकेत हो सकते हैं। ऐसे में गर्मियों में पित्त को संतुलित रखना बहुत जरूरी है।

आयुर्वेद का मानना है कि अगर शरीर को शीतलता और आराम मिले तो मन और तन दोनों शांत हो सकते हैं। गर्मियों में विश्राम करने से शरीर की ऊर्जा बनी रहती है और मन भी अच्छा रहता है। हमेशा ज्येष्ठ माह में दिन में सोने और भरपूर आराम करने की सलाह दी जाती है लेकिन इसी के साथ अगर आप शरीर को अंदर से शीतल रखते हैं तो पित्त खुद-ब-खुद संतुलित रहता है। इसके लिए कुछ उपाय हैं, जिन्हें करने के बाद आपका गुस्सा भी कम होगा।

गर्मियों में चाय पीना कम करना चाहिए क्योंकि यह शरीर को गर्मी और अधिक बढ़ा देती है। इससे शरीर में जलन और गर्मी दोनों पैदा होती है। इसके बदले हर्बल टी का सहारा लें। हर्बल टी में तुलसी, गुलाब की पत्तियां और पैशनफ्लावर और कैमोमाइल को मिलाएं और उसे दिन में दो बार पीएं। यह हॉर्मोन को संतुलित करती है और तनाव को कम करने में मदद करती है।

शरीर की सप्तधातु, जिसमें छिपा है सेहत का असली रहस्य

नई दिल्ली। शरीर की अच्छी सेहत और सौन्दर्य केवल ऊपरी देखभाल या फिर बाजार में मिलने वाले महंगे प्रोडक्ट की वजह से नहीं आते हैं बल्कि इसकी जड़ें हमारे शरीर के अंदर छिपी हैं।

आयुर्वेद के अनुसार वास्तविक आभा तब आती है जब शरीर की सप्तधातु संतुलित रहती हैं। शरीर के त्रिदोष के बारे में सभी जानते हैं लेकिन त्रिदोष के साथ शरीर को संचालित करने में सप्तधातु का भी महत्वपूर्ण योगदान है।

आयुर्वेद और चरक संहिता में सप्त धातुओं की महत्ता बताई गई है। अगर बार-बार थकान महसूस होती है, मन ठीक नहीं रहता, चिड़चिड़ापन होना, चेहरे का ग्लो चला जाता है या फिर बालों का तेजी से झड़ना, यह सप्त धातुओं के असंतुलन का कारण है। चरक संहिता में कहा गया है, 'धातवो हि देहधारण पोषण वृद्धय:,' यानी धातुएं ही शरीर को धारण करती हैं, उसका पोषण करती हैं और उसे बढ़ाती हैं। अब जान लेते हैं कि सप्त धातु कौन सी हैं और किसके असंतुलन से शरीर पर क्या प्रभाव पड़ता है।

पहली धातु है रस धातु। यह पहली और सबसे जरूरी धातु है, जो शरीर में ऊर्जा का प्रवाह बनाए रखने में मदद करती है और यह भोजन के पाचन से बनती है। इसी के कारण शरीर के भीतर नमी बनी रहती है। दूसरे नंबर पर है रक्त धातु। रक्त धातु को जीवन का आधार माना गया है। यह शरीर के सभी अंगों को पोषित करती है और अंगों में लालिमा बनाए रखती है।

तीसरे नंबर पर है मांस धातु। मांस धातु शरीर में स्थिरता लाती है, जिसका संबंध शरीर की मांसपेशियों से है। यह अग्नि और पृथ्वी महाभूत से बनी होती है, जो शरीर को सही आकार में बनाए रखती है। चौथी धातु है मेद धातु। मेद धातु वसा का प्रतिनिधित्व करती है और शरीर के हॉर्मोन को संतुलित करने में मदद करती है। मांस धातु के निर्माण के बाद ही मेद धातु का निर्माण होता है। अगर शरीर में मेद धातु का असंतुलन होता है।

जडेजा के रन और आर्चर की तुफानी गेंदबाजी, आरआर ने 40 रन से एलएसजी को हराया

लखनऊ । राजस्थान रॉयल्स (आरआर) ने बुधवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 32वें मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के विरुद्ध 40 रन से जीत दर्ज की। इस जीत के बाद आरआर आईपीएल 2026 की प्वाइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर है, जबकि लगातार चौथा मुकाबला गंवाकर एलएसजी 9वें स्थान पर मौजूद है।

भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी राजस्थान रॉयल्स ने 6 विकेट खोकर 159 रन बनाए। इस टीम को 32 के स्कोर पर यशस्वी जायसवाल (22) के रूप में पहला झटका लगा। इसी स्कोर पर टीम ने ध्रुव जुरेल (0) और वैभव सूर्यवंशी (8) के विकेट भी खो दिए।

इसके बाद कप्तान रियान पराग (20) ने शिमरोन हेटमायर (22) के साथ चौथे विकेट के लिए 30 रन की साझेदारी की। रवींद्र जडेजा ने डोनोवन फरेरा (20) के साथ छठे विकेट के लिए 33 रन, जबकि शुभम दुबे के साथ सातवें विकेट के लिए 49 रन की अटूट साझेदारी करते हुए टीम को 159/6 के स्कोर तक पहुंचाया।

जडेजा 29 गेंदों में 1 छक्के और 2 चौकों के साथ 43 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि शुभम दुबे ने 11 गेंदों में 19 रन की नाबाद पारी खेली। विपक्षी खेमे से मोहम्मद शमी, प्रिंस यादव और मोहसिन खान ने 2-2 विकेट हासिल किए।

इसके जवाब में लखनऊ सुपर जायंट्स 18 ओवरों में महज 119 रन पर सिमट गई। इस टीम ने सिर्फ 11 के स्कोर तक अपने 3 विकेट गंवा दिए थे। यहां से सलामी बल्लेबाज मिचेल मार्श ने निकोलस पूरन के साथ चौथे विकेट के लिए 43 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभालने की कोशिश की।

निकोलस 22 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जिसके बाद मिचेल मार्श ने हिम्मत सिंह के साथ पांचवें विकेट के लिए 37 रन जुटाकर टीम को 91 के स्कोर तक पहुंचाया। मार्श 41 गेंदों में 2 छक्कों और 6 चौकों के साथ 55 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जबकि हिम्मत सिंह ने 15 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। तीन बल्लेबाजों के अलावा, कोई अन्य खिलाड़ी दहाई का आंकड़ा नहीं छू सका।

विपक्षी खेमे से जोफ्रा आर्चर ने महज 20 रन देकर 3 विकेट निकाले, जबकि नंद्रे बर्गर और ब्रजेश शर्मा को 2-2 सफलताएं हाथ लगीं। रवींद्र जडेजा और रवि बिश्नोई ने 1-1 विकेट अपने नाम किया।

एमएस धोनी को विकेटकीपिंग करते देखना सीएसके के लिए अच्छा संकेतः आदित्य तारे

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में गुरुवार को लीग की दो सबसे सफल टीमें मुंबई इंडियंस (एमआई) और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) आमने-सामने होंगी। मुकाबला मुंबई के घरेलू मैदान वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाना है। इस मैच में सीएसके की तरफ से पूर्व कप्तान और विकेटकीपर बल्लेबाज एमएस धोनी खेलेंगे या नहीं, चर्चा का विषय बना हुआ है।

एमएस धोनी टीम के साथ मुंबई गए हैं, और अभ्यास सत्र में उन्हें विकेटकीपिंग करते हुए देखा गया है। इससे उनके एमआई के खिलाफ खेलने के कयास लग रहे हैं।

स्टार स्पोर्ट्स के 'अमूल क्रिकेट लाइव' पर जियोस्टार एक्सपर्ट मुंबई क्रिकेट के दिग्गज आदित्य तारे ने कहा, 'मैं अभ्यास सत्र देख रहा था और जिस बात ने मुझे सबसे ज्यादा हैरान किया, वह थी माही भाई का विकेटकीपिंग करना। मैंने उन्हें पहले कभी अभ्यास सत्र में विकेटकीपिंग ग्लव्स पहने नहीं देखा। वह आमतौर पर सिर्फ बल्लेबाजी या गेंदबाजी करते हैं। वह अभ्यास सत्र में कभी विकेटकीपिंग नहीं करते।

उन्होंने कहा, 'अभ्यास सत्र में एमएस धोनी अपना हेलमेट, पैड और कीपिंग ग्लव्स पहने हुए थे। वह शायद पिंडली की चोट के बाद अपनी मैच फिटनेस टेस्ट कर रहे हैं।

हमने उन्हें पहले भी नेट्स में कई मौकों बार बल्लेबाजी करते देखा है। इस साल मैंने उन्हें पहली बार विकेटकीपिंग करते देखा है। यह एक अच्छा संकेत है। सीएसके उन्हें बहुत जल्द मैदान पर वापस ला सकती है। अगर वह मुंबई इंडियंस के खिलाफ वापसी करते हैं, तो यह वाकई बहुत खास होगा।

आईएसएल 2026: चेन्नईयिन एफसी को मोहम्मडन एससी के साथ ड्रॉ से करना पड़ा संतोष

चेन्नई । इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2026 में मंगलवार को चेन्नईयिन एफसी और मोहम्मडन एससी के बीच मुकाबला गोल रहित रहा। भले ही चेन्नईयिन एफसी ने मैच के ज्यादातर समय तक दबदबा बनाए रखा, लेकिन इस बीच गोल करने के बेहतर मौके बनाए। 'मरीना माचन्स' ने पूरे मैच के दौरान आक्रामक रवैया दिखाया, लेकिन अपने घरेलू दर्शकों के सामने वे निर्णायक गोल करने में नाकाम रहे।

जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेले गए इस मैच में चेन्नईयिन ने मैच की शुरुआत जोरदार तरीके से की और अपनी पिछली जीत की लय को बरकरार रखते हुए शुरू से ही आक्रामक खेल दिखाया। क्लूसनर ने शुरुआती मिनटों में ही एक खतरनाक क्रॉस दिया, जिससे टीम को एक कॉर्नर मिला। वहीं, हाफ के बीच में एडुआर्डो काऊ गोल करने के बेहद करीब पहुंच गए थे, लेकिन एक 'सेट-पीस' से उनका हेडर गोल से थोड़ा बाहर चला गया।

दूसरी तरफ, मोहम्मद नवाज को अपनी काबिलियत दिखाने का मौका मिला और 29वें मिनट में उन्होंने शानदार बचाव किया। उन्होंने हीरा मंडल के शॉट को गोल से दूर धकेल दिया और स्कोर को बराबर बनाए रखा। गोलकीपर ने इसके बाद भी आत्मविश्वास के साथ गेंद को संभाला और अपनी शानदार सूझ-बूझ का परिचय देते हुए कई क्रॉस को आसानी से रोका। चेन्नईयिन तेजी से जवाबी हमले करने की कोशिश कर रही थी, और इस दौरान चीमा, इमरान खान के एक बेहतरीन क्रॉस को गोल में बदलने के बेहद करीब पहुंच गए थे।

'नीतीश राणा से 4 ओवर गेंदबाजी करवाना समझ से परे', आरोन फिंच ने अक्षर पटेल के फैसले पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में मंगलावर को हैदराबाद में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) और दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के बीच मुकाबला खेला गया। एसआरएच ने मैच 47 रन से जीता। मैच के बाद डीसी के कप्तान अक्षर पटेल की कप्तानी पर सवाल उठे हैं। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान आरोन फिंच ने कुलदीप यादव और अपना 4 ओवर का कोटा पूरा न करने के लिए अक्षर की आलोचना की है।

आरोन फिंच ने ईएसपीएनक्रिकइंफो के टाइम आउट शो में कहा, 'डीसी में अक्षर पटेल और कुलदीप यादव के रूप में भारत के दो श्रेष्ठ स्पिनर हैं, लेकिन दोनों में से किसी ने अपने ओवर पूरे नहीं किए, जबकि नीतीश राणा जैसे पार्ट-टाइम ऑफ स्पिनर ने चार ओवर फेंके। मुझे इसका कोई मतलब समझ नहीं आ रहा है।

फिंच ने कहा कि अक्षर पटेल और कुलदीप यादव दोनों ही दो बार टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे हैं। वह टीम इंडिया की स्पिन गेंदबाजी की ताकत हैं। इसके बावजूद बाएं हाथ के बल्लेबाज के सामने अक्षर का गेंदबाजी न करना और कुलदीप को गेंदबाजी के लिए न बुलाना उनके भरोसे की कमी को दिखाता है।

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने अक्षर में बारे में कहा कि वह ऐसे इंसान नहीं हैं जिनके बारे में आप जानते हों कि अगर उन पर दबाव है, तो वह स्लॉट में एक गेंद ऊपर उछाल देंगे।

वह खुद को डिफेंड करते हैं, एंगल बदलते हैं। अपनी रेंज, अपनी हाइट का भी अपने फायदे के लिए इस्तेमाल करते हैं।

इसलिए जब आप डिफेंसिव सोच रहे होते हैं, तब भी अभिषेक शर्मा के खिलाफ अटैकिंग करते हैं, जब वह उस तरह के मूड में होते हैं, तो कुछ अच्छी गेंद डालते हैं और उनको पता होता है कि कुछ अच्छा होगा।

उन्होंने कहा कि मैं मानता हूं कि गेंदबाज अपनी 24 गेंद सही दिशा और लेंथ पर नहीं फेंक सकता है, लेकिन कम से कम उसे स्टैंड जरूर लेना चाहिए।

वेस्टइंडीज चैंपियनशिपः खतरनाक पिच की वजह से घायल हुआ खिलाड़ी, मैच रद्द किया गया

नई दिल्ली। त्रिनिदाद और टोबैगो और लीवर्ड आइलैंड्स के बीच वेस्टइंडीज चैंपियनशिप का मैच रद्द कर दिया गया और इसे ड्रॉ घोषित किया गया। यह फैसला मैदान पर एक घटित एक गंभीर घटना के बाद असुरक्षित और खतरनाक पिच की वजह से लिया गया। खतरनाक पिच की वजह से इंजर्ड हुए एक खिलाड़ी को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था।

वेस्टइंडीज चैंपियनशिप के तहत सर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम में खेला जा रहा चार दिवसीय मैच मंगलवार सुबह समय से पहले खत्म हो गया। अंपायरों ने पिच को खेलने के लिए बहुत खतरनाक माना। लगातार खराब होते पिच की वजह से अंपायरों ने खिलाड़ियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए मैच को रद्द करने का फैसला लिया।

यह फैसला लीवर्ड आइलैंड्स की दूसरी पारी में एक चिंताजनक पल के बाद आया जब त्रिनिदाद और टोबैगो के पेसर जेडन सील्स की एक तेज उठती हुई गेंद जेरेमिया लुइस के हेलमेट पर लगी। गेंद अचानक लेंथ से उछल गई, जबकि पिछली गेंद नीचे रह गई थी।

गेंद लगने के तुरंत बाद लुइस गिर पड़े, उनका बल्ला गिर गया, और फिर उन्होंने गुस्से में अपने हेलमेट पर लात मारी। उन्हें मैदान पर मेडिकल मदद मिली, फिर उन्हें स्ट्रेचर पर ले जाकर आगे की जांच के लिए हॉस्पिटल ले जाया गया। क्रिकेट वेस्टइंडीज के मुताबिक, खिलाड़ी की हालत स्थिर है।

क्रिकेट वेस्टइंडीज ने एक आधिकारिक बयान में कहा, 'क्यूरेटर के साथ बातचीत के बाद अंपायरों ने यह तय किया कि पिच को ठीक नहीं किया जा सकता है। पिच खतरनाक है और मैच फिर से शुरू करने के लिए फिट नहीं है, इसलिए मैच ड्रॉ घोषित किया गया। बयान में कहा गया, 'मैच रद्द करने का फैसला कॉम्पिटिशन को नियंत्रित करने वाली शर्तों के अनुसार लिया गया। इन शर्तों के तहत, जब ऑन-फील्ड अंपायर यह तय करते हैं कि खेल जारी रखना खतरनाक या गलत है, तो खेल रोक दिया जाना चाहिए, और क्रिकेट वेस्टइंडीज के मैच रेफरी से सलाह ली जानी चाहिए।

क्रिकेट वेस्टइंडीज ने भरोसा दिलाया है कि टूर्नामेंट फाइनल सहित वेन्यू पर आने वाले मैचों से पहले सुधार के उपाय किए जाएंगे।

बोर्ड ने कहा, 'आगे के मैचों के लिए एक सुरक्षित और प्रतियोगी पिच तैयार किया जाएगा जिसके लिए सभी जरूरी संसाधन और विशेषज्ञता का इस्तेमाल किया जाएगा।

शूटिंग लीग ऑफ महाराष्ट्रः सोबो जायंट्स ने जीता पहला संस्करण

पुणे । सोबो जायंट्स ने शूटिंग लीग ऑफ महाराष्ट्र का खिताब जीत लिया है। यह लीग का पहला संस्करण था। एक कड़े मिश्रित टीम फाइनल में, सोबो जायंट्स ने पालघर गोल्डन फिंगर के खिलाफ 17-7 से निर्णायक जीत हासिल की। ??आमही पुणेकर ने सांगली अल्फा लायंस को 16-14 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया।

यह लीग शूटिंग लीग ऑफ इंडिया (एसएलआई) के विकास में महत्वपूर्ण है।

एसएलआई इस खेल के लिए एक संरचनात्मक रास्ता बनाने में मदद करती है। इस साल की शुरुआत में कर्नाटक शूटिंग लीग के सफल लॉन्च के बाद, एसएलएम अब भारत में दूसरी राज्यस्तरीय लीग है। यह पूरे देश में खेल के लिए एक बड़े आयोजन श्रृंखला की शुरुआत है।

इस राज्यस्तरीय लीग शूटिंग लीग ऑफ इंडिया के लंबे समय के विजन के लिए जरूरी हैं। इसका मकसद खेल और इसके प्रशंसकों की संख्या को बढ़ाना है।

लीग पूरे महाराष्ट्र से नए और जाने-माने निशानेबाजों को एक साथ लायी, जिसमें टियर 2 और टियर 3 शहरों के प्रतिभागियों पर खास जोर दिया गया। लीग ने यह भी दिखाया कि कैसे एक टीम और फॉर्मेट आधारित लीग जमीनी स्तर पर भागीदारी को श्रेष्ठ प्रदर्शन से जोड़ सकता है।

कोच शार्लेट एडवर्ड्स को भरोसा, टी20 विश्व कप में अहम खिलाड़ी साबित होंगी सोफी एक्लेस्टोन

नई दिल्ली । इंग्लैंड क्रिकेट टीम की हेड कोच शार्लेट एडवर्ड्स ने स्पिन गेंदबाज सोफी एक्लेस्टोन को आगामी आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए टीम की सबसे अहम खिलाड़ियों में से एक बताया है। उन्होंने एक्लेस्टोन की शानदार वापसी की भी तारीफ की।

सोफी एक्लेस्टोन ने पिछले साल एक मुश्किल दौर का सामना किया था। खासकर एशेज सीरीज के बाद वह काफी निराश थीं और कुछ समय के लिए क्रिकेट से दूर भी हो गई थीं। हालांकि, ब्रेक लेने के बाद उन्होंने जोरदार वापसी की। उन्होंने आईसीसी महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप 2025 में शानदार गेंदबाजी की और वह सर्वाधिक विकेट लेने वाली गेंदबाजों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर रहीं।

एडवर्ड्स ने कहा कि यह ब्रेक एक्लेस्टोन के लिए जरूरी था। अब वह पहले से ज्यादा उत्साहित और खुश नजर आती हैं। कोच के मुताबिक, जब कोई खिलाड़ी खुशी के साथ खेलता है तो उसका प्रदर्शन भी बेहतर होता है। उन्होंने यह भी बताया कि एक्लेस्टोन अब सिर्फ गेंदबाजी ही नहीं, बल्कि बल्लेबाजी में भी योगदान देना चाहती हैं। वह खुद को एक ऑलराउंडर के रूप में विकसित करने की कोशिश कर रही हैं, जो टीम के लिए बहुत फायदेमंद हो सकता है।

इंग्लैंड इस बार वर्ल्ड कप की मेजबानी कर रहा है, जिससे टीम को घरेलू परिस्थितियों का फायदा मिलेगा। एडवर्ड्स ने 2009 में कप्तान के तौर पर टीम को वर्ल्ड कप जिताने का अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि घरेलू वर्ल्ड कप खेलना खिलाड़ियों के करियर का खास पल होता है। हालांकि, इंग्लैंड की टीम 2017 के बाद से कोई बड़ा आईसीसी खिताब नहीं जीत पाई है, लेकिन एडवर्ड्स ने कहा कि टीम फिलहाल सिर्फ अपने ग्रुप मुकाबलों पर ध्यान दे रही है। उनका मानना है कि आगे की सोचने के बजाय पहले ग्रुप स्टेज से बाहर निकलना सबसे जरूरी है।

इंग्लैंड को ग्रुप बी में श्रीलंका, न्यूजीलैंड, आयरलैंड, वेस्टइंडीज और स्कॉटलैंड के साथ रखा गया है। टीम अपना पहला मैच 12 जून को एजबेस्टन में श्रीलंका के खिलाफ खेलेगी। एडवर्ड्स ने यह भी माना कि दूसरे ग्रुप में भारत, ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका महिला क्रिकेट टीम जैसी मजबूत टीमें हैं, जिससे टूर्नामेंट काफी चुनौतीपूर्ण होने वाला है।

ला लीगा: रियल मैड्रिड, बेटिस और एथलेटिक क्लब की जीत

मैड्रिड । स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लीगा में रियल मैड्रिड ने अलावेस के खिलाफ 2-1 की जीत दर्ज कर अंकतालिका में शीर्ष पर काबिज बार्सिलोना से अंतर घटाकर छह अंक कर दिया।

मैच की शुरुआत में ही रियल मैड्रिड ने आक्रामक रुख अपनाया। 29वें मिनट में स्टार फॉरवर्ड किलियन एम्बाप्पे ने पेनल्टी एरिया के बाहर से शानदार शॉट लगाकर टीम को बढ़त दिलाई। मैड्रिड का दबदबा इसके बाद भी जारी रहा। हाफटाइम से ठीक पहले एडर मिलिटाओ चोटिल होकर मैदान से बाहर चले गए, जो टीम के लिए चिंता का विषय बन सकता है।

दूसरे हाफ में विनिसियस जूनियर ने अपनी टीम की बढ़त को दोगुना कर दिया। उन्होंने फेडे वाल्वरडे के शानदार मूव के बाद बेहतरीन गोल दागा। हालांकि मैच के इंजरी टाइम में टोनी मार्टिनेज ने अलावेस के लिए एक गोल कर अंतर कम किया, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी।

दूसरी ओर, रियल बेटिस ने गिरोना को 3-2 से हराकर सात मैचों से चले आ रहे जीत के सूखे को खत्म किया। शुरुआती गोल विक्टर त्सिगांकोव ने किया, लेकिन बाद में मार्क रोका और अब्दे एजालजौली ने स्कोर पलट दिया। अंत में रोड्रिगो रिक्वेल्मे ने निर्णायक गोल कर टीम को जीत दिलाई।

एक अन्य मुकाबले में एथलेटिक क्लब ने ओसासुना को 1-0 से हराया। यह जीत टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण रही क्योंकि इससे उनका रेलीगेशन का खतरा लगभग समाप्त हो गया। मैच का एकमात्र गोल गोर्का गुरुजेटा ने किया। गोलकीपर उनाई साइमन ने शानदार बचाव करते हुए पेनल्टी भी रोकी।मैलोर्का और वालेंसिया के बीच मुकाबला 1-1 से ड्रॉ रहा। मैलोर्का के लिए सैमू कोस्टा ने गोल किया, जबकि वालेंसिया के लिए उमर सादिक ने बराबरी दिलाई।

अब सभी की नजरें अगले मुकाबलों पर हैं, जहां बार्सिलोना का सामना सेल्टा विगो से होगा, जबकि एटलेटिको मैड्रिड एल्चे के खिलाफ मैदान में उतरेगा।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेलः vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415